@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 9 जून 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 215 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

‘धर्मेंद्र प्रधान तत्काल इस्तीफा दें’

‘वोट लूट’ पर प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखेंगे: ‘इंडिया’ गठबंधन

‘हम लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे’

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली में हुई इंडिया ब्लॉक की मैराथन बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा सरकार के खिलाफ बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। बैठक के बाद खरगे ने कहा कि विपक्षी दल अब और मजबूती से लड़ाई लड़ेंगे और जनता के मुद्दों को लगातार उठाएंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन पांच बड़े मुद्दों पर एकमत हुआ है और आने वाले समय में सरकार को संसद से लेकर सड़क तक घेरने की तैयारी की जाएगी। खरगे ने साफ कहा कि हम लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे। बैठक में करीब 25 विपक्षी दलों ने हिस्सा लिया।

बैठक के बाद खरगे ने नीट पेपर लीक मामले को युवाओं के भविष्य के साथ धोखा बताया। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली में लगातार हो रही गड़बड़ियां लाखों छात्रों की मेहनत और उम्मीदों को बर्बाद कर रही हैं। इसी मुद्दे को लेकर इंडिया ब्लॉक ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार परीक्षा व्यवस्था संभालने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि गठबंधन मॉनसून सत्र में भी इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाएगा और छात्रों के साथ न्याय की मांग करेगा।

खरगे ने कहा कि बैठक में आर्थिक स्थिति, महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में आम लोगों की जिंदगी मुश्किल होती जा रही है, लेकिन सरकार इन मुद्दों पर गंभीर नहीं दिख रही। विपक्ष का कहना है कि बढ़ती कीमतों और बेरोजगारी ने युवाओं और मध्यम वर्ग को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है।

INDIA ब्लॉक ने तय किया है कि आने वाले महीनों में इन मुद्दों पर संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। विपक्षी दलों का मानना है कि यही मुद्दे आने वाले चुनावों में निर्णायक साबित हो सकते हैं।

ये पांच बड़े एलान किये-

- महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक स्थिति के मुद्दे को देशभर में जोरदार तरीके से उठाया जाएगा।
- नीट पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में गड़बड़ियों को लेकर केंद्र सरकार को घेरा जाएगा और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग जारी रहेगी।
- विपक्षी गठबंधन मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर एसआईआर प्रक्रिया और मतदान अधिकारों से जुड़े मुद्दे उठाएगा।
- इंडिया ब्लॉक की बैठक अब हर दो महीने में होगी। अगली बैठक आठ अगस्त को हैदराबाद में आयोजित की जाएगी।
- संसद के मॉनसून सत्र में सभी विपक्षी दल मिलकर भाजपा सरकार के खिलाफ साझा रणनीति के तहत मुद्दे उठाएंगे।

सीबीएसई डिजिटल मूल्यांकन विवाद

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार और बोर्ड से मांगा जवाब

एजेंसी
भोपाल। दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीएसई की कक्षा 12वीं की परीक्षाओं के लिए हाल ही में लागू की गई ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) यानी डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से जवाब तलब किया है। हाईकोर्ट ने इस मामले में दोनों पक्षों को नोटिस जारी कर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी कर रहे वकीलों ने कोर्ट को बताया कि सीबीएसई ने उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए बने अपने ऑनलाइन पोर्टल को रविवार रात ही बंद कर दिया है। उन्होंने मांग की कि प्रभावित छात्रों की सुविधा के लिए इस पोर्टल को कम से कम एक महीने के लिए दोबारा खोला जाना चाहिए।

सुनवाई के दौरान सीबीएसई के वकील एम. ए. नियाज ने इस

जनहित याचिका की वैधता पर आपत्ति जताई। उन्होंने तर्क दिया कि शैक्षणिक मुद्दों पर किसी राजनीतिक दल के छात्र संगठन को राजनीति नहीं करनी चाहिए। नियाज ने कहा कि बोर्ड ने मूल्यांकन पोर्टल की समय-सीमा को समय-समय पर बढ़ाया है और छात्रों की शिकायतों का समाधान किया जा रहा है। इसके जवाब में एनएसयूआई के वकील ने स्पष्ट किया कि यह याचिका नाबालिग छात्रों के हितों की रक्षा के लिए दायर की गई है और किसी राजनीतिक संबद्धता के कारण याचिका दायर करने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। यह जनहित याचिका एनएसयूआई के अध्यक्ष विनोद जाखड़ और वकील ऋषभ रंजन के माध्यम से दायर की गई है। इसमें पोर्टल को दोबारा खोलने के साथ-साथ विवादित मामलों में कॉपियों की शारीरिक रूप से जांच (मैनुअल री-चेकिंग) कराने और पूरी डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही, याचिका में भविष्य में लागू होने वाली ऐसी सभी प्रणालियों के लिए केंद्र सरकार की देखरेख में पुख्ता दिशानिर्देश तैयार करने की भी अपील की गई है।

● टूट गई तृणमूल कांग्रेस ?:

काकोली घोष का बड़ा दावा

करीब 20 सांसदों के साथ एनडीए को समर्थन देने के लिए ओम बिरला को भेजा पत्र

एजेंसी
जोधपुर। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर घिरा राजनीतिक संकट अब और गहराता जा रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद 58 विधायकों की बगावत से जूझ रही टीएमसी को अब संसद में भी बड़ा झटका लगा है। तृणमूल कांग्रेस में टूट की अटकलों पर सोमवार को पार्टी की लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने मुहर लगा दी है।

सांसद काकोली घोष ने कहा है कि मेरे साथ टीएमसी के करीब 20 सांसदों ने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को समर्थन देने का फैसला किया है। न्यूज एजेंसी से काकोली घोष ने कहा कि 20 टीएमसी सांसदों के हस्ताक्षर वाला पत्र लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भेजकर एनडीए के साथ गठबंधन करने की इच्छा जताई गई है। वरिष्ठ पार्टी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया कि लगभग 20 टीएमसी सांसदों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के समर्थन के लिए लोकसभा अध्यक्ष को अपनी स्थिति से अवगत करा दिया है।

काकोली घोष बोलीं- एनडीए को देंगे समर्थन

टीएमसी के वर्तमान में 28 लोकसभा सांसद और 12 राज्यसभा सांसद हैं। यह दावा करते हुए कि वह लोकसभा में पार्टी की मुख्य सचेतक बनी हुई हैं, दस्तीदार ने कहा कि यह फैसला साथी सांसदों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। यह घटनाक्रम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी के भीतर बढ़ते आंतरिक संकट के बीच आया है, जिसने हाल के दिनों में वरिष्ठ नेताओं के खुले विरोध और इस्तीफों को देखा है। घोष दस्तीदार ने कहा कि समूह ने राजनीतिक रूप से एनडीए के साथ खुद को जोड़ने का फैसला किया है, यह तर्क देते हुए कि यह जनमत को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ‘हमने जनता के फैसले को स्वीकार कर लिया है और मानते हैं कि हमारे भविष्य के राजनीतिक मार्ग को एनडीए के हिसाब से होना चाहिए।’

किरायेदार की पर्यावरण गड़बड़ियों के लिए मकान मालिक जिम्मेदार नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की प्रदूषण बोर्ड की याचिका

एजेंसी
जोधपुर। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि किराये की जगह पर चल रही केमिकल यूनिट द्वारा किए गए पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन के लिए मकान मालिक को दोषी नहीं माना जा सकता।

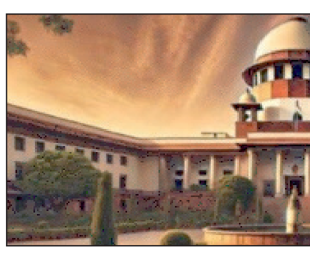

जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस संजीव सचदेवा की पीठ ने गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के फैसले को चुनौती दी गई थी। एनजीटी ने अपने फैसले में सूरत के एक मकान मालिक पर लगाए गए 25 लाख रुपये के जुर्माने को रद्द कर दिया था। यह मामला सूरत का है, जहां अक्टूबर 2021 में जीपीसीबी ने जगमोहन लाचीराम जालान नामक व्यक्ति की जमीन पर चल रही डाई-इंटरमीडिएट केमिकल फैक्ट्री को बंद करने का आदेश दिया था। बोर्ड की जांच टीम ने पाया कि यह फैक्ट्री बिना जरूरी मंजूरी और लाइसेंस के चलाई जा रही थी।

इसके अलावा, फैक्ट्री से निकलने वाला दूषित रासायनिक पानी तय सुरक्षा मानकों से कहीं ज्यादा खतरनाक था। इसी आधार पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने मकान मालिक पर 25 लाख रुपये का अंतरिम पर्यावरणीय जुर्माना ठोक दिया था।

मकान मालिक की दलील

मकान मालिक जालान ने इस जुर्माने का विरोध करते हुए कहा कि उन्होंने साल 2020 में एक वैध समझौते के तहत यह जगह एक निजी कंपनी के निदेशक को किराये पर दी थी। उन्हें इस बात की जरा भी भनक नहीं थी कि उनके परिसर में बिना लाइसेंस के रसायनों का अवैध कारोबार किया जा रहा है। गड़बड़ी की जानकारी मिलते ही जालान ने किरायेदार के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और मामले को लेकर हाईकोर्ट पहुंचे।

राष्ट्रपति 23 जून को 65 प्रतिष्ठित लोगों को प्रदान करेंगी पद्म पुरस्कार

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 23 जून को राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले दूसरे नागरिक अलंकरण समारोह में इस वर्ष के 65 प्रतिष्ठित लोगों को पद्म पुरस्कार प्रदान करेंगी। राष्ट्रपति ने इससे पूर्व 25 मई को पहले नागरिक अलंकरण समारोह में 66 प्रतिष्ठित लोगों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए थे। इनमें 2 पद्म विभूषण, 6 पद्म भूषण और 58 पद्मश्री पुरस्कार शामिल थे। इस वर्ष राष्ट्रपति ने पांच पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कारों सहित कुल 131 पद्म पुरस्कारों को स्वीकृति दी थी। ये पुरस्कार प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर घोषित किए जाते हैं। ये प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामलों, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल और नागरिक सेवा जैसे विभिन्न

क्षेत्रों में दिए जाते हैं। उल्लेखनीय है कि पद्म विभूषण असाधारण एवं विशिष्ट सेवा के लिए, पद्म भूषण उच्चकोटि की विशिष्ट सेवा के लिए और पद्मश्री किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए प्रदान किया जाता है।

मौसम की सटीक और समय से जानकारी मिलने से जन व धन हानि बचाना हुआ संभव: मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने लखनऊ में क्षेत्रीय मौसम केंद्र का किया शुभारंभ

एजेंसी
लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मौसम को सटीक व विश्वसनीय जानकारी मिलने से न केवल जन धन हानि को बचाया जा सकता है बल्कि कृषि उत्पादन भी बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में मौसम विभाग सटीक और विश्वसनीय जानकारी दे रहा है और इससे आम लोगों को लाभ भी हो रहा है। उप्र सरकार इसे सेटेलाइन के माध्यम और बेहतर बनाने के लिए हरसंभव मदद करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को राजधानी लखनऊ के इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान के सभागार में मौसम विज्ञान के लखनऊ केन्द्र को क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र में परिवर्तित करने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रिमोट से शुभारंभ किया।

पिछले 12 सालों में मौसम विभाग के 136 से अधिक स्थापित हुए रडार: केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह

केंद्रीय राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मौसम विभाग का क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली था, लेकिन आज से लखनऊ में क्षेत्रीय कार्यालय के रूप में शुरु हो गया है। यह कार्यालय उत्तर प्रदेश ओर उत्तरखंड का काम देखेगा। उन्होंने बताया कि पिछले 12 सालों में मौसम विभाग ने इतने रडार और उपकरणों की स्थापना की है, जितने पिछले 65 सालों में स्थापित नहीं हुए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले सिर्फ 14 रडार थे लेकिन अब इनकी संख्या 150 से अधिक हो गयी हे। आने वाले दो सालों में इनकी संख्या 200 हो जाएगी। केंद्रीय राज्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सरकार से मिल रहे सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में मौसम विभाग उत्तर प्रदेश में अधिक तेजी से काम करेगा।

पश्चिम एशिया के वर्तमान हालात अत्यंत चिंता का विषय: भारत

नई दिल्ली । भारत ने सोमवार को पश्चिम एशिया में फिर से बढ़ते हमलों पर गहरा खेद जताया और सभी पक्षों से तनाव कम करने की अपील की। साथ ही विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह घटनाक्रम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए अत्यंत चिंता का विषय है। मंत्रालय के बयान में कहा गया, ‘भारत पश्चिम एशिया में फिर से हुए हमलों पर गहरा खेद व्यक्त करता है। ये घटनाक्रम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए अत्यंत चिंता का विषय हैं। यह संघर्ष अब 100 दिनों से अधिक समय से जारी है और इससे भारी मानवीय पीड़ा हुई है। इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति पर भी गंभीर प्रभाव पड़ा है।’ बयान में आगे कहा गया, ‘हम सभी पक्षों से अपील करते हैं कि वे तुरंत तनाव कम करें, यह सुनिश्चित करें कि नागरिकों को कोई नुकसान न हो।

तृणमूल सांसद सुखेंदु शेखर राय ने छोड़ी पार्टी

सांसद पद से भी दिया इस्तीफा

एजेंसी
कोलकाता/नई दिल्ली: तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के साथ-साथ राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ दी है। सोमवार सुबह दिल्ली से उन्होंने पार्टी छोड़ने की घोषणा की और आरजी कर अस्पताल की चर्चित घटना तथा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुलकर नाराजगी जताई।

सुखेंदु शेखर राय ने दावा किया कि उन्होंने आरजी कर प्रकरण के बाद ही पार्टी छोड़ने का निर्णय ले लिया था, जिसे अब अमल में लाया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में बढ़ते भ्रष्टाचार तथा जनता के भीतर बढ़ते असंतोष ने तृणमूल के पतन को अपरिहार्य बना दिया था। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वह भविष्य में सक्रिय राजनीति से भी संन्यास लेने पर विचार कर सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया था और ईमानदार नेताओं

को हाशिये पर धकेल दिया गया था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि तृणमूल के सभी नेता भ्रष्ट नहीं हैं। सुखेंदु शेखर ने पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की आय और संपत्ति की जांच की मांग भी की।

खान सर पर गिरफ्तारी की तलवार

अग्रिम जमानत याचिका पर कोर्ट का फैसला सुरक्षित

एजेंसी
पटना । पटना में कोचिंग सेंटर पर हुए विवाद मामले में अब पुलिस खान सर की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस की एक टीम खान सर की गिरफ्तारी के लिए दौड़ रही है। वहीं इस बीच खान सर की तरफ से कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई, जिस पर सोमवार को सुनवाई हुई। फैसल खान उर्फ खान सर के वकील ने पटना सिविल कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। दोपहर 12:30 बजे कोर्ट ने सुनवाई की लेकिन फैसला नहीं दिया है। खान सर के वकील अरविंद कुमार महुआर ने कहा कि ज्ञान बिंदु के डायरेक्टर और अन्य लोगों पर खान सर के स्टाफ ने केस दर्ज कराया है। इसके बाद खान सर पर भी केस दर्ज हुआ है। अरविंद कुमार महुआर ने कहा कि अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई है और कोर्ट

ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। आज या कल कोर्ट इस मामले में फैसला सुना सकता है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में विस्तृत सुनवाई मंगलवार को होगी। कोचिंग सेंटर पर हुए हमले को लेकर खान सर की तरफ से की गई शिकायत के बाद अन्य कोचिंग संचालक रौशन कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

भारत ने एक साल के भीतर बढ़ाया परमाणु हथियारों का जखीरा

पाकिस्तान हुआ पीछे

भारत के पास परमाणु बम 180 से बढ़कर 190 हुए, पाकिस्तान 170 वॉरहेड्स पर ही टिका

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने पिछले साल के मुकाबले अपना परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा लिया है। भारत के पास परमाणु बम 180 से बढ़कर इस साल 190 हो गए हैं, जबकि पड़ोसी पाकिस्तान की परमाणु क्षमता बिना किसी बदलाव के 170 वॉरहेड्स पर ही रुकी हुई है। यानी भारत रणनीतिक रूप से परमाणु हथियारों के मामले में पाकिस्तान से आगे हो गया है। इस समय दुनिया के नौ देशों के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार हैं,

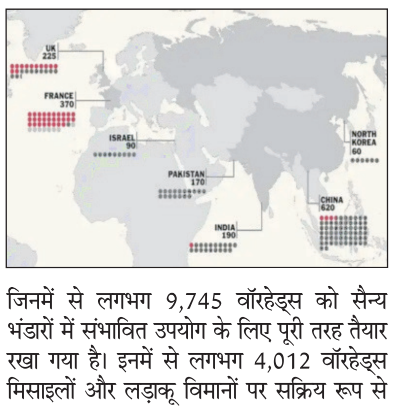

जिनमें से लगभग 9,745 वॉरहेड्स को सैन्य भंडारों में संभावित उपयोग के लिए पूरी तरह तैयार रखा गया है। इनमें से लगभग 4,012 वॉरहेड्स मिसाइलों और लड़ाकू विमानों पर सक्रिय रूप से तैनात किये जा चुके हैं। रक्षा क्षेत्र पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपरी) ने अपनी वार्षिक ईयर बुक जारी कर दी है। दुनिया में बदलते युद्ध के तरीकों और सेनाओं के आधुनिकीकरण का ही नतीजा है कि वैश्विक स्तर पर हथियारों को जमा करने की होड़ मची है। सोमवार को प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय हथियार हस्तांतरण पर रिपोर्ट में बताया गया है कि परमाणु हथियारों की संख्या और उनके प्रभाव को कम करने के लिए दशकों से किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयास अब पूरी तरह से उल्टे होते दिख रहे हैं। परमाणु हथियारों की होड़ में रूस और अमेरिका आज भी सबसे आगे हैं।

टीएमसी नेता जहांगीर खान गिरफ्तार, नेपाल भागने की फिराक में था

-फालता पुलिस स्टेशन में खान के खिलाफ सात एफआईआर दर्ज हैं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने टीएमसी नेता जहांगीर खान को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी नेपाल बॉर्डर से की गई है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फालता पुलिस स्टेशन में खान के खिलाफ 7 एफआईआर दर्ज की गई थीं। वह नेपाल भागने की फिराक में थे। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि जहांगीर खान के समर्थकों ने महिलाओं को गैंगरेप की धमकी दी थी। हालांकि अभी बंगाल पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जहांगीर खान ने 2026 का विधानसभा चुनाव फालता सीट से लड़ा था। चुनाव के दौरान हुई गड़बड़ियों के कारण यहां दोबारा चुनाव हुए थे। दोबारा चुनाव से पहले ही जहांगीर ने मैदान छोड़ दिया था और कहा था कि वे चुनाव से अपना नाम वापस ले रहे हैं। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को फिल्म 'पुष्पा' के किरदार की तरह पेश किया था। उन्होंने कई बार फिल्म का चर्चित डायलॉग 'पुष्पा झुकेगा नहीं साला' भी बोला था। उन्होंने खुद को इलाके के ऐसे मजबूत नेता के रूप में पेश किया, जो किसी दबाव के सामने नहीं झुकेगा।

दिल्ली-एनसीआर में फिर सताएगी भीषण गर्मी, इस हफ्ते लू और बढ़ते तापमान का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून के पिछले हफ्ते में आई आंधी-तूफान और बारिश के कारण मौसम खुशनुमा हो गया था, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली थी। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को एक बार फिर सूरज की तपिश और चिलचिलाती धूप का सामना करना पड़ेगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इस हफ्ते राजधानी और आसपास के इलाकों में तापमान का ग्राफ तेजी से बढ़ने वाला है। सोमवार से आसमान पूरी तरह साफ रहेगा, जिससे गर्मी का कहर और अधिक बढ़ जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर में 8 जून से गर्मी का नया दौर शुरू होने जा रहा है। इस पूरे हफ्ते लोगों को तेज गर्म हवाओं और लू (हीटवेव) के थपेड़े झेलने पड़ेंगे। इस दौरान दिन का अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका जताई गई है, जबकि न्यूनतम तापमान 27 से 29 सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अब न केवल दिन के समय भीषण गर्मी रहेगी, बल्कि रातें भी लोगों को तपाने वाली हैं। पिछले दिनों हुई आंधी और बारिश का असर अब पूरी तरह खत्म हो चुका है और मौसम शुष्क होने के कारण उमस भरी गर्मी लोगों की परेशानियां बढ़ाएगी। दिल्ली के विभिन्न इलाकों (उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम) में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दोपहर या शाम के समय गरज-चमक की स्थिति बनने की संभावना है। इस दौरान 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं भी चल सकती हैं, लेकिन बारिश को लेकर कोई बड़ा अलर्ट जारी नहीं किया गया है। गौरतलब है कि 11 से 13 जून के आसपास एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कहीं-कहीं हल्की बारिश और आंधी आ सकती है, जिससे तापमान में मामूली गिरावट दर्ज होगी। इसके बाद, दिल्ली-एनसीआर में लोगों को राहत देने वाला दक्षिण-पश्चिम मानसून 25 से 30 जून के आसपास दस्तक दे सकता है। फिलहाल मानसून आने से पहले केवल छिटपुट प्री-मानसून गतिविधियां ही देखने को मिलेंगी। दूसरी ओर, वायु गुणवत्ता सूचकांक वर्तमान में 50 से 100 के बीच यानी मध्यम स्तर पर बना हुआ है, लेकिन उड़ती धूल और बढ़ती गर्मी के कारण सांस के मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच बेवजह घर से बाहर न निकलने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और बुजुर्गों व बच्चों का विशेष ख्याल रखने की सलाह दी है।

वीरप्पन से जुड़े मामले में अभिनेत्री सुकन्या को मिली बड़ी जीत

-30 साल लड़ी कानूनी लड़ाई के बाद मिलेगा 10 लाख का मुआवजा

चेन्नई (एजेंसी)। अभिनेता कमल हासन के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'इंडियन' में काम कर चुकीं मशहूर अभिनेत्री आर. सुकन्या ने एक निजी टेलीविजन नेटवर्क के खिलाफ तीन दशक पुरानी मानहानि की कानूनी लड़ाई जीत ली है। मद्रास उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए संबंधित टीवी नेटवर्क को आदेश दिया है कि वह अभिनेत्री को मुआवजे के तौर पर 10 लाख रुपये का भुगतान करे। यह पूरा मामला साल 1996 का है और इसका सीधा संबंध कुख्यात चंदन तस्कर व डकैत वीरप्पन से जुड़ा हुआ है। दरअसल, वर्ष 1996 में इस टीवी नेटवर्क ने पत्रकार नक्कीरन आर. गोपाल द्वारा जंगल में लिए गए वीरप्पन के एक इंटरव्यू का प्रसारण किया था। इस इंटरव्यू के दौरान डकैत वीरप्पन ने अभिनेत्री सुकन्या को लेकर बेहद आपत्तिजनक और मानहानिकारक टिप्पणियां की थीं, जिन्हें चैनल ने बिना किसी काट-छांट या संपादन (एडिट) के सीधे प्रसारित कर दिया था। सुकन्या ने आरोप लगाया था कि चैनल ने उनकी छवि को धूमिल करने और उन्हें अपमानित करने के उद्देश्य से जानबूझकर इस आपत्तिजनक हिस्से को नहीं हटाया। इसके बाद उन्होंने 1996 में ही मद्रास उच्च न्यायालय में टीवी नेटवर्क, पत्रकार गोपाल और वीरप्पन के खिलाफ 10 लाख रुपये के हर्जाने का सिविल मुकदमा दायर किया था। बाद में इस मामले को सिटी सिविल कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान टीवी नेटवर्क ने दलील दी थी कि उनका इरादा किसी को बदनाम करने का नहीं था, बल्कि पत्रकार ही उनके पास वह फुटेज लेकर आए थे। दूसरी ओर, पत्रकार गोपाल ने अदालत को बताया कि अनुबंध के अनुसार चैनल के पास पूरे इंटरव्यू को संपादित करने, काटने या किसी भी हिस्से को हटाने का पूरा अधिकार था। उन्होंने चैनल को 9 घंटे की फुटेज सौंपी थी, जिसमें से चैनल ने केवल 4 घंटे का हिस्सा ही प्रसारित किया था।

राम मंदिर में चढ़ावे के करोड़ों रुपए गायब, कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध

-सपा प्रमुख अखिलेश ने इस मामले में यूपी सरकार और मंदिर ट्रस्ट को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने दावा किया है कि मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपए गायब हो गए हैं। इस मामले को लेकर उन्होंने सीधे योगी सरकार और मंदिर ट्रस्ट को घेरा है। यादव ने इस मामले में कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सपा प्रमुख अखिलेश ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि 'राम मंदिर' के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब हो गई है।" यादव ने पोस्ट में कहा, 'ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक की बात है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता। उन्होंने कहा कि कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है।'

वहीं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि समय-समय पर आंतरिक ऑडिट होता रहता है। इस प्रक्रिया में ट्रस्ट और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। ऑडिट की प्रक्रिया कई दिनों तक चलती है। इन दिनों भी यही काम हो रहा है। अभी तक कोई खास बात सामने नहीं आई है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के न्यासी और निर्मोही अखाड़े के महंत दिनेन्द्र दास ने अखिलेश यादव के बयान पर कहा कि अगर इस मामले में किसी ने कुछ गलत किया है, तो भगवान राम स्वयं उन्हें दंडित करेंगे।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों और सरकार द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय ट्रस्ट को स्वीकार्य है। दास ने कहा कि अगर कोई गलती हुई है, तो वह सामने आ जाएगी। अगर कोई कुकर्म हुआ है, तो जिम्मेदार लोगों को उसके परिणाम भुगतने होंगे।

सपा प्रमुख ने मंदिर ट्रस्ट की ओर से चंपत राय के जवाब पर तंज कसते हुए कहा कि 'स्पष्टीकरण ही स्पष्ट नहीं है।' यादव ने कहा लगता है ये इनके लिए हर हफ्ते की साधारण बात है, और इतनी ज्यादा साधारण है कि ये इसे अब 'अप्रेक्षनीय' भी नहीं मानते हैं। चेहरे के भाव और देह की हताशा और निराशा से भरी है। अखिलेश ने चंपत राय के बयान पर असंतोष व्यक्त करते हुए इसी पोस्ट में कहा, '' ट्रस्ट के सभी सदस्यों को एक साथ बैठकर स्पष्टीकरण दिया जाए और आंकड़ों के मिलान के लिए सीसीटीवी के साक्ष्य का सहारा लिया जाए। जैसे ही सारे ट्रस्टी एक साथ बैठेंगे तो सच बाहर आ जाएगा क्योंकि उनमें हर कोई एक जैसा नहीं है। इस हेराफेरी की शंका के केंद्र में जब कोई एक व्यक्ति विशेष है ही नहीं तो फिर किसी एक के स्पष्टीकरण का क्या महत्व है।

उन्होंने कहा कि ये भी स्पष्ट किया जाए कि 40 सेकंड का स्पष्टीकरण आने में इतने घंटे क्यों लगे और स्पष्टीकरण के नाम पर एक मिनट बोलना भी भारी क्यों पड़ रहा है। यूपी सरकार की चुप्पी की तरह ये सफ़ाई भी संदिग्ध है। ऐसा लग रहा है जैसे स्पष्टीकरण के नाम पर शाब्दिक औपचारिकता निभाई जा रही है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज, इस बेहद कमजोर स्पष्टीकरण से और भी ज्यादा शंकित और आहत हुआ है।

मणिपुर असम राइफल्स और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प, 4 घायल

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले के न्यू हेवन गांव में रविवार को एक नई सुरक्षा चौकी के निर्माण को लेकर स्थानीय प्रदर्शनकारियों और असम राइफल्स के जवानों के बीच तीखी झड़प हो गई। इस हिंसक टकराव में कम से कम चार नागरिक घायल हो गए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक यह घटना शाम करीब 4 बजे की है, जब ग्रामीणों ने न्यू हेवन इलाके में असम राइफल्स द्वारा नई चौकी बनाए जाने का विरोध करना शुरू कर दिया। स्थानीय निवासियों और ग्रामीणों का आरोप है कि लंबुई गांव में तैनात असम राइफल्स के लगभग 40 जवानों ने ग्राम अधिकारियों से बिना किसी पूर्व सलाह या सहमति के इस नई चौकी का निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। इसके विरोध में महिलाओं और छात्र संगठनों सहित भारी संख्या में स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए और निर्माण कार्य को तुरंत रोकने की मांग करने लगे। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ने की कोशिश की। भीड़ को नियंत्रित करने के अभियान के दौरान कथित तौर पर लाठीचार्ज किया गया और हवाई फायरिंग की गई, जिससे एक छात्र संगठन के अध्यक्ष सहित चार लोग जख्मी हो गए। ग्रामीणों का यह भी दावा है कि सुरक्षा बलों ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट की अनुपस्थिति में यह कार्रवाई की और महिला प्रदर्शनकारियों के खिलाफ भी बल प्रयोग किया। इस घटना के बाद से स्थानीय समुदाय में भारी आक्रोश है। प्रदर्शनकारियों ने असम राइफल्स से इस नई चौकी को तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि इस एकतरफा कार्रवाई से स्थानीय जनता और सुरक्षा बलों के बीच का आपसी विश्वास टूट गया है, जिससे लोग अपनी जान और संपत्ति की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। जिला पुलिस के अनुसार, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है लेकिन इलाके में तनाव बरकरार है। गौरतलब है कि पिछले कुछ हफ्तों में हुई हिंसक घटनाओं, विशेषकर मई महीने में हुए दोहरे हमलों के बाद से पूरे क्षेत्र में पहले से ही सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ी हुई हैं।

हालिया संकेतों से बढ़ीं अटकलें, मोदी कैबिनेट में जल्द होगा फेरबदल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के वर्तमान कार्यकाल के दो साल पूरे होने के अवसर पर केंद्रीय मंत्रिमंडल में जल्द ही फेरबदल और विस्तार की अटकलें तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी के हालिया संगठनात्मक और रणनीतिक कदमों ने इन कयासों को हवा दी है। इन कदमों में दो केंद्रीय मंत्रियों को राज्य इकाइयों की अहम जिम्मेदारी सौंपना और दो अन्य को राज्यसभा के लिए दोबारा नामांकित न करना शामिल है।

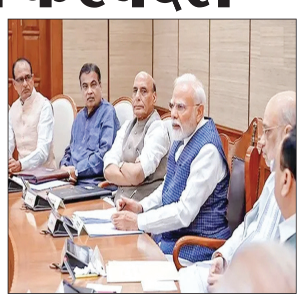

राजनीतिक गलियारों में हलचल तब और बढ़ गई जब भाजपा ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए पांच राज्यों से 11 नेताओं को नामांकित किया, लेकिन इस सूची से दो केंद्रीय मंत्रियों-रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन का नाम गायब रहा। इन दोनों मंत्रियों की राज्यसभा सदस्यता 21 जून को समाप्त हो रही है। पंजाब से कांग्रेस के पूर्व सांसद बिट्टू वर्तमान में राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं, जबकि केरल के मूल निवासी कुरियन मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 72 सदस्यीय केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 9 जून 2024 को शपथ ग्रहण की थी। इस मंत्रिपरिषद में वर्तमान में 30 कैबिनेट मंत्री, 5 स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और 36 राज्य मंत्री शामिल हैं। गौरतलब है कि मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकालों के दौरान भी सरकार के दो साल पूरे होने के ठीक बाद जुलाई 2016 और जुलाई 2021 में मंत्रिपरिषद का फेरबदल और विस्तार किया गया था। इस बार भी वैसा ही पैटर्न दिखने की उम्मीद जताई जा रही है। आगामी 18 जून को 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों के साथ महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा में उपचुनाव होने हैं, जिसके लिए नामांकन की अंतिम तारीख 8 जून है। संवैधानिक नियमों के अनुसार, मंत्रिपरिषद का आकार लोकसभा की कुल सदस्य संख्या का अधिकतम 15 प्रतिशत हो सकता है। सरकार के दो साल पूरे होने और मंत्रियों के सदन के कार्यकाल के समीकरणों को देखते हुए इस सप्ताह मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

ममता और केजरीवाल के चलते बर्बाद हुआ इंडिया गठबंधन

संजय झा ने नीतीश के यूटर्न की स्टोरी से उठाया पर्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्षी एकजुटता की नींव रखने वाले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अपनी ही मेहनत से बने इंडिया गठबंधन से नाता क्यों तोड़ा, इस रहस्य से आखिरकार पर्दा हट गया है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के कार्यकारी अध्यक्ष और नीतीश कुमार के बेहद करीबी राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने एक इंटरव्यू में चौंकाने वाले खुलासे करते हुए गठबंधन के बिखरने की पूरी इनसाइड स्टोरी बयां की है। उन्होंने सीधे तौर पर दो बड़े विपक्षी नेताओं को इस गठबंधन के सत्यानाश के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

संजय झा ने ऑन रिकॉर्ड कहा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत इंडिया गठबंधन को व्यक्तिगत तौर पर बर्बाद कर दिया। उन्होंने बताया कि गठबंधन के भीतर यह आम सहमति बन चुकी थी कि नीतीश कुमार को इस विपक्षी मोर्चे का संयोजक बनाया जाएगा। लेकिन एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने अचानक नया दांव चल दिया। दोनों ने सुर में सुर मिलाते हुए कहा कि गठबंधन का संयोजक किसी दलित चेहरे को होना चाहिए और इसके लिए उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम आगे बढ़ा दिया। इस अप्रत्याशित कदम के चलते कांग्रेस तुरंत बैकफुट पर आ गई और पूरी योजना खटाई में पड़ गई।

जेडीयू नेता ने स्पष्ट किया कि नीतीश कुमार कभी भी किसी पद या संयोजक की कुर्सी के लिए बेचैन नहीं थे, उनका एकमात्र उद्देश्य सभी विपक्षी दलों को एक मंच पर लाना था। लेकिन इस गठबंधन के पास न तो कोई स्पष्ट विजन था और न ही आंतरिक एकजुटता। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दलों को हमेशा यह महसूस होता रहा कि कांग्रेस केवल कुछ ही राज्यों में राजनीति करती है, जिससे उन्हें कोई खास फायदा नहीं था।

इंटरव्यू के दौरान जब संजय झा से मौजूदा केंद्र सरकार और अटल बिहारी वाजपेयी के दौर के गठबंधन मॉडल के अंतर पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वाजपेयी सरकार के समय 24 दल शामिल थे, जबकि आज के दौर में आपसी संवाद का एक बेहतर सिस्टम है। उन्होंने साफ किया कि एनडीए में यदि बिहार या किसी राष्ट्रीय मुद्दे पर असहमति होती है, तो शीर्ष स्तर पर बातचीत कर उसे सुलझा लिया जाता है। महिला आरक्षण बिल जैसे महत्वपूर्ण फैसलों पर भी जेडीयू से सलाह ली गई थी, इसलिए पार्टी को सरकार में असहज होने जैसी कोई बात नहीं है। इसके अलावा, क्षेत्रीय पार्टियों के कमजोर होने और टूटने पर चिंता व्यक्त करते हुए संजय झा ने इसके लिए परिवारवाद को मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि जेपी आंदोलन से निकले समाजवादी नेता एक विचारधारा से शुरू हुए, फिर जाति के नेता बने और अंततः परिवार की पार्टी बनकर रह गए, जिससे उनका पतन शुरू हुआ। उन्होंने दावा किया कि नीतीश कुमार की विरासत और जेडीयू का अस्तित्व हमेशा मजबूत रहेगा क्योंकि उन्होंने कभी राजनीति को निजी संपत्ति या बैंक अकाउंट की तरह इस्तेमाल नहीं किया।

सीएम विजय महिलाओं-बच्चों की सुरक्षा के लिए सिंगाप्पन फोर्स का आज करेंगे शुभारंभ

-आईपीएस अफसर भवानीश्वरी को सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का आईजी बनाया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय सिंगाप्पन स्पेशल टास्क फोर्स का शुभारंभ करेंगे। यह फोर्स राज्यभर में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए स्थापित एक समर्पित पुलिस इकाई है। उद्घाटन समारोह मंगलवार शाम चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू राजारथिनम स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा। सीएम पदभार संभालने के बाद विजय द्वारा की गई प्रमुख घोषणाओं में से एक विशेष बल का गठन था। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल केंद्रित पुलिसिंग, त्वरित हस्तक्षेप और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के जरिए महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के भवानीश्वरी को सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का पहला आईजी नियुक्त किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नवगठित इकाई में एक एसपी, दो उप पुलिस अधीक्षक, चार निरीक्षक और कई अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों सहित 30 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल हैं। फोर्स को एक विशिष्ट पहचान देने के लिए सरकार ने एक विशेष वर्दी पेश की है। कार्य बल से जुड़ी महिला पुलिसकर्मी और महिला सब-इंस्पेक्टर नीली कमीज के साथ खाकी पेंट पहनेंगी। उन्हें काली टोपी और काले जूते भी दिए गए हैं। उम्मीद है कि यह अनूठी वर्दी राज्यभर में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय बल को आसानी से पहचानने योग्य बनाएगी।

सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का शुभारंभ मूल रूप से 29 मई को तय था और मुख्यमंत्री द्वारा उसी दिन इसका उद्घाटन किया जाना था। हालांकि, प्रशासनिक कारणों से अंतिम समय में कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। अब औपचारिक उद्घाटन मंगलवार को तय है, उम्मीद है कि यह विशेष बल इसके तुरंत बाद परिचालन शुरू कर देगा। चेन्नई में शुभारंभ समारोह के बाद सिंगाप्पन कर्मियों को तमिलनाडु भर में तैनात किया जाएगा और वे सभी जिलों में कार्य करना शुरू कर देंगे।

अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए अधिक सशक्त और समन्वित कार्रवाई हेतु इस कार्य बल का गठन किया गया है।

सिंगाप्पन विशेष कार्य बल का शुभारंभ विजय सरकार की प्रमुख कानून-व्यवस्था पहलों में से एक माना जा रहा है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और कल्याण पर विशेष रूप से केंद्रित एक समर्पित इकाई का गठन करके, सरकार को उम्मीद है कि इससे पुलिसिंग में जनता का विश्वास बढ़ेगा और तमिलनाडु में एक सुरक्षित वातावरण बनेगा।

लद्दाख के कठिन पहाड़ी इलाके से पांच गंभीर मरीजों को वायुसेना ने चंडीगढ़ पहुंचाया

-रेसक्यू किए गए लोगों में भारतीय सेना के तीन जवान भी शामिल

लद्दाख (एजेंसी)। वायुसेना ने मेडिकल इमरजेंसी अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस दौरान लद्दाख के कठिन पहाड़ी इलाके से पांच गंभीर रूप से बीमार मरीजों को चंडीगढ़ पहुंचाया। रेसक्यू किए गए व्यक्तियों में भारतीय सेना के तीन जवान भी शामिल हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और प्रतिकूल मौसम के बावजूद वायुसेना ने कारवाई करते हुए मरीजों को सुरक्षित निकाला। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय वायुसेना ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि लद्दाख से एयरलिफ्ट किए गए पांच मरीजों में भारतीय सेना के तीन जवान, उनका एक आश्रित सदस्य, और लद्दाख का एक स्थानीय निवासी शामिल था। सभी मरीजों की स्थिति गंभीर थी और उन्हें तत्काल बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की जरूरत थी। इस अभियान के लिए

भारतीय वायुसेना ने अपने सी-17 और एएन-32 परिवहन विमानों का इस्तेमाल किया। ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों, सीमित संसाधनों और खराब मौसम जैसी चुनौतियों के बावजूद विमानों के चालक दल ने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया और मरीजों को समय पर चंडीगढ़ पहुंचाया। बता दें 2026 में केवल लद्दाख सेक्टर में ही भारतीय वायुसेना के कैजुअल्टी इवैक्यूएशन अभियानों के जरिए अब तक 143 लोगों की जान बचाई जा चुकी है। यह आंकड़ा दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्रों में वायुसेना की मानवीय सेवाओं और तत्परता का प्रमाण है। इस अभियान की सफलता के साथ ही भारतीय वायुसेना ने कहा कि हर जीवन अहम है और हर आपातकालीन पुकार का जवाब देना उसका कर्तव्य है। यही भावना ऐसे चुनौतीपूर्ण अभियानों को सफल बनाने की प्रेरणा देती है। बता दें कुछ महीने पहले लद्दाख की बर्फ से ढकी खतरनाक चोटियों और दो विदेशी नागरिकों के फंसने का एक गंभीर मामला सामने आया था। यहां दो कोरियाई नागरिक 17,000 फीट से ज्यादा ऊंचाई वाली चोटी पर मौजूद थे। सेना ने इस घटना का पता लगाने पर बिना देरी किए रात के अंधेरे में संवेदनशील व साहसिक ऑपरेशन चलाया। यह अभियान भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर की आर्मी एविएशन यूनिट द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया था। कड़ी मेहनत के बाद दोनों विदेशी नागरिकों को बचा लिया था।

इजरायल में स्थापित होगी छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा

मुंबई (एजेंसी)। इजरायल के मुंबई स्थित वाणिज्य दूतावास ने मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की एक भव्य प्रतिमा इजरायल में स्थापित करने की ऐतिहासिक योजना की घोषणा की है। इस विशेष परियोजना का ऐलान शिवराज्याभिषेक दिन के गौरवशाली अवसर पर किया गया है। इजरायल के वाणिज्य दूत यानिव रेवाच ने इस संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र लिखकर राज्य सरकार से सहयोग की अपील की थी, जिसे मुख्यमंत्री ने तुरंत और सहर्ष स्वीकार कर लिया है।

वाणिज्य दूत यानिव रेवाच ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत के अनुरूप एक शानदार स्मारक बनाने के लिए उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से जो मदद मांगी थी, उस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल अपनी सहमति दे दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इजरायल की धरती पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का निर्माण भारत और इजरायल के बीच के बेहद घनिष्ठ और मजबूत होते संबंधों का एक जीवंत प्रतीक बनेगा। यह स्मारक इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि महाराष्ट्र और भारतीय यहूदी समुदाय के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंध रहे हैं, और इस समुदाय के वंशज आज इजरायली समाज के विकास में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए इजरायली दूतावास ने महाराष्ट्र सरकार से ऐतिहासिक संदर्भ, कलात्मक विमर्श, प्रतिमा के डिजाइन संबंधी तकनीकी सलाह और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का औपचारिक अनुरोध किया है। इजरायली वाणिज्य दूत ने उम्मीद जताई कि इस अनूठी परियोजना को भविष्य में एक बड़े जन-आंदोलन का रूप दिया जा सकता है, जो दोनों देशों के नागरिकों के बीच मित्रता को और प्रगाढ़ करेगा तथा साहस, कुशल नेतृत्व व पारस्परिक सम्मान जैसे साझा मूल्यों का एक स्थायी प्रतीक बनेगा।

मराठा साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास की दिखेगी झलक

मुंबई में अपनी नियुक्ति के बाद से ही रेवाच ने मराठा साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास का गहन अध्ययन किया है। उन्होंने शिवाजी महाराज की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे केवल एक साम्राज्य के संस्थापक नहीं थे, बल्कि एक असाधारण और दूरदर्शी नेता थे, जिनकी सुशासन, अदम्य साहस, धार्मिक सहिष्णुता, आधुनिक नौसेना शक्ति और लोक-कल्याण की नीतियां आज भी पूरी दुनिया की पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के बाद से ही दोनों देशों के लोगों को सांस्कृतिक रूप से करीब लाने के प्रयास तेज हुए हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा, कृषि, जल प्रबंधन और तकनीक में पहले से ही मजबूत सहयोग है, लेकिन इस पहल से सांस्कृतिक संबंधों को एक नई गति मिलेगी और वैश्विक स्तर पर भारत की समृद्ध विरासत का प्रदर्शन होगा।

एक्सीलरेटर देने से मना करने पर दो भाइयों पर चाकू से हमला, घायल

नई दिल्ली। मंगोलपुरी इलाके में बाइक का एक्सीलरेटर देने से मना करने पर एक युवक ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर दो भाइयों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। शोर मचाने पर वहां पहुंचे लोगों ने घायलों को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया। पहचान सुल्तानपुरी निवासी 22 साल के अभिषेक और 24 साल के सुमित के रूप में हुई है। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने केस किया है। पुलिस हमलावरों की पहचान कर रही है। अभिषेक परिवार के साथ एफ ब्लॉक सुल्तानपुरी में रहता है। परिवार में उसके पिता जीतेंद्र, मां और छोटी बहन है। वह पश्चिम विहार स्थित एक रेस्तरां में सैफ का काम करता है। मंगोलपुरी थाने में दर्ज प्राथमिकी में उसने बताया कि 2 जून की रात वह जिम में था, तभी वाई ब्लॉक मंगोलपुरी में बाइक मोडिफाई का काम करने वाले उसके चचेरे भाई सुमित का फोन आया। उसने उसे मंगोलपुरी से ले जाने के लिए कहा। वह सुमित की स्कूटी लेकर वहां पहुंचा। सुमित सड़क की दूसरी तरफ उसका इंतजार कर रहा था। यूटर्न कर वह जा रहा था, तभी एक युवक सुमित के पास अपनी बाइक रोकी और जोर जोर से एक्सीलरेटर देने लगा। सुमित ने उसे ऐसा करने से मना किया तो आरोपी युवक ने कहा कि तुम्हें मार दी क्या। इस बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोपी ने अपने दोस्तों को बुला लिया। दो युवकों के हाथ में चाकू थे। उनलोगों ने आते ही दोनों के पैर पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर आस पास के लोग वहां पहुंचे, जिन्हें देखकर सभी आरोपी वहां से भाग गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल से मिली जानकारी जाने के लिए कहा। वह सुमित की स्कूटी लेकर वहां पहुंचा। सुमित सड़क की दूसरी तरफ उसका इंतजार कर रहा था। यूटर्न कर वह जा रहा था, तभी एक युवक सुमित के पास अपनी बाइक रोकीमिलने के बाद मंगोलपुरी थाना पुलिस अस्पताल पहुंची। दर्द की वजह से घायल दोनों भाई बयान देने की हालत में नहीं थे। अगले दिन पुलिस ने उनका बयान लिया। पुलिस ने बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर गंभीर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस हमला करने वाले आरोपियों की तलाश कर रही है।

बेइज्जती के प्रतिशोध में दूध कारोबारी को मारीं आठ गोलियां, गंगनहर में फेंका, एक गिरफ्तार

कौमी पत्रिका

लोनी। गनौली गांव निवासी दूध कारोबारी ओंकार उर्फ ओमन को बेइज्जती का बदला लेने के लिए आठ गोली मारकर गंगनहर में बहाया गया था। यह बात पुलिस गिरफ्त में आए गनौली गांव निवासी आरोपी मोहित ने पुलिस के सामने कबूल की। पुलिस ने आरोपी का सामना दूध कारोबारी के परिवार से भी कराया तो उस समय भी यही बात बताई। घटना 30 मई की सुबह अंजाम देकर कारोबारी को पूठखास पुल के पास गंगनहर में फेंक दिया गया। हालांकि पुलिस न तो ओमन को तलाश कर पाई है और न ही भागे हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर सकी है। घटना से एक दिन पूर्व कारोबारी ने बेटे के साथ झगड़ा करने के आरोप में आरोपी सौरभ और उसके पिता की बेइज्जती करते हुए मारपीट की थी। इसी बदले के लिए कारोबारी के साथ वारदात को अंजाम दिया। उधर, धरने पर बैठे परिजन ने ओमन के न मिलने तक धरना जारी रखने की बात कही है। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह आरोपी मोहित को गिरफ्तार किया गया है। मोहित ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि गांव के गोपाल से उसकी दोस्ती है। 20 अप्रैल को दूध कारोबारी ओमन के बेटे देवांश से सौरभ का झगड़ा हो गया था। देवांश ने पुलिस को दी शिकायत में उसका नाम भी लिखा था। चूंकि गोपाल से उसकी दोस्ती है। साथ ही सौरभ और गोपाल की भी दोस्ती थी। झगड़े में समझौता करने के लिए गनौली निवासी विक्की के घर 29 मई को पंचायत की गई थी। इसमें दूध कारोबारी ने सौरभ और उसके पिता विजेंद्र की बेइज्जती करते हुए मारपीट की थी। पिता-पुत्र दोनों उसी दिन से रंजिश मानने लगे। उसी रात को उन्होंने ओमन की हत्या की साजिश रची थी। इसके लिए गौरव, सौरभ उर्फ भोला, गोपाल और गौतमबुद्ध नगर के बादलपुर निवासी मोहित को भी शामिल किया। सभी ने 30 मई की सुबह वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई, चूंकि कारोबारी सुबह चारा लेने जाते थे। 29 मई की रात आरोपी सौरभ की कार से सभी गांव के बाहर निकले। सौरभ एक पिस्टल और तमंचा भी लेकर आया था। जावली से होते हुए टीला गांव के शराब ठेके से शराब खरीदी और गांव के बाहर खेत में जाकर शराब पी। इसके बाद कारोबारी का इंतजार करने लगे। 30 मई की तड़के जब कारोबारी खेत की तरफ आते हुए देखा तो सभी ने कार से उनकी बाइक का पीछा किया। खरखड़ी गांव अंडरपास के नीचे बाइक रोककर कारोबारी को ताबड़तोड़ आठ गोलियां मारी थीं।इसके बाद कारोबारी को लहूलुहाल हालत में कार की डिग्गी में डालकर जंगल की ओर चल दिए और पूठखास पुल से 600 मीटर दूर गंगनहर में फेंक दिया। इससे पहले आरोपी रटौल होते हुए हिंडन नदी पुरामहादेव रोड पर पहुंचें। वहां नदी में पानी कम था और किसानों का आना जाना भी था। इसलिए वहां पर ओमन को नहीं फेंक पाए। हालांकि अभी पुलिस को ओमन नहीं मिल सकें हैं। पुलिस ने शुक्रवार को 50 हजार के इनामी आरोपी मोहित को गिरफ्तार करने के बाद धरने पर पहुंची। डीसीपी ने परिजन को मोहित की गिरफ्तारी की जानकारी दी और धरना खत्म करने की बात कही। उधर, परिजन ने कहा कि पहले ओंकार मिल जाए, उसके बाद ही धरना समाप्त करेंगे। परिजन शुक्रवार देर रात तक धरने पर बैठे रहे। पुलिस का कहना है कि ओंकार के परिजनों का मोहित से सामना करवाया है और उसी ने घटना की जानकारी दी है। पुलिस ने ओंकार के परिजनों की शिकायत पर गनौली के गौरव पुत्र विजेंद्र, सौरभ उर्फ भोला, गोपाल व मोहित पंड़ित और गौतमबुद्धनगर के बादलपुर निवासी गौरव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

घर में जरूर होने चाहिए ये 5 स्मार्ट गैजेट आग लगने पर बचाएंगे आपकी जान

नई दिल्ली। 3 जून 2026 की सुबह 9ः45 बजे दिल्ली के मालवीय नगर के एक रेस्टोरेंट में लगी भीषण अग्निकांड में तमाम जिंदगियां खत्म हो गईं और 37 लोग अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि फायर सेफ्टी उपकरण सिर्फ बड़े दफ्तरों या फैक्ट्रियों के लिए होते हैं, लेकिन ऐसा नहीं होता। बढ़ते तापमान और शॉर्ट सर्किट के खतरों के बीच, आज हर घर में आग से बचने के आधुनिक गैजेट्स होना बेहद जरूरी हो गया है। आग लगने पर सबसे पहले धुआं तेजी से फैलता है। ऐसे में स्मोक डिटेक्टर एक मददगार उपकरण साबित हो सकता है। यह डिवाइस धुआं महसूस होते ही तेज सायरन बजाकर लोगों को सतर्क कर देता है। इससे घर में मौजूद लोगों को समय रहते बाहर निकलने का मौका मिल जाता है और जान-माल के नुकसान का खतरा काफी कम हो जाता है। अधिकांश अग्निकांडों में लोगों की मौत सीधे आग से नहीं बल्कि जहरीले धुएं में सांस फूलने की वजह से होती है। ऐसे में इमरजेंसी फायर एस्केप मास्क ऐसे हालात में बेहद उपयोगी साबित होता है। यह हानिकारक धुएं को फिल्टर करने में मदद करता है और सांस लेने में सहूलियत देता है। इसके अलावा यह बेहतर विजिबिलिटी भी प्रदान करता है, जिससे धुएं के बीच सुरक्षित रास्ता खोजने में मदद मिलती है। आग लगने के दौरान केवल लपटें ही नहीं, बल्कि उसकी तीव्र गर्मी भी गंभीर खतरा बन जाती है। कुछ सेकंड का संपर्क भी शरीर को बुरी तरह झुलसा सकता है। फायर ब्लैंकेट विशेष फायर-रेसिस्टेंट मटेरियल से बनाया जाता है और लगभग 500 से 700 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान सहने में सक्षम होता है। जरूरत पड़ने पर इसे शरीर पर लपेटकर आग और गर्मी से काफी हद तक बचाव किया जा सकता है। आग लगने की स्थिति में कई बार सीढ़ियां और मुख्य निकास रास्ते बंद हो जाते हैं।

NAME CHANGE

I Shiv Karan Singh, S/O Hanuman Prasad Jangir, R/O A-62, Badli Ext, Badli, North West Delhi, Delhi- 110042 have changed my name to Shiv Karan Jangir for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SATYA NARAYAN S/O NATHURAM PORWAL R/O M.N18/42, ARYA NAGAR AURAIYA UTTAR PRADESH 206122, CHANGED MY NAME TO SATYA NARAYAN PORWAL.

Public Notice

It is for general information that I Vansh Mavi S/O: Sukh Binder Singh R/O village- khera dharam pura, Chhapraula, PO: Chhaprola, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201009, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Vikash Mavi and Sokindra Mavi in my Aadhar card no 3076 8058 0087. The actual name of mine and my father are VANSH MAVI AND SUKH BINDER SINGH, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, BHAVAYA KANSAL S/O RAJENDER KUMAR residing at K-14-C, AMAR COLONY, NANGLOI, DELHI-110041. have changed my name to BHAVYA KANSAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I DARSHAN KUMAR S/0 Netrapal R/0 KH. No 253/81 Street No 7 Black-D Phase -1 Mukandpur Delhi 110042 Changed my name to DARSHAN MAHOUR

NAME CHANGE

I, KM JONIKA W/O BOBBY ALAS RANJEET SINGH R/O VILLA NO-33,S 5 SIGNATURE VILLA 2,SECTOR-82,VATIKA INDIA NEXT,GURGAON,HARYANA-122004, HAVE CHANGED MY NAME TO JONIKA CHAUHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, RAJINDER KANSAL / RAJENDER KANSAL S/O SAT NARAIN residing at K-14-C, AMAR COLONY, NANGLOI, DELHI-110041. have changed my name to RAJENDER KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I IMITYAJ S/O ALIHUSEN R/O H.NO-E -73 A/490 SANJAY COLONY, GOKAL PURI DELHI -110094 have changed my name to INTIYAZ Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Jahid Khan S/O Javed Khan R/O H. No. 602, Bharat Nagar Khora Colony Ghaziabad Uttar Pradesh -201309,do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced Hinduism and renounced Islam with effect from 08.06.2026 and changed my name to Advik

NAME CHANGE

I, MO ASHARAF AHMAD SHEKH S/o ANISH AHMAD SHEKH R/o B-162, 1st Floor, Birla Farm, Near Bekaner Chattarpur Extn., Chattar Pur, Delhi-110074, have changed my name to MOHAMMAD ASHRAF AHMAD permanently

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Kartik Sharma** is purchasing the Entire First Floor Without Roof/Terrace Rights, Property Bearing No. WZ-6-D, Built-On Plot No. 23-B, admeasuring 50.00 Sq. Yds., Khasra No. 57, Situated at Village Nangli Jalib Colony Known as New Mahabir Nagar Block-L, New Delhi from Mr. Surinder Singh who is the owner of the above mentioned property vide GPA, Agreement to Sale & Regd. WILL Dated 12.08.2005 which is registered as doc no. 23990 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I hitherto Known as PROMILA ARORA KUMARI alias PROMILA ARORA D/o UTTAM CHAND ARORA residing at , 55 , 2nd Floor Babar Road , Bangali Market New Delhi G.P.O. Delhi – 110001 have changed my name and shall hereafter be known as PROMILA ARORA .

Public Notice

I Anju Singhal D/o Dilbagh Singhal R/o 423, Deoli Apartments, Deoli Village, New Delhi-110062 That in my Aadhaar Card bearing no. 8685 9230 2193 and in my OBC certificate bearing no.90500000848876 issued by Govt. of NCT my father's name has been wrongly written as Dilbagh Singh instead of Dilbagh Singhal which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, PANKAJ PARASHAR S/o VIJENDER KUMAR residing at 587/A , Village , Pooth Khurd , North West Delhi , Delhi – 110039 have changed the name of my minor daughter VAISHNAVI aged 8 Years and she shall hereafter be known as VISHU .

NAME CHANGE

I, ASHISH BANSAL S/o SHANKAR LAL BANSAL , Residing at M - 128 , Near Inderlok Metro Station, Shastri Nagar, North West Delhi, Delhi - 110052 have changed the name of my minor Daughter AARIKA BANSAL aged 9 years and she shall hereafter be known as BHAVYA BANSAL.

NAME CHANGE

I Hitherto Known as RAKESH KUMAR PUNDIR alias RAKESH KUMAR S/o RAHTU SINGH residing at , Plot No. – 2 Shop No. - 8 Kh – 166 Radha Krishan Enclave Govindpuram Ghaziabad Uttar Pradesh – 201013 have changed my name and shall hereafter be known as RAKESH KUMAR .

NAME CHANGE

I hitherto Known as ASHOK KUMAR SHARMA alias ASHOK KUMAR S/o JAGBIR SHARMA residing at , Akash Nagar Indergarhi , Dasna Dehat Ghaziabad Uttar Pradesh – 201302 have changed my name and shall hereafter be known as ASHOK KUMAR .

PUBLIC NOTICE

Be it known to public at large that my client SACHIN SINGH, S/O HARI MOHAN SINGH, (AGED 25 YEARS), R/O RZ-12/230, J-BLOCK, NEAR NASIRPUR, DAYAL PARK, WEST SAGAR PUR, NEW DELHI-110046, has severed off and cut off all relations with her mother namely SMT. SUSHMA DEVI W/O SH. HARI MOHAN SINGH. It is hereby inform that mother namely SMT. SUSHMA DEVI W/O SH. HARI MOHAN SINGH stands debarred from all her moveable, assets, FD and bank accounts and immovable property also property in BEBAR DISTT. FARUKHABAD, UTTAR PRADESH whatsoever. Anybody dealing with mother namely SMT. SUSHMA DEVI W/O SH. HARI MOHAN SINGH shall be doing so at his/her own cost and liabilities and my client SACHIN SINGH, S/O HARI MOHAN SINGH, shall not be responsible or liable in any manner in future. My client has no relation in this regard in future with his mother Smt. Sushma Devi Wife Sh. Hari Mohan Singh due to relinquished his share in the property moveable and immovable.

G.K. SACHDEVA ADVOCATE
Seat No. 32, Hall No. 1
Lawyers Chambers Dwarka Court
Complex, Sector 10
New Delhi-110075

NAME CHANGE

I hitherto known as Vibhuti Sharma D/o Karuna Agarwal R/o UGF 102 , Piyush Residency, Shivalik Hospital, Flora Enclave, Gangapuram, Govindpuram PO: Govindpuram , DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201013 have changed my name and shall hereafter be known as Pankti.

NAME CHANGE

I,SALIJAMMA TONY W/o Sh. TONY JOHN R/o 29/7, FIrst Floor, West Patel Nagar, Delhi-110008, have changed my name from SALIJA JOSE to SALIJAMMA TONY for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

I, JAYVIR SINGH S/o ASHRFI LAL R/o HOUSE NUMBER 137, ETAH, SHIKOHABAD ROAD, VILLAGE-NANGLA BARI, RAJPUR, ETAH, UTTAR PRADESH-207001, declare that PREMA DEVI was my real mother who died on 30/09/2018 at JISUKHPUR, URF NANGLA BARI, RAJPUR, ETAH, UTTAR PRADESH. My mother's Aadhar card number is 9223 6243 7516.

NAME CHANGE

I, Varisha W/O Ahmed Faraz Usmani R/O House No-2332 Gali Saleem Mohammad Shah Kucha Chalan Darya Ganj Delhi -110002 Have Changed My Name To Varisha Khan Usmani Permanentlty

NAME CHANGE

I hitherto Known as GHANSHYAM alias GHANSHYAM DHANEJA S/o KRISHAN KUMAR residing at 30/231 , Himmat Puri Trilok Puri Chilla Saroda Khadar , Chilla , East Delhi ,Delhi - 110091 have changed my name and shall hereafter be known as GHANSHYAM DHANEJA .

NAME CHANGE

I, ANIL KUMAR S/o RAM NARAYAN SINGH PANWAR R/o House No. A - 91 , Street No. - 9 , Bhajanpura , Bhajan Pura , North East Delhi , Delhi – 110053 have changed the name of my minor son AARAV PANWAR alias AARAV aged 13 years and he shall hereafter be known as SWASTIK PANWAR .

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "HOUSE NO. 46, AREA 85 SQ. YDS SITUATED AT MOHALLA MAHAJANAN MURADNAGAR VILLAGE SARNA MURADNAGAR, TEHSIL MODINAGAR, DISTT. GHAZIABAD, U.P. (SAID PROPERTY)" I.E. ORIGINAL SALE DEED DT. 22.04.2015 EXECUTED BY LAND OWNER IN FAVOUR OF MRS. POONAM GOYAL IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY VIDE DOC. NO. 4833 HAS BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MR. SALMAN C/O MR. MEHARBAAN, R/O, CHUNGI NO. 03, RAWALI ROAD, BERI WALA, MURADNAGAR, GHAZIABAD, U.P. WHO ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DATED 01.10.2024 NOW MRS. ASHA W/O MUKESH R/O SARNA WALI GALI, MOHALLA MAHAJNAN, MURADNAGAR, GHAZIABAD IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. SALMAN, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEED IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE

I, SULTAN KHAN S/o NANNE KHAN R/o H.NO.X-88, , Khasra No.244/6, Gali No.4, Madina Masjid, Sangam Vihar, Wazirabad, Delhi-110084, have changed my name to MOHD SULTAN permanently

NAME CHANGE

I, RUBIA W/o MOHD SULTAN R/o H.NO.X-88, , Khasra No.244/6, Gali No.4, Madina Masjid, Sangam Vihar, Wazirabad, Delhi-110084, have changed my name to RABIYA BEGUM permanently.

NAME CHANGE

I, NANDNI ARUN AGGARWAL W/o ARUN AGGARWAL R/o H.NO.4075, Gali Kaseru Walan, Pahar Ganj, Delhi-110055, have changed my name to NANDNI AGGARWAL permanently.

NAME CHANGE

I, NANHEY SHEIKH INAYATULLAH SHEIKH S/o INAYATULLAH SHEIKH R/o R-916, J.J Colony, Raghubir Nagar, Delhi-110027, have changed my name to SHEIKH NANHE permanently

NAME CHANGE

I, HARSIMRAN SINGH MUKKAR S/o KULDEEP SINGH MUKKAR R/o RZ-199B, Gali No.15, Sadh Nagar, Palam Village, Delhi-110045 have changed my name to HARSIMRAN SINGH permanently

NAME CHANGE

I, SHAKEEL AHMED S/o Muhammad Jalil R/o House No.1448, Gali No.48/2, Jafrabad, Delhi-110053, have changed my name to MOHD SHAKEEL permanently.

NAME CHANGE

I JERLIN SHAINI legally wife of Army No. JC - 462019P Rank - Sub, Name - H. Christopher, Presently Residing At Painamvilai, Post Kanjampuram, Teh - Vilavancode, Dist - Kanniyakumari, State - Tamil Nadu, Pin - 629154 have changed my name from JERLIN SHAINI to JERLIN SHAINI M for all future purposes, Vide Affidavit dated 08/06/2026 before Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

My client Dhanpati W/o Lt Sh. Dharam Chand (Aadhaar No.3306 4139 7405)R/o A-59, Sahid Rajiv Gandhi Colony T.C Govind Puri Kalka Ji, South Delhi, Delhi-110019 has severed all relations and disowned her son Jag Pravesh S/o Sh. Lt Dharam W/O Jag Pravesh from her all movable and immovable properties due to their disobedience. My client shall not be responsible for their any acts in future.

SATISH KUMAR GUPTA
Advocate
Ch. No. 245A, Lawyer's Chamber
Block Saket Court Complex, New
Delhi-110017

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Ranbir Singh S/o Mr. Santram is the owner and in possession of a Freehold Residential Built -up Property Bearing No. B-95, area measuring 220 Sq. Yds., out of Khasra No. 817Min, situated in the area of Village Chhattarpur Tehsil Saket, New Delhi. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 09.06.2025, duly registered as Document No. 2025/7/I/7804, in Book No. 1, Volume No. 8589, on Pages 117 to 136, on 24.06.2025 with the Sub-Registrar Office of Hauz Khas, Delhi. In the chain of documents, the Death Certificate & SMC of Late Mr. Ramphal Jindal S/o Late. Shri M. R. Jindal are not available; Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And Built-up First floor without roof rights area measuring 160 sq. yds. Sold too be Mrs. Sarita Sharma and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Pitampura New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

This is for the information to the general public at large that my client Ms. Shama Parveen, W/o Late Naeemuddin Ansari, R/o A-150, First Floor, A Block, Chaman Park Indira Vihar, Gokulpuri East Delhi-110094 has disowned from her all movable and immovable properties and severe her relationship with her son namely Arshad Ansari S/o. Late Naeemuddin Ansari if anybody dealing with him it is at his/her own risk and responsibility. My client shall not be responsible for any act done by him.

PARVEZ A SIDDIQUI Advocate
Chamber No. 815, Lawyers Block,
Saket Court Complex,
New Delhi-110017

NAME CHANGE

I, JAI BHAGWAN S/O OM PARKASH R/O 406-183/16, GALI NO 4, OPP SUGAR MILL, SANJAY COLONY, PANIPAT, HARYANA 132103, I have changed my name from JAI BHAGWAN JAIN TO JAI BHAGWAN for all future purpose. -

NAME CHANGE

I VIKAL S/O OMKAR SINGH R/O WZ 21 OM VIHAR PHASE -3 GALI NO 12 HASTSAL UTTAM NAGAR DELHI -110059 have changed my name to VIKAL SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I ONKAR SINGH S/O MAHENDER SINGH R/O WZ 21 OM VIHAR PHASE -3 GALI NO 12 HASTSAL UTTAM NAGAR DELHI -110059 have changed my name to OMKAR SINGH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I MANOJ JAIN S/O GHANSHYAM SINGH JAIN R/O 164 KURRA CHITTAR PUR GWALIOR ROAD,NEAR PRIMARY SCHOOL, AGRA, UTTAR PRADESH 282009 have changed my name to MANOJ KUMAR JAIN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Eishaan Chahal S/o Vishal Singh Chahal R/o D-12, Timber Market, Rana Pratap Bagh, Malka Ganj, Delhi-110007 have changed my name to Eishaan Singh Chahal for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

We, Rajiv Kumar Nigam, S/o Ram Kishan Nigam and Harsh Nigam, S/o Rajiv Kumar Nigam, along with family members, residents of Plot No. SP-61, Sector-130, Noida, hereby, with immediate effect, sever all social and family relations with our son/brother, Shaurya Nigam and daughter-in-law, Shilpa Saxena, owing to personal differences, and disown them from all movable and immovable properties.

Arjun Mehta, Advocate
G-12 (H-8), BEST PLAZA, NETAJI
SUBHASH PLACE,
PITAMPURA, DELHI

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री दीना नाथ कुमार पुत्र श्री कुलेश्वर यादव, पुराना प्लॉट संख्या 48 एवं नया प्लॉट संख्या 21, क्षेत्रफल 38 वर्ग गज, जो कुल 60 वर्ग गज क्षेत्रफल में से, खसरा संख्या 13/5/2 का भाग है, तथा ग्राम रज़ापुर खुर्द, कॉलोनी रक्षा एन्क्लेव, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, दिल्ली में स्थित है (जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा जाएगा), को श्री संजय कुमार ठाकुर पुत्र श्री गोरख ठाकुर से क्रय करना चाहते हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री जसवंत सिंह थे, जिन्होंने दिनांक 29.01.2004 को निष्पादित सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयतनामा (Will) के माध्यम से उक्त संपत्ति के अधिकार श्री प्रदीप कुमार गुप्ता के पक्ष में हस्तांतरित किए। तत्पश्चात, श्री प्रदीप कुमार गुप्ता ने दिनांक 17.05.2004 को निष्पादित GPA, ATS एवं Will के माध्यम से अपने अधिकार श्रीमती उग्गम देवी के पक्ष में हस्तांतरित किए। इसके उपरांत, श्रीमती उग्गम देवी ने दिनांक 23.05.2014 को निष्पादित GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति के अधिकार श्री पवन सिंह के पक्ष में हस्तांतरित किए। इसके बाद, श्री पवन सिंह ने दिनांक 24.11.2020 को निष्पादित GPA, ATS एवं Will के माध्यम से अपने अधिकार श्री अजय कुमार ठाकुर के पक्ष में हस्तांतरित किए। तत्पश्चात, श्री अजय कुमार ठाकुर ने दिनांक 24.11.2020 को निष्पादित GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति के अधिकार श्री संजय कुमार ठाकुर के पक्ष में हस्तांतरित किए। फलस्वरूप, श्री संजय कुमार ठाकुर उक्त संपत्ति के विधिसम्मत एवं वास्तविक स्वामी हैं। यह भी घोषित किया जाता है कि उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, मुकदमेबाजी, बंधक, भार, ग्रहणाधिकार (Lien), प्रभार (Charge) अथवा किसी अन्य तृतीय पक्ष के दावे से मुक्त है। इसके अतिरिक्त, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति के क्रय हेतु ऋण सुविधा (Housing Loan) प्राप्त करने का प्रस्ताव यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE

BE IT KNOWN THAT MY CLIENT SH.RAJEEV ROY AND SMT. RASHMI ROY, R/O B-165, EAST OF KAILASH NEW DELHI-110065, ARE HEREBY DELCARING/DISOWING AND DEBARRING THEIR SON NAMELY SH. ISHAN ROY FROM ALL THEIR PROPERTIES AND ESTATE BECAUSE SH. ISHAN IS NOT UNDER THE CONTROL OF MY CLIENTS. MY CLIENTS WILL NOT BE RESPONSIBLE/LIABLE FOR ANY ACT DEED AND THINGS DONE BY ISHAN SINCE TODAY.

R.S.MANN, ADVOCATE
Chamber No.514,
Patiala House Court,
New Delhi

NAME CHANGE

I,JITENDRA TRIVEDI S/o SRI NIWAS TRIVEDI R/o Plot Ni-89 1st Floor, Sector-11, Rajnagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh '201002, have changed the name of my minor daughter SUPRIYA TRIVEDI aged 09 years and she shall hereafter be known as SUDEVI TRIVEDI.

NAME CHANGE

I, Shakila Begum W/O Umardeen, 8831, Ward 50, Near Madina Masjid, Ashok Vihar, Loni Dehat, PO: Loni, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have changed my name and shall hereafter be known as Saajo

NAME CHANGE

I, SNEHAL, is legally spouse of Army No. 2817514F, Rank - Nk, Name - SHEDAGE GANESH SHAHAJI, presently residing at Vill - Gondavale Kh, Post - Gondavale Kh, Teh - Man, Dist - Satara, State - Maharashtra, Pin - 415540, have changed my name from SNEHAL to SHEDAGE SNEHAL GANESH for all future purposes. Vide affidavit dated 08/06/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, ANITA, is legally mother of Army No. 2823729W, Rank - Sep, Name - SHINDE TUSHAR RAMDAS, presently residing at Vill - Hiwarkhede, Post - Hiwarkhede, Teh - Chandwad, Dist - Nashik, State - Maharashtra, Pin - 423101, have changed my name from ANITA to ANITA RAMDAS SHINDE for all future purposes. Vide affidavit dated 08/06/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I SONALI legally wife of Army No. 2810536X, Rank HAV, Name - SANKPAL RAMDAS MOHAN, Presently Residing At. Banugadewadi, Post. - Helgaon, Teh - Karad, Dist - Satara, State - Maharashtra, Pin - 415106 have changed my name from SONALI to SANKALP SONALI RAMDAS for all future purposes, Vide Affidavit dated 08/06/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I KAMAL legally mother of Army No - 2810560 N, Rank - Sep, Name - NAGANE CHANDRAKANT GUNDA, Presently Residing, At - Bhose, Post- bhose, Teh - Mangalwedha, Dist - Solapur, State-maharashtra Pin - 413322 have changed my name from KAMAL to KAMAL GUNDA NAGANE for all future purposes, Vide Affidavit dated 08/06/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SURESH GANPAT SUGADARE, is legally father of Army No. 2815033W, Rank - Sep, Name - SUGADARE SURAJ SURESH, presently residing at Vill - Ghatkopar, Post - Barve Nagar, Teh - Kurla, Dist - Mumbai, State - Maharashtra, Pin - 400084, have changed my name from SURESH GANPAT SUGADARE to SUGADARE SURESH GANPAT for all future purposes. Vide affidavit dated 08/06/2026 before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल सत्य पाल सिंह पुत्र श्री सुखबीर सिंह मकान नम्बर-481, गली न-2, ए-ब्लाक, मेनं 20 फूटा रोड़, मीत नगर, उत्तरी-पूर्वी, दिल्ली-110094 व उनकी पत्नि श्रीमती शान्ति देवी ने अपने सगे बेटे विकास शर्मा उम्र 43 वर्ष व उनकी पत्नी अजंली शर्मा को उनके गलत, आचरण के कारण उनसे अपने समस्त सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है तथा मेरे मुवक्लि व उनकी पत्नी श्रीमती शान्ति देवी की चल व अचल सम्पत्ति पर अब उनका कोई अधिकार नहीं है तथा भविष्य में इनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिये मेरे उपरोक्त मुवक्किल उनकी पत्नि जिम्मेदार नहीं होंगी। यदि कोई भी व्यक्ति उनके किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन करता है तो वह उसके लिए स्वयं जिम्मेदार होगा।

Nadeem Hussain Advocate
CH. NO. F-714, LAWYERS CHAMBER BLOCK, KARKARDOOMA COURTS, DELHI-110032

सार्वजनिक सूचना

मैं आनंद प्रकाश पुत्र स्व0 चवल सिंह स्थाई निवासी 32/82, गली नं-10, भीकम सिंह कालोनी, विश्वास नगर, शाहदरा दिल्ली-32, सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आनंद प्रकाश पुत्र स्व0 चवल सिंह स्थाई निवासी 32/82, गली नं-10, भीकम सिंह कालोनी, विश्वास नगर, शाहदरा दिल्ली 32 का स्थाई निवासी हूँ, मैं अपनी धर्मपत्नी श्रीमती पूनम रानी व बेटा कृष्णा, बेटी-कीर्तिशाह के साथ रहता हूँ, मैं अपने स्वास्थ्य खराब के कारण उपरोक्त सम्पत्ति अपनी धर्मपत्नी पूनम रानी के नाम करता है। क्योंकि यह उपरोक्त सम्पत्ति मेरी स्वयं की धनराशि से अर्जित की हुई तथा ली गई है। इस सम्पत्ति में मेरे किसी सगे सम्बन्धित रिश्तेदार का कोई लेना देना नहीं है, अगर इस सम्पत्ति पर अपना दावा पेश करता है तो वह निरस्त व शुन्य माना जायेगा

NAME CHANGE

I, MOHAMMED NAVED S/O SHAKEEL AKHTAR residing at H NO-F-405, GALI NO-20, JANTA MAZDOOR COLONY, SEELAMPUR DELHI-110053. have changed my name to MOHAMED NAVED for all future purposes.

NAME CHANGE

I, RAVI SHANKER SAAJAN S/O GAURI SHANKER SAAJAN residing at H NO-4986 GALI MALIAN AHATA KIDARA, BARA HINDU RAO DELHI-110006 . have changed my name to RAVI SHANKAR SAJAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SHAKEEL AKHTER S/O SHAUKAT HUSAIN residing at H NO-A-5, BANK VIHAR, TYAGI MARKET ALAPUR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102. have changed my name to SHAKEEL AKHTAR for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

It is general information that I, TH ROMEN KUMAR SINGHA S/o KALI MOHAN SINGHA residing at H NO-06/01, JHARERA VILLAGE, DELHI CANTT-110010, declare that name of mine has been wrongly written as ROMEN KUMAR SINGHA in my Aadhar Card and PAN Card. The actual name of mine is TH ROMEN KUMAR SINGHA, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, B JEYA LAKSHMI mother of No-15205200W, Rank-HAV, Name-B MUTHAMIL PANDIAN residing at 2/207A, SOUTH STREET, UTHAPPANAICKNUR, USILAMPATTI TALUKA, TAMIL NADU-625537, have changed my name from B JEYA LAKSHMI to JEYALAKSHMI B for all future purposes vide Affidavit dated 08/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, S BALA KRISHNAN father of No-15205200W, Rank-HAV, Name-B MUTHAMIL PANDIAN residing at 2/207A, SOUTH STREET, UTHAPPANAICKNUR, USILAMPATTI TALUKA, TAMIL NADU-625537, have changed my name S BALA KRISHNAN to BALAKRISHNAN S for all future purposes vide Affidavit Dated 08/06/2026 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सनी पुत्र** राजेंदर, **निवासी** सोनू का मकान, गली नं0-12, धामा डेयरी, बेहरामपुर, जिला-गाजियाबाद (उ0प्र0), ने **FIR No. 494/2022, U/S 363 IPC, पुलिस स्टेशन बदरपुर, नई दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सनी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सनी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 494/2022, U/S 363 IPC, पुलिस स्टेशन बदरपुर, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **सनी** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.07.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री विनोद जोशी
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,
दक्षिण-पूर्व जिला, कमरा संख्या-515,
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/7644/SE/2026
(Court Matter)

PUBLIC NOTICE

My clients Mahendra Pratap and his wife Gulabi Devi BOTH R/O 1-1143, Gali No. 12, Sangam Vihar, New Delhi-110080 has disowned /debarred their son Ravindra Kumar from all their moveable/immovable properties/assets and severed all their relations with him due to his misbehavior/misconduct towards my clients. If anybody dealing with him in any manner will do so at his/her/their own risk and responsibility. My clients shall not responsible for any kind of acts

MOHD TAHIR QIDWAI
ADVOCATE
CH.NO.484, LAWYERS BLOCK
SAKET COURT, NEW DELHI-17

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I JAIVARDHAN S/O SUMAN KUMAR CHAUDHARI R/O DVM public school, kulesra Greater Noida, Kulesara, PO: Kulesra, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306 declare that name of mine and my father has been Wrongly written as JAIVARDHAN CHOUDHARY and SUMAN in my 10th Class marksheet and name of my father has been Wrongly written as SUMAN CHOUDHARY in my 12th class marksheet and certificate. The actual name of mine and my father JAIVARDHAN and SUMAN KUMAR CHAUDHARI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I MONIKA BANSAL D/o RAJARAM BANSAL, Ex wife of RAJKUMAR GARG, residing at B-34, SANJAY NAGAR, SECTOR-2, ROHINI, DELHI-110085, declare that I got divorce from my husband vide court Decree No-HMA PETITION NO-1366/2021 dated 08/09/2021. Further I have changed name of my minor son HRITIYUSH aged14 years and he shall hereafter be known as RUDRANSH BANSAL . It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SONALI KAPOOR D/o LILA RAM BHATIA W/o ASHWANI KAPOOR, R/o F-206B, MANGAL BAZAR, LAXMI NAGAR, DELHI-110092, declare that name of mine has been wrongly written as SANTOSH BHATIA in my 10th class Educational Documents. The actual name of mine is SONALI KAPOOR, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE

I, JC-733576K Subedar Sunil Kumar Gaur S/o Ram Kewal Gaur, R/o: Jawahar Chak 1141, Mo and Post – Nausad, District-Gorakhpur, State-Uttar Pradesh –Pin 273001. Declare that my Daughter name in my army record wrongly entered as Namrata Whereas her Correct Name is Namrata Singh Gaur

NAME CHANGE

I, JC-733576K Subedar Sunil Kumar Gaur S/o Ram Kewal Gaur, R/o: Jawahar Chak 1141, Mo and Post – Nausad, District-Gorakhpur, State-Uttar Pradesh –Pin 273001. Declare that my Daughter name in my army record wrongly entered as Satashi Singh Gaur Whereas her Correct Name is Satakshi Singh Gaur

NAME CHANGE

I Anis Ahmed S/O Abdul Majid R/O 1012/D-1 Ward No.7, Radhey Shyam Mandir Mehrauli South Delhi-110030 have changed my name from Anis Ahmed to Anees Ahmad for all future proposes.

NAME CHANGE

I, RABIA SULTAN W/o MOHD SULTAN R/o H.NO.X-88, , Khasra No.244/6, Gali No.4, Madina Masjid, Sangam Vihar, Wazirabad, Delhi-110084, have changed my name to RABIYA BEGUM permanently.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

चुटकुलों से सरकार नहीं, सिनेमा हॉल चल सकते हैं: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के धूरी में आयोजित विशाल जनसभा में राज्य में राजनीतिक परिवर्तन का आह्वान करते हुए कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री को चुटकुलों के अलावा कुछ और नहीं आता। चुटकुलों से सिनेमा हॉल तो चल सकते हैं लेकिन सरकार नहीं चल सकती। यही कारण है कि पंजाब की जनता अब सरकार के झूठे वादों और खोखले आश्वासनों की राजनीति से ऊब चुकी है और विकास, सुशासन तथा पारदर्शी प्रशासन की नई राह चुनने के लिए तैयार है। जनसभा में उमड़े भारी जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि धूरी की जनता का उत्साह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश में बदलाव की मजबूत लहर चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता अपने आप को क्रांतिकारी बताते हैं लेकिन वास्तव में ये भ्रांतिकारी हैं जो अपनी कमियों को छिपाने के लिए दूसरों के कामों व

उपलब्धियों के संबंध में जनता को भ्रमित करने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि धूरी मुख्यमंत्री का निर्वाचन क्षेत्र है लेकिन मुख्यमंत्री तो पंजाब ही नहीं बल्कि धूरी से भी दूरी बना चुके हैं। पंजाब कभी विकास के मामले में अन्य राज्यों से काफी आगे होता था जिसे यहां की राजनीतिक पार्टियों ने अपने निजी स्वार्थ के चलते पिछड़े राज्यों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है। आज पंजाब में नशे के विरुद्ध युद्ध केवल अखबारों में विज्ञापन देकर ही लड़ा जा रहा है, धरातल पर कुछ काम नहीं हो रहा है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब का किसान देश का अन्नदाता है। इस अन्नदाता ने 2022 में 'आप' पार्टी पर भरोसा करके उसे वोट दिया लेकिन पंजाब में न तो किसानों की सभी फसलों को एमएसपी का लाभ मिला और न ही खराबे का उचित मुआवजा दिया जाता है। यह किसानों के साथ किया गया सबसे बड़ा विश्वासघात है जिसका जवाब किसान भाई आने वाले चुनाव में आम आदमी पार्टी को देंगे। इसके विपरीत हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां सरकार अपने किसानों की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदती है। इसी प्रकार प्राकृतिक आपदा में किसान के नुकसान की भरपाई में भी हरियाणा सरकार काफी आगे है। पिछले साल हुई बरसात व बाढ़ से फसल खराब होने पर हरियाणा में किसानों को 16500 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद की गई है। फसल बेचने मंडी में आने वाले किसानों को जे-फार्म तुरंत ऑनलाइन मिलता है और 72 घंटे के भीतर फसल का पैसा किसान के खाते में भिजवा दिया जाता है।

आरोपियों की गिरफ्तारी तक नहीं होगा पूर्व सैनिक का संस्कार,पंचायत का फैसला

एजेंसी

हांसी। पूर्व सैनिक सुंदर पंघाल की आत्महत्या के मामले में उनके पैतृक गांव भगाना में पंचायत हुई। पूर्व सरपंच, मौजूदा सरपंच और ग्रामीणों ने साफ कहा कि जब तक सुसाइड नोट में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाएंगे और न ही शव लेंगे। पंचायत में ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि पुलिस ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन तेज होगा। जरूरत पड़ी तो हाईवे जाम भी किया जाएगा। ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल एसपी से मिलकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करेगा। 63 वर्षीय पूर्व सैनिक सुंदर पंघाल ने शनिवार को हांसी के विकास नगर स्थित मकान में जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट मिला। घर से 8 पेज का एक और विस्तृत नोट भी बरामद हुआ है। इसमें मृतक ने मकान मालिक और उसकी पुत्रवधू पर 4 से 5 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सुंदर पंघाल ने आरोपियों को पैसे देने के लिए अपना होटल और अन्य संपत्तियां तक बेच दी थीं। लंबे समय तक रकम वापस मिलने की उम्मीद में परेशान रहने के बाद उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया। एक और ग्रामीण ने लगाए 85 लाख ठगी के आरोप पंचायत में गांव के अनूप खान ने भी आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि उसी महिला ने उनसे जमीन बेचने के नाम पर करीब 85 लाख रुपये लिए थे।

प्रधानमंत्री मोदी के कारण भारत की विश्व में पहचान : डॉ. आशा खेदड़

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के सब्जी मंडी मंडल की ओर से आत्मनिर्भर समूह की बैठक वार्ड-3 की पार्षद ज्योति वर्मा के आवास पर हुई। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने मुख्य अतिथि रही और कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक विषयों पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. आशा खेदड़ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व पटल पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। आज भारत की आवाज़ वैश्विक मंचों पर प्रभावशाली ढंग से सुनी जाती है और देश विकास, आत्मनिर्भरता तथा सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और विश्व समुदाय में उसका सम्मान बढ़ा है। डॉ. खेदड़ ने कार्यकर्ताओं को एसआईआर अभियान, 'मन की बात' कार्यक्रम एवं अन्य संगठनात्मक गतिविधियों के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले पौधारोपण अभियान, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, बुद्धिजीवी सम्मेलन तथा विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्रमों में सभी कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर भाग लें तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों से जोड़ें।

रूस के फिल्म फेस्टिवल में दिखेगी सुपवा की शॉर्ट फिल्म 'जोगई परिवार'

रोहतक। दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स द्वारा निर्मित शॉर्ट फिल्म 'जोगई परिवार' का रूस में होने वाले 21वें विदइन द फैमली इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ फैमली एंड चिल्ड्रन फिल्म 2026 में स्क्रीनिंग के लिए चयन किया गया है। फिल्म फेस्टिवल 3 जुलाई से यारोस्लावल, रूस में शुरू होगा, जहां दुनिया भर की चुनिंदा फिल्मों की ज्यूरी, फिल्म व कला प्रेमियों के सामने स्क्रीनिंग होगी। रजिस्ट्रार डॉ. गुंजन मलिक मनोचा ने बताया कि सुपवा द्वारा प्रोड्यूस 'जोगई परिवार' को यहां पढ़ने वाले फिल्म एवं टेलीविजन फैकल्टी के छात्रों ने तैयार किया है। इसका निर्देशन 2023 बैच के डायरेक्शन के छात्र अर्पित आनंद सिंह ने किया है। अर्पित मूलतरू गगहा क्षेत्र गोरखपुर के निवासी हैं जो सुपवा में फिल्म निर्देशन की पढ़ाई कर रहे हैं। 'जोगई परिवार' का चयन शॉर्ट फिल्म की कैटेगिरी में हुआ है। इस फिल्म के कलाकार भी सुपवा के ही छात्र जितेंद्र, शिवम, मिताली, अरूण, व मनखुश हैं। मेंटर दीप्ति खुराना है, जबकि असोसिएट डायरेक्टर रजत सोंगरा हैं। असिस्टेंट डायरेक्टर केशव बियानी, गौरव बुधवार, कृष्णा सैनी व सान्या भी सुपवा की फिल्म एवं टेलीविजन फैकल्टी के छात्र हैं। उन्होंने बताया कि सिनेमोग्राफर अजय नेहरा, एडिटर गौरव बुधवार, लोकेशन साउंड रिकॉर्डिस्ट गौरव गौतम हैं।

रेवाड़ी रेलवे स्टेशन के सभी प्लेटफार्म पर लगेंगी प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनें

रेवाड़ी। रेवाड़ी रेलवे स्टेशन को पूर्ण रूप से पालीथिन मुक्त बनाने की दिशा में रेलवे प्रशासन ने कदम तेज कर दिए हैं। इसके तहत स्टेशन के सभी प्लेटफार्मों पर प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनें स्थापित की जाएंगी। मशीनें स्टेशन पर पहुंच चुकी हैं और फिलहाल इनके लिए बिजली कनेक्शन तथा अन्य तकनीकी फिटिंग का कार्य किया जा रहा है। जल्द ही ये मशीनें यात्रियों के उपयोग के लिए शुरू कर दी जाएंगी।जयपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) रवि जैन, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक पूजा मित्तल तथा अन्य अधिकारियों ने रेवाड़ी जंक्शन का दौरा कर स्टेशन पर चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्लेटफार्मों पर उपलब्ध सुविधाओं और निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीआरएम रवि जैन ने कहा कि आने वाले समय में रेवाड़ी जंक्शन उत्तर पश्चिम रेलवे के आधुनिक और बेहतर सुविधाओं से लैस प्रमुख स्टेशनों में शामिल होगा।

प्रदेश में गांव, गरीब, किसान और आमजन की सरकार : बेदी

एजेंसी

जींद। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रदेश में गांव, गरीब, किसान और आमजन की सरकार है। गरीब कल्याण और ग्रामीण विकास की सर्वोच्च प्राथमिकता पर फोकस कर राज्य सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाएं बनाकर निरंतर विकास परियोजनाओं को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। ग्रामीण आंचल में ढ़ाणियों तक बिजली लाइनें और सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। साथ ही पेयजल व्यवस्था, बेहतर शिक्षा तथा चिकित्सा सुविधाओं जैसी बुनियादी जरूरतों का विस्तार किया जा रहा है। भविष्य में गांवों में भी शहरों की तर्ज पर समग्र विकास लाजिमी बनेगा कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी विधानसभा क्षेत्र के गांव हथो में ग्रामीण सभा को संबोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने दो करोड़ 35 लाख रुपये से बनने वाले नए स्कूल भवन के रूप में गांव को विकास की एक ओर सौगात दी। सर्वशिक्षा अभियान के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बनने वाले इस भवन में आधुनिक सुविधाओं से लैस 19 कमरे होंगे। उनमें से तीन कमरों में आधुनिक तकनीकी स्तर की अलग-अलग सांइस लैब बनेगी। इस प्रकार मौजूदा सरकार के केवल 18 महीने के कार्यकाल के दौरान हथो गांव के विकास के लिए चार करोड़ 85 लाख से ज्यादा की रिकॉर्ड धनराशि अलॉट की जा चुकी है। विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कैबिनेट मंत्री ने स्कूल प्रांगण में पौधारोपण भी किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान केंद्र व राज्य सरकार का विजन् ग्रामीण विकास है जबकि अन्य दलों की सरकारों के दौरान इस विषय की ओर ध्यान नहीं दिया गया।

पंचायती भूमि पर जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए बनाई जाएगी नीति : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंचायत के स्वामित्व वाली भूमियों पर भी प्राकृतिक व जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए अगले वर्ष में एक नीति बनाई जाएगी। कृषि विभाग के स्वामित्व वाली लगभग 800 एकड़ भूमि केवल उन्हीं किसानों को पट्टे पर दी जाएगी,जो कम से कम अगले 10वर्ष तक उसमें प्राकृतिक व जैविक खेती करेंगे। मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा एवं क्लस्टर गठन कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कृषि कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत , हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बताया कि एपेडा एजेंसी से प्रमाणित प्राकृतिक व जैविक किसानों को पांच वर्षों की अवधि के लिए प्रति वर्ष 10 हजार रुपये प्रति एकड़ की वित्तीय सहायता दी जाएगी। किसानों को जैविक खेती प्रमाणीकरण के लिए हरियाणा राज्य बीज प्रमाणीकरण एजेंसी को एक प्रमाणीकरण संस्था बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंचकूला, यमुनानगर, करनाल, सोनीपत, रोहतक, गुरुग्राम, फरीदाबाद, हिसार, चरखी दादरी व नारनौल में प्राकृतिक व जैविक किसानों को कृषि उपज बेचने के लिए मंडियों में जगह उपलब्ध करवाई जाएगी। साथ ही, परीक्षण हेतु प्रयोगशालाएं तथा प्रमाणीकरण के लिए एपीडा द्वारा मान्यता प्राप्त केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

हरियाणा में एक दशक में शिशु मृत्यु दर में 40फीसदी से अधिक की गिरावट, स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ी उपलब्धि

एजेंसी

चंडीगढ़। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (SRS) रिपोर्ट 2024 के अनुसार हरियाणा ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। पिछले एक दशक में राज्य की शिशु मृत्यु दर (IMR) प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 41 से घटकर 24 हो गई है, जो 40 प्रतिशत से अधिक की कमी को दर्शाती है। स्वास्थ्य विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह सुधार लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के कारण संभव हुआ है। पिछले पांच वर्षों में हरियाणा की आईएमआर 28 से घटकर 24 तक पहुंची है, जो लगभग 14 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाती है। यह आंकड़े हरियाणा को राष्ट्रीय औसत के करीब लाते हैं और स्वास्थ्य ढांचे, नवजात देखभाल सेवाओं तथा मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों में किए गए निरंतर निवेश के सकारात्मक परिणाम को उजागर

करते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि राज्य में शिशु एवं मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के प्रयास लगातार जारी हैं। हालांकि कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं, लेकिन समग्र रुझान बाल स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार की दिशा में स्पष्ट प्रगति दिखाता है। SRS 2024 रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा की पांच वर्ष से कम आयु मृत्यु दर (5MR) भी घटकर 31 रह गई है, जो 2013 में 45 थी। यह बच्चों के स्वास्थ्य में निरंतर सुधार को दर्शाता है। राज्य में विशेष नवजात देखभाल इकाइयों (SNC), कंगारू मदर केयर (KMC), पोषण पुनर्वास केंद्र (NRC) और जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम जैसी सेवाओं के विस्तार से स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत किया गया है। आगे की दिशा में सरकार SNC को मातृ एवं नवजात शिशु देखभाल इकाइयों (MNC) में अपग्रेड करने और प्रसव पूर्व व प्रसवोत्तर सेवाओं को और सशक्त बनाने पर काम कर रही है।

प्रवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य हर माँ और नवजात को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और शिशु मृत्यु दर को और कम करना है।

गुरु अमर दास जी का जीवन मानवता और समानता की मिसाल: सीएम नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सिखों के तृतीय गुरु, श्री गुरु अमर दास जी का जीवन त्याग, तपस्या, सेवा, समर्पण, समानता और मानवता का अद्वितीय प्रतीक है। उनका जीवन आज भी समाज को भाईचारे, मानव कल्याण और सामाजिक समरसता का मार्ग दिखा रहा है तथा आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह बात शनिवार को पंजाब के लुधियाना स्थित अमरपुरा चौक के निकट श्री गुरु अमर दास जी के पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित 9वें विशाल कीर्तन समागम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने गुरुद्वारा प्रबंधन के लिए सेवा स्वरूप 5 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा करते हुए भविष्य में गुरुद्वारे से संबंधित विकास कार्यों के लिए हरसंभव सरकारी सहयोग का आश्वासन भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु अमर दास जी ने समाज में व्याप्त जात-पात, ऊंच-नीच और भेदभाव जैसी कुरीतियों का सशक्त विरोध

किया तथा 'पहले पंगत, पीछे संगत' का संदेश देकर सामाजिक समानता और समरसता की ऐसी मिसाल प्रस्तुत की, जो आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि गुरु जी का यह संदेश केवल धार्मिक नहीं बल्कि सामाजिक क्रांति का आधार था। मुख्यमंत्री ने गुरु अमर दास सेवा सोसायटी, श्री सुखमनी सेवा सोसायटी तथा गुरु अमर दास गुरुद्वारा एवं धर्मशाला चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एकता, सेवा और आध्यात्मिक चेतना के सूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित संत-महात्माओं एवं रागी जत्थों को भी श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लुधियाना की पावन धरती पर रागी जत्थों द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा मधुर कीर्तन श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद एवं शांति प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि गुरु अमर दास जी ने 60 वर्षों से अधिक समय तक एक विनम्र सेवक के रूप में जीवन व्यतीत किया और गुरु गद्दी प्राप्त करने के पश्चात समाज सुधार का व्यापक अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि गुरु अमर दास जी ने महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने सती प्रथा जैसी अमानवीय कुप्रथा का विरोध किया, विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया तथा महिलाओं को पर्दा प्रथा से बाहर निकलने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का समाज भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ में मानसिक तनाव, ईर्ष्या और संघर्ष जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है। ऐसे समय में गुरु अमर दास जी की शिक्षाएं मानवता को सही दिशा प्रदान करती हैं। आनंद साहिब की वाणी मानव जीवन को वास्तविक सुख, संतोष और आत्मिक शांति का मार्ग दिखाती है।

नशे के विरूद्ध सर्च ऑपरेशन में पुलिस को मिली पुरानी करेंसी समेत लाखों की नकदी

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर के थाना छप्पर क्षेत्र के गांव सारण में पुलिस ने एक युवक के घर से 10 लाख 37 हजार 800 रुपये नकद बरामद किए हैं। इनमें करीब साठ हजार रुपये बंद हो चुकी पुरानी करेंसी भी शामिल है। डीएसपी रजत गुलिया ने बताया कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस टीमों ने गांव सारण में तलाशी अभियान चलाया था। इसी दौरान सुभाष नामक युवक के घर से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि संबंधित युवक के पास आय का कोई स्पष्ट साधन नहीं है और वह वर्तमान में बेरोजगार है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इतनी बड़ी राशि घर में रखे जाने तथा उसके स्रोत को लेकर कई सवाल खड़े हुए हैं। इसी कारण बरामद नकदी के संबंध में विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह धनराशि कहां से आई, इसका उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया जाना था तथा क्या इसका संबंध किसी अवैध गतिविधि से है।

डीएसपी रजत गुलिया ने कहा कि जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी, लेकिन मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से पड़ताल की जा रही है। उन्होंने बताया कि बरामद नकदी और अन्य दस्तावेजों को जांच के दायरे में लिया गया है। पुलिस का कहना है कि यदि जांच में किसी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधि सामने आती है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस विभिन्न तथ्यों को खंगालने में जुटी हुई है।

देवघर की आध्यात्मिक ऊर्जा अद्भुत तथा शिवमय वातावरण में मन को मिलने वाली शांति अलौकिक है: डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने परिवार के साथ झारखंड के देवघर स्थित विश्वप्रसिद्ध एवं अत्यंत पवित्र बाबा बैद्यनाथ धाम ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस पावन अवसर पर संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा भी उनके साथ उपस्थित रहे। डॉ. अर्चना गुप्ता ने बाबा बैद्यनाथ के दरबार में माथा टेककर प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और कल्याण की मंगल कामना की।

उन्होंने भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना करते हुए कहा कि उनकी कृपा समस्त प्रदेशवासियों पर सदैव बनी रहे तथा हर परिवार में शांति, समृद्धि और खुशहाली का वास हो। दर्शन के उपरांत डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि देवघर की आध्यात्मिक ऊर्जा वास्तव में अद्भुत है। बाबा बैद्यनाथ मंदिर के इस पावन और शिवमय वातावरण में मन को मिलने वाली शांति अलौकिक है। उन्होंने कहा कि देवघर की अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा, श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और चारों ओर व्याप्त

शिवमय वातावरण ने उनके मन को असीम शांति और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। उन्होंने कहा कि बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग की यह यात्रा उनके जीवन के सबसे अविस्मरणीय और आध्यात्मिक अनुभवों में से एक बन गई है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देवभूमि देवघर का वातावरण श्रद्धा, भक्ति और आस्था से ओत-प्रोत है, जो प्रत्येक श्रद्धालु को आत्मिक शांति प्रदान करता है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने विश्वास व्यक्त किया कि भगवान शिव की असीम कृपा से प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर रहेगा और सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का संचार होगा।

गर्मी व हीट वेव से बचाव के लिए एहतियात बरतें जिलावासी: डीसी

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला आपदा एवं प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि गर्मी के मौसम में हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू (हीट वेव) लगने का खतरा बढ़ जाता है, खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाडियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, हम लू से बचे रहें यानी बचाव इलाज से बेहतर है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, जिसकी सभी को पालना करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा बनाए रखनी है।

हीट वेव से बचाव के लिए अपनाएं ये उपाय : डीसी

डीसी ने आमजन से आह्वान किया कि प्रशासन की ओर से जारी की गई एडवाइजरी की पालना करें और हीट वेव से बचे रहें। उन्होंने बताया कि हीट वेव से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें, गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं-भले ही प्यास न लगी हो, ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें। बच्चों को वाहनों में छोड़कर न जाएं उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है, नंगे पांव बाहर न जाएं, गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें, काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें, खेत खलीहान में काम कर रहे हैं तो समय-समय पर पेड़ या छाया में ही आसरा लें। गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन न करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं। खासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 3 बजे के बीच धूप में सीधे न जाए। यदि बच्चे को चक्कर आए, उल्टी घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो चिकित्सक को दिखाएं।

मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को समर्पित: राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। भाजपा जिला कार्यालय गुरुकमल में संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में गुरुग्राम एवं बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह उपस्थित रहे। इसके अलावा गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा तथा पूर्व मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने की।

बैठक में बूथ सशक्तिकरण, संगठन विस्तार तथा केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सभी वक्ताओं ने मजबूत बूथ, सक्रिय कार्यकर्ता और सशक्त संगठन को भाजपा की विजय का आधार बताया। कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष देश के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय हैं। उन्होंने कहा कि यह अवधि सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, राष्ट्रीय सुरक्षा और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को समर्पित रही है।

गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा ने कहा कि नायब सरकार विकसित भारत और विकसित हरियाणा के संकल्प के साथ प्रदेश में सुशासन और विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में शहर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। पूर्व मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने भी अपने संबोधन में केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार जनहित में निर्णय लेकर समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। भाजपा जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर जिले, मंडल और बूथ स्तर पर वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, प्रगति पथ यात्रा, जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी, प्रबुद्ध सम्मेलन, चित्रकला प्रतियोगिता, 21 जून को योग दिवस तथा 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर महिला

मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, सोशल मीडिया प्रदेश संयोजक अरूण यादव, हरविंदर कोहली, एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बोधराज सीकरी, हुकम सिंह जिला महामंत्री अजीत यादव, जिला महामंत्री मनीष सैदपुर, जिला उपाध्यक्ष जयवीर यादव, जिला मीडिया प्रभारी हितेष चौधरी, कुलदीप यादव, पीयूष सैनी वरुण चौहान प्रवीन शर्मा, भूपेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

हरियाणा में बढ़ती शिशु मृत्यु दर चिंताजनक, सरकार ठोस कदम उठाए : कुमारी सैलजा

ज्योति दर्पण

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य एवं सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में बढ़ती शिशु मृत्यु दर पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि किसी भी राज्य की प्रगति का वास्तविक पैमाना वहां के बच्चों और माताओं का स्वास्थ्य होता है। यदि नवजात शिशु सुरक्षित नहीं हैं तो विकास के बड़े-बड़े दावों का कोई अर्थ नहीं रह जाता।कुमारी सैलजा ने कहा कि हाल ही में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार हरियाणा में शिशु मृत्यु दर बढ़कर प्रति हजार जीवित जन्म पर 24 तक पहुंच गई है। इसका अर्थ है कि प्रदेश में हर वर्ष हजारों बच्चे अपना पहला जन्मदिन मनाने से पहले ही दम तोड़ देते हैं। पड़ोसी राज्यों पंजाब, हिमाचल प्रदेश तथा चंडीगढ़ की तुलना में हरियाणा की स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। सांसद ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में शिशु मृत्यु दर में बढ़ोतरी यह संकेत देती है कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं, नवजात शिशु देखभाल केंद्रों, विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच की व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाना चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से जनस्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की पक्षधर रही है। हर बच्चे को सुरक्षित जन्म और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की संवैधानिक और नैतिक जिम्मेदारी है। स्वास्थ्य क्षेत्र में केवल घोषणाओं और प्रचार से काम नहीं चलेगा, बल्कि जमीनी स्तर पर परिणाम भी दिखाई देने चाहिए। सांसद ने राज्य सरकार से मांग की कि शिशु मृत्यु दर बढ़ने के कारणों की व्यापक समीक्षा कर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं, ताकि कोई भी परिवार अपने नवजात बच्चे को स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में न खोए।

आईएफसी का भारत में हरित क्रांति को बल, कठिन कार्बन कटौती क्षेत्रों में बढ़ेगा निवेश

रसायन और भारी परिवहन भी दायरे में; नीतिगत समर्थन और लागत में कमी से प्रेरित

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) भारत में अपनी हरित निवेश रणनीति का विस्तार कर रहा है, खासकर उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जहां कार्बन उत्सर्जन कम करना चुनौतीपूर्ण रहा है। पिछले वित्त वर्ष में भारत में 5.4 अरब डॉलर का निवेश करने के बाद, आईएफसी अब हरित हाइड्रोजन, रसायन और भारी परिवहन जैसे क्षेत्रों में अपना ध्यान केंद्रित करेगा, जिसका खुलासा क्षेत्रीय प्रभाग के निदेशक के अनुसार, हरित हाइड्रोजन में आईएफसी का पहला निवेश हाइजेनको में हुआ है। उन्होंने बताया कि भारत का हरित हाइड्रोजन क्षेत्र एक निर्णायक मोड़ पर है, जहां नीतिगत महत्वाकांक्षाएं, बेहतर अर्थव्यवस्था और मजबूत निजी क्षेत्र का उदय हो रहा है। आईएफसी का यह कदम विश्व बैंक समूह की व्यापक पहल का हिस्सा है, जो कई वर्षों से नीतिगत ढांचे और वित्तपोषण का समर्थन कर रहा है। यह बदलाव रसायनों और भारी परिवहन जैसे क्षेत्रों में वाणिज्यिक स्तर पर मांग बढ़ने के कारण हुआ है। भारत का नीतिगत माहौल राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के साथ परिपक्व हो चुका है, जो उत्पादन और इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण के लिए स्पष्ट प्रोत्साहन प्रदान करता है। इसके अलावा, भारत में नवीकरणीय ऊर्जा की लागत विश्व में सबसे कम है और इलेक्ट्रोलाइजर की लागत भी घट रही है, जिससे हरित प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन सुधर रहा है। उन्होंने कहा कि हरित हाइड्रोजन सौर ऊर्जा की तरह ही तेजी से आगे बढ़ रहा है।

वित्त वर्ष 27 में 7.7 से 6 फीसदी तक आ सकती है भारत की ग्रोथ रेट

आगामी वर्ष में महंगाई और लागत बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली।

भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले वित्त वर्ष में मजबूत प्रदर्शन किया, लेकिन आगामी वर्ष में इसकी विकास दर पर बाहरी चुनौतियों का साया मंडरा रहा है। एक ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को प्रभावित कर सकती हैं। इससे महंगाई और कंपनियों की लागत बढ़ने का अंदेशा है। रिपोर्ट बताती है कि इन संभावित मुश्किलों को देखते हुए वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान घटाया गया है। हालांकि, निवेश और खपत अब भी अर्थव्यवस्था को मजबूत सहारा दे रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) में जीडीपी 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी, जिसमें निवेश का बड़ा योगदान रहा, भले ही उपभोक्ता खर्च कुछ धीमा रहा। पूरे वित्त वर्ष 2026 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 फीसदी दर्ज की गई, जो पिछले साल 7.1 फीसदी से अधिक थी। उद्योग और सेवा क्षेत्रों ने इसमें सर्वाधिक योगदान दिया, खासकर मैन्युफैक्चरिंग, व्यापार और होटल सेवाओं में उछाल देखा गया। कृषि क्षेत्र की वृद्धि 3 फीसदी पर कमजोर रही। इसके बावजूद, मजबूत निवेश और खपत ने अर्थव्यवस्था को साल भर गतिशील बनाए रखा।

रुपया 17 पैसे टूटकर 95.35 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया शुक्रवार को 56 पैसे मजबूत होकर 95.18 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी बाजार में डॉलर की मजबूती से रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 95.35 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। ईरान के इजराइल की ओर कई मिसाइलें दागने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है जिससे क्षेत्र की स्थिरता एवं युद्धविराम प्रयासों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.35 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे कमजोर है। रुपया शुक्रवार को 56 पैसे मजबूत होकर 95.18 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था, जो लगभग दो महीनों में इसकी सबसे बड़ी एक-दिवसीय बढ़त थी। केंद्रीय बैंक के विदेशी पूंजी प्रवाह को समर्थन देने और विदेशी मुद्रा नकदी मजबूत करने के उपायों की घोषणा के बाद यह बढ़त आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 95.33 पर रहा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 719 अंक, निफ्टी 243 अंक गिरा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अमेरिका, इजरालय और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 719.08 अंकों की गिरावट के साथ ही 73,524.26 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 243.70 अंक नीचे आकर 23,123 पर पहुंच गया। इसके अलावा व्यापक बाजार में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 1.40 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.92 फीसदी की गिरावट रही। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑटो में 2 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई जबकि निफ्टी मीडिया, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में भी एक फीसदी गिरावट रही।

निफ्टी के केवल 9 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई, जबकि अन्य सभी शेयर गिरावट पर कारोबार करते दिखे।

मैक्स हेल्थ, पावरग्रिड, भारती एयरटेल, बीईएल, नेस्ले इंडिया और टेक महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गयी जबकि विप्रो , जियो फाइनेंस, हिंडाल्को और श्री राम फाइनेंस के शेयरों में गिरावट आई।बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी और ईरान के बीच शांति समझौते पर संशय से भी बाजार में गिरावट आई है।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। सेंसेक्स 700 अंक से अधिक लुढ़क कर 73,500 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी भी 23,150 के करीब गिरा। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 724.51 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 73,518.83 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सोना 1700 से ज्यादा टूटा, चांदी में 5900 की गिरावट

सोने का भाव 1,53,844 प्र ति दस ग्राम, चांदी 2,42,614 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों पर सोमवार को दबाव देखने को मिला। जहां शुरुआती तेज उछाल के बाद चांदी के भाव फिसल गए, वहीं सोने ने दिन की शुरुआत ही गिरावट के साथ की और इसमें और नरमी आई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतरराष्ट्रीय कॉमैक्स दोनों बाजारों में बहुमूल्य धातुओं के वायदा भाव में कमजोरी दर्ज की गई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने के समय 1,750 रुपये की गिरावट के साथ 1,53,844 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने दिन की शुरुआत ही नरमी के साथ की थी, जहां यह 1,417 रुपये की गिरावट के साथ 1,54,177 रुपये पर खुला था। इसका पिछला बंद भाव 1,55,594 रुपये था। कारोबारी सत्र के दौरान सोने ने 1,54,434 रुपये का उच्च स्तर और 1,53,802 रुपये का निचला स्तर छुआ।

सरकार ने बैंकों से मांगा एटीएम नकदी संकट पर तत्काल जवाब

नई दिल्ली ।

वित्तीय सेवा विभाग ने देशभर में एटीएम में नकदी की कमी की समस्या पर बैंकों से तत्काल विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विभाग ने बैंकों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को भेजे ईमेल में नकदी भरने में आ रही दिक्कतों के कारणों और उन्हें दूर करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी अनिवार्य रूप से देने का निर्देश दिया। यह कदम अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एटीएम सेवाओं के बुरी तरह प्रभावित होने की आशंकाओं के बीच उठाया गया है, जहां प्रत्यक्ष हस्तांतरणलाभार्थियों के लिए नकदी पर निर्भरता अधिक है। एटीएम उद्योग परिसंघ ने पिछले सप्ताह भारतीय बैंक संघ को आगाह किया था कि नकदी की उपलब्धता समस्या बनती जा रही है, जिससे देश भर में एटीएम सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को नकदी कमी होने पर तुरंत आपूर्ति का आश्वासन दिया था। हालांकि, बैंकरों के अनुसार, एटीएम में नकदी खत्म होने पर बैंकों को भी लागत वहन करनी पड़ती है। आरबीआई के अक्टूबर 2021 के नियमों के अनुसार, यदि कोई एटीएम महीने में 10 घंटे से अधिक समय तक नकदी से खाली रहता है (10,000 रुपए या उससे कम), तो संबंधित बैंकों/ऑपरेटरों पर जुर्माना लगता है। व्हाइट-लेबल एटीएम के मामले में, जुर्माने का भुगतान पहले कैश मुहैया कराने वाला बैंक करता है, जिसे ऑपरेटर से वसूला जाता है।

एफपीआई को कर छूट, वैश्विक बॉन्ड सूचकांक में भारत की दावेदारी मजबूत

सरकार का फैसला ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में सॉवरिन बॉन्ड के शामिल होने की संभावना बढ़ाएगा

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) से होने वाले ब्याज और पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट देकर वैश्विक बॉन्ड बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस निर्णय से भारतीय सॉवरिन बॉन्ड के ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में शामिल होने की संभावना काफी बढ़ गई है, जिसकी समीक्षा इस महीने के मध्य में प्रस्तावित है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब जनवरी में ब्लूमबर्ग सर्विसेज इंडेक्स (बीआईएसएल) ने परिचालन और बाजार ढांचे से जुड़े मुद्दों का हवाला देते हुए भारत के सरकारी बॉन्ड को अपने वैश्विक सूचकांक में शामिल करने का फैसला टाल दिया था। सूत्रों ने बताया कि बॉन्ड बाजार को सुदृढ़ बनाना सरकार की मुख्य नीतिगत प्राथमिकता बनी हुई है। सरकार यह समझती है कि एक व्यापक और अधिक लिक्विड बॉन्ड बाजार के लिए घरेलू बैंकों और बीमा कंपनियों जैसे निवेशकों तक सीमित न रहकर वैश्विक संस्थागत निवेशकों को आकर्षित करना आवश्यक है। ये निवेशक लंबे समय के लिए निवेश करते हैं और अधिक जोखिम उठाने की क्षमता के साथ बड़ी मात्रा में स्थिर पूंजी उपलब्ध कराते हैं। पहले, एफपीआई की ब्याज और पूंजीगत प्राप्तियों से होने वाली कमाई पर कर नियमों की वजह से सरकारी बॉन्ड पर कर के बाद मिलने वाला रिटर्न कम हो जाता था, जो अन्य उभरते बाजारों की तुलना में भारत को कम प्रतिस्पर्धी बनाता था। इस संरचनात्मक नुकसान को दूर करना जरूरी था। बार्कलेज के विश्लेषकों ने इस कर छूट को महत्वपूर्ण बताया है और कहा है कि इस कदम से भारत की वास्तविक यील्ड में सुधार होगा। बार्कलेज ने कहा` कि सबसे अहम बात यह है कि इससे बॉन्ड सूचकांक में शामिल होने में आ रही संरचनात्मक बाधा भी दूर होती है। विश्लेषकों का मानना है कि पूर्ण पहुंच मार्ग (एफएआर) के विस्तार और निवेश से जुड़ी पाबंदियों में ढील को सूचकांक प्रदाता सकारात्मक रूप से देख सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस कर सुधार का मुख्य मकसद भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेश के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और निवेशक-अनुकूल माहौल देना, सॉवरिन बॉन्ड बाजार को मजबूत करना और वैश्विक सूचकांक में भारत की दावेदारी को मजबूती प्रदान करना है।

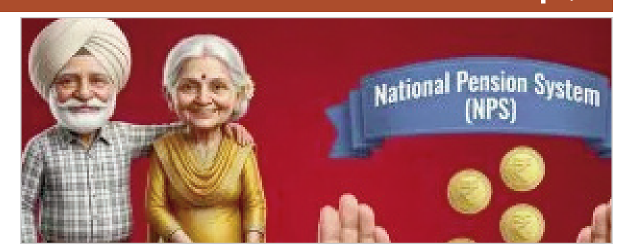

अदाणी पोर्ट्स को अर्जेंटीना में 10 साल का एलएनजी निर्यात ठेका

समुद्री सेवाओं के अनुबंध से दक्षिण अमेरिका में प्रवेश, वैश्विक पहुंच का विस्तार

नई दिल्ली ।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने अर्जेंटीना की पहली तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) निर्यात परियोजना के लिए 10 वर्ष का समुद्री सेवाओं का महत्वपूर्ण ठेका हासिल किया है। इस डील के साथ ही एपीएसईजेड ने दक्षिण अमेरिकी बाजार में प्रवेश कर अपनी अंतरराष्ट्रीय समुद्री सेवाओं के दायरे को मजबूती से बढ़ाया है। यह ठेका एपीएसईजेड की अनुषंगी अदाणी हार्बर इंटरनेशनल एफजेडसीओ को मेरिडियन ग्रुप के संघ के माध्यम से मिला है। इसका निष्पादन 51-49 के संयुक्त उद्यम मेरिडियन ट्रांसपोर्टेस मैरिटिमोस एसए द्वारा होगा। यह अनुबंध दक्षिणी एनर्जी एसए (एसईएसए) द्वारा आयोजित वैश्विक प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के बाद प्राप्त हुआ है। एपीएसईजेड के एक वेरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह अनुबंध अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा लॉजिस्टिक्स में कंपनी की मजबूत उपस्थिति और विशेषीकृत समुद्री सेवाओं में बढ़ती क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने जटिल समुद्री वातावरण में अपनी गहरी परिचालन विशेषज्ञता को नए ऊर्जा व्यापार गलियारों और दीर्घकालिक आपूर्ति स्थिरता के लिए अहम बताया। कंपनी ने कहा कि अर्जेंटीना एक प्रमुख नए एलएनजी आपूर्तिकर्ता के रूप में उभर रहा है, जहां से 2027 से भारत को प्रति वर्ष एक करोड़ टन तक एलएनजी निर्यात के समझौते हुए हैं। सदर्न एनर्जी एफएलएनजी परियोजना इस बढ़ती आपूर्ति को वैश्विक मांग केंद्रों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पेट्रोल से 20 रुपए सस्ता नया ई85 फ्यूल

नई दिल्ली ।

बढ़ती ईंधन कीमतों और कच्चे तेल पर निर्भरता घटाने के लिए केंद्र सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दिल्ली में आधिकारिक तौर पर ई85 फ्यूल लॉन्च किया है, जो सामान्य पेट्रोल से लगभग 20 रूपए प्रति लीटर सस्ता है। दिल्ली में इसे मात्र 82.12 रुपए प्रति लीटर की किफायती कीमत पर पेश किया गया है, जबकि सामान्य पेट्रोल 100 रुपए के पार है। ई85 एक हाई इथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल है, जिसमें 80-85 फीसदी एथेनॉल होता है। इसे गन्ने, मक्के और कृषि अवशेषों से तैयार किया जाता है, जो इसे स्वदेशी और पर्यावरण के अनुकूल बनाता है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य भारत की विदेशी कच्चे तेल पर निर्भरता कम करना और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना है। हालांकि, यह समझना महत्वपूर्ण है कि ई85 फ्यूल आपकी मौजूदा साधारण पेट्रोल कार या बाइक के लिए नहीं है। इसे विशेष रूप से फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए डिजाइन किया गया है, जो इस नए ईंधन के साथ संगत होते हैं। सरकार की यह पहल देश की ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण दोनों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

अमेजन जल्द बनेगा क्विक कॉमर्स का सरताज

100 शहरों तक विस्तार की योजना

नई दिल्ली ।

अमेजन इंडिया ने देश के तेजी से बढ़ते क्विक कॉमर्स बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति स्थापित करने का दृढ़ विश्वास जताया है। कंपनी के एक वेरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्राइम प्रोग्राम और व्यापक उत्पाद श्रृंखला के दम पर अमेजन जल्द ही इस क्षेत्र में शीर्ष पर होगी।

कंपनी के अधिकारी ने कहा कि कंपनी त्वरित वाणिज्य को व्यापक ऑनलाइन खुदरा बाजार के भीतर एक गति समीकरण के रूप में देखती है। उन्होंने जोर दिया कि अमेजन प्रतिस्पर्धी-केंद्रित नहीं बल्कि ग्राहक-केंद्रित है, और भारत में 13 वर्षों में विकसित की गई व्यापक उत्पाद उपलब्धता तथा बड़ी ई-कॉमर्स क्षमता उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

कंपनी का क्विक कॉमर्स मंच अमेजन नाउ वर्तमान में 12 से अधिक शहरों में संचालित है और इसे 100 से अधिक शहरों तथा 1,000 'माइक्रो-फुलफिलमेंट सेंटर' तक विस्तारित करने की योजना है। कंपनी का कारोबार मासिक आधार पर 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर रहा है, और प्राइम सदस्य अन्य ग्राहकों की तुलना में तीन गुना अधिक खरीदारी कर रहे हैं।

तेज आपूर्ति और उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव से प्रेरित भारत का क्विक कॉमर्स बाजार डिजिटल अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। इस क्षेत्र में अन्य प्रमुख खिलाड़ी भी आक्रामक निवेश कर रहे हैं। अमेजन ने 2030 तक भारत में 35 अरब डॉलर के अतिरिक्त निवेश की घोषणा की है, जो व्यापार विस्तार, कृत्रिम मेधा और रोजगार सृजन पर केंद्रित होगा।

इजराइल-ईरान में फिर तनाव, तेल बाजार में 3 फीसदी का उछाल

- इजराइल-ईरान सैन्य कार्रवाई से नाजुक युद्धविराम खतरे में, ब्रेंट क्रूड 96 डॉलर पार

नई दिल्ली ।

मध्य पूर्व में इजराइल और ईरान के बीच बढ़ती सैन्य टकराव ने अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में हलचल मचा दी है। रविवार देर रात बाजार खुलते ही कच्चे तेल की कीमतों में 3 फीसदी का उछाल देखा गया, जो क्षेत्र के नाजुक युद्धविराम के टूटने की आशंका को दर्शाता है। यह ताजा संघर्ष वैश्विक निवेशकों और तेल कारोबारियों की चिंता बढ़ा रहा है। ईरान ने रविवार को इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर अप्रैल में लागू युद्धविराम को तोड़ दिया। यह कार्रवाई इजराइल द्वारा लेबनान की राजधानी बेरूत में हिज़्बुल्लाह ठिकानों पर किए गए हवाई हमले के कुछ समय बाद हुई। इजराइल का दावा है कि उसने ईरान समर्थित हिज़्बुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया था। इन ताजा सैन्य झड़पों ने मध्य पूर्व में बड़े संघर्ष की आशंका को फिर से बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक निवेशक चिंतित हैं। इस बढ़ते तनाव का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर पड़ा है। रविवार देर रात बाजार खुलते ही कच्चे तेल की कीमतों में 3 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई।

अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 96 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी 93 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। जानकारों का कहना है कि आपूर्ति बाधित होने से ईंधन की कीमतें और बढ़ेंगी, जिससे दुनिया भर में महंगाई चरम पर पहुंच सकती है।

रील्स सिर्फ मनोरंजन नहीं, अब शॉपिंग का भी नया अड्डा- रिपोर्ट

81 फीसदी भारतीय रील्स से पाते हैं नए प्रोडक्ट्स की जानकारी

मुंबई ।

भारत में शॉर्ट वीडियो कंटेंट, खासकर इंस्टाग्राम रील्स अब सिर्फ टाइमपास का जरिया नहीं रहा। सोशल मीडिया दिग्गज मेटा और रिसर्च एजेंसी इप्सॉस की एक नई ज्वॉइंट स्टडी ने खुलासा किया है कि रील्स लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी और शॉपिंग के तरीकों को गहराई से प्रभावित कर रही हैं। यह बदलता ट्रेंड शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों के उपभोक्ताओं पर समान रूप से दिख रहा है। मेटा और इप्सॉस द्वारा देश के 23 शहरों और ग्रामीण इलाकों के 4,000 से अधिक लोगों पर किए गए इस अध्ययन के मुताबिक, रील्स अब सीधे तौर पर भारतीय उपभोक्ताओं की जेब और ई-कॉमर्स को प्रभावित कर रही हैं। रिपोर्ट बताती है कि 81 फीसदी लोग किसी भी नए प्रोडक्ट या ब्रांड की पहली जानकारी रील्स के जरिए ही हासिल करते हैं। इतना ही नहीं, 66 फीसदी लोग खरीदारी से पहले रील्स पर प्रोडक्ट का रिव्यू या कंटेंट चेक करते हैं, और चौंकाने वाली बात यह है कि 47 फीसदी लोग रील देखने के बाद ही उस सामान को खरीदने का अंतिम फैसला लेते हैं। यह डिजिटल क्रांति खासकर युवा पीढ़ी पर सबसे ज्यादा असर डाल रही है, जहां 89त्न जेन-जी यूजर्स हर दिन रील्स देखते हैं और इनमें से 84 फीसदी रील्स के माध्यम से नए प्रोडक्ट्स की खोज करते हैं। ग्रामीण इलाकों में भी यह क्रेज बढ़ रहा है; जहां 94 फीसदी लोग रोजाना वीडियो देखते हैं और 73 फीसदी ग्रामीण यूजर्स ने रील्स के जरिए नए ब्रांड्स के बारे में जाना है। सिर्फ फैशन या ब्यूटी ही नहीं, ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी रील्स का प्रभाव है। 82 फीसदी लोग नई कारों और बाइक्स को खोजने के लिए मेटा प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करते हैं, और रील्स का असर खरीदारी के अंतिम फैसले में 50 फीसदी तक देखा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2026 तक भारतीय यूजर्स इंस्टाग्राम रील्स पर ब्यूटी, मेकअप और फैशन से जुड़ा कंटेंट सबसे ज्यादा देखना पसंद करेंगे।

क्रिएटर्स के लिए भी अच्छी खबर है, क्योंकि इंस्टाग्राम रील्स अन्य शॉर्ट वीडियो ऐप्स के मुकाबले 60 फीसदी ज्यादा एंगेजमेंट प्रदान करता है। मेटा इंडिया का कहना है कि अब ब्रांड्स के लिए कंटेंट और व्यापार को एक साथ जोड़कर चलना बेहद जरूरी हो गया है।

मई में वाहन बिक्री ने तोड़े रिकॉर्ड, ईंधन कीमतों के बावजूद 9.55 फीसदी की वृद्धि

यात्री वाहन, दोपहिया, तिपहिया और ट्रैक्टर श्रेणियों में अब तक की सर्वाधिक बिक्री

नई दिल्ली ।

देश में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री मई 2026 में रिकॉर्ड 25.31 लाख इकाई पर पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.55 फीसदी की वृद्धि दर्ज करती है। ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन्स (फाडा) ने सोमवार को बताया कि ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद यह उछाल आया, जो भारतीय ऑटो बाजार की मजबूत मांग को दर्शाता है। फाडा के आंकड़ों के अनुसार, मई में यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री 23.25 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 4,02,591 इकाई रही। दोपहिया वाहनों की बिक्री भी 7.54 फीसदी की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 18,44,947 इकाई दर्ज की गई। तिपहिया और ट्रैक्टर श्रेणियों ने भी अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज करते हुए ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। उपभोक्ताओं की बढ़ती रुचि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर भी स्पष्ट रूप से दिख रही है, जिसकी हिस्सेदारी दोपहिया सेगमेंट में बढ़कर 9.25 फीसदी हो गई है, जो पिछले वर्ष 6.11 फीसदी थी। फाडा ने बताया कि अत्यधिक गर्मी और ईंधन की ऊंची कीमतों जैसी चुनौतियों के बावजूद भारतीय मोटर वाहन खुदरा बाजार में वृद्धि जारी रही। उन्होंने कहा कि तिपहिया, यात्री वाहन, ट्रैक्टर और कुल पंजीकरण में मई 2026 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखा गया। जून 2026 के लिए फाडा ने संतुलित लेकिन सतर्क रूप से आशावादी दृष्टिकोण व्यक्त किया है। मानसून की प्रगति और ग्रामीण नकदी प्रवाह को मांग का मुख्य कारक माना गया है, हालांकि अल्पकालिक लागत दबाव बने रहने की आशंका है। डीलरों में से आधे से अधिक ने वृद्धि की उम्मीद जताई है, जबकि 39.90 फीसदी ने बाजार को स्थिर रहने का अनुमान लगाया है।

अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उलगुलान करने वाले धरती आवा बिरसा मुंडा

कुमार कृष्णन

बिरसा मुंडा अपना पूरा जीवन जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए समर्पित किया और अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान से आदिवासी सभ्यता की रक्षा कर, अपना अमूल्य योगदान दिया। वे भारत के एक महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

नौ जून बिरसा मुंडा का वलिदान दिवस है। उन्होंने अपना पूरा जीवन जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए समर्पित किया और अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान से आदिवासी सभ्यता की रक्षा कर, अपना अमूल्य योगदान दिया। वे भारत के एक महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

धरती आबा बिरसा मुंडा का उलगुलान भूमि से लेकर धर्म सम्बन्धी तमाम समस्याओं के खिलाफ जनसंघर्ष था तथा उन समस्याओं के खिलाफ राजनीतिक समाधान का प्रयास भी। वह आदिवासी और खासकर मुंडा समाज की आंतरिक बुराईयों और कमजोरियों को दूर करने का सामूहिक अभियान भी था। समाज की परंपरागत प्रकृति निर्भर तत्व ने आर्थिक समाजवाद की अवधारणा को बिरसा के अंदर जागृम किया। गांधी से पहले गांधी की अवधारणा के तत्व के उभार के पीछे भी बिरसा का समाज एवं पड़ोस के सूक्ष्म अवलोकन एवं उसे नयी अतंर्दृष्टि देने का तत्व ही था। तभी तो उन्होंने गांधी के समान समस्याओं को देखा.-सुना, फिर चिंतन-मनन किया। उन्होंने मुंडा समाज को पुनर्गठित करने का जो प्रयास किया, वह अंग्रेजी हुकूमत के लिये विकराल चुनौती बनी। नये बिरसाइत धर्म की स्थापना की तथा लोगों कों नई सोच दी, जिसका आधार सात्विकता, आध्यात्मिकता, परस्पर सहयोग, एकता व बंधुता था। समस्या के कारणों को ढूढ़ 'गोरों वापस जाओह्न का नारा दिया एवं परंपरागत लोकतंत्र की स्थापना पर वल दिया, ताकि शोषणमुक्त ह्य आदिम साम्यवाद' की स्थापना हो सके। उन्होंने कहा -'महारानी राज जाएगा एवं अबुआ राज आएगा।

1857 के गदर शांत होने के बाद सरदार आंदोलन संगठित जनांदोलन के रूप में शुरू हो गया। 1858 से भूमि आंदोलन के रूप में विकसित यह आंदोलन 1890 में राजनीतिक आंदोलन में तब्दील हो गया, जब बिरसा मुंडा ने इसकी कमान संभाली। बिरसा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को खूंटी जिले के अड़की प्रखंड के उलिहातु गांव में हुआ था। व्यक्तित्व निर्माण और तालीम ईसाई मिशनरियों के संरक्षण में हुई। स्कूली शिक्षा के दौरान बिरसा में विद्रोह के लक्षण प्रकट होने लगे। आदिवासियों में भूतकेता पहनाई आदि की परंपरा है। वे धार्मिक कृत्यों के लिये जमीन छोड़ते हैं। उस समय ईसाई पादरी उस जमीन पर मिशन का कब्जा करने की कोशिश करते थे। बिरसा ने इसकी शिनाख्त ईसाई मिशनरियों और गोरों की साजिशों के रूप में की और इसकी वेबाक ढंग से आलोचना की, जिस कारण वे स्कूल से निकाल दिये गये। इसके बाद वे सरदार आंदोलन में शमिल हो गये। ईसाई मिशन की सदस्यता छोड़ 1890-91 से करीब पांच साल तक वैष्णव संत आनंद पांड से हिन्दुओं के वैष्णव पंथ के आचार का ज्ञान प्राप्त किय और व्यक्तिक तथा सामाजिक जीवन पर धर्म के प्रभाव का मनन किया। परंपरागत धर्म की ओर उनकी वापसी हुई और उन्होंने धर्मोपदेश देना तथा धर्माचरण का पाठ पढ़ाना शुरू किया । ईसाई धर्म छोड़नेवाले सरदार बिरसा के अनुयायी बनने लगे। बिरसा का पंथ मुडा जनजातीय समाज के पुनर्जागरण का जरिया बना । उनका धार्मिक अभियान प्रकारांतर से आदिवासियों को अंग्रेजी हुकूमत और ईसाई मिशनरियों के विरोध में संगठित होकर आबाज बुलंद करने को प्ररित करने लगा। उस दौर उनकी लोकप्रियता इस कदर परवान चढ़ी कि उनके अनुयायी 'बिरसाइत' कहलाने लगे। उन्होंने सादा जीवन उच्च विचार अपनाने का उपदेश दिया और मुंडा समाज में व्याप्त अंधविश्वासों और कुरितियों पर जमकर प्रहार किया । वह जनेउ, खड़ाउ और हल्दी रंग की धोती पहनने लगे। उन्होंने कहा कि ईश्वर एक है और वह है सिंगवोंगा। भूत-प्रेत की पूजा और बलि देना निरर्थक है।सार्थक जीवन के लिये सामिष भोजन अथवा मांस-मछली

का त्याग करना जरूरी है। हड़िया पीना बंद करना होगा।

बिरसा के लोकप्रिय व्यक्तित्व के कारण सरदार आंदोलन में नई जान आ गयी। अगस्त 1895 में वन सम्बन्धी बकाये की माफी का आंदोलन चला। उसका नेतृत्व बिरसा ने किया। धर्मिक आधारों पर एकजूट बिरसइतो का संगठन जुझारू सेना की तरह मैदान मे उतर गया। बकाये की माफी के लिये उन्होंने चाईवासा तक की यात्रा की तथा रैयतों को एकजुट किया। अंग्रेजी हुकूमत ने बिरसा की मांग को ठुकरा दिया। बिरसा ने भी ऐलान कर दिया कि -' सरकार खत्म हो गयी। अब जंगल जमीन पर आदिवासियों का राज होगा। 9 अगस्त 1895 को चलकद में पहली बार बिरसा को गिरफ्तार किया गया, लेकिन उनके अनुयायियों ने उन्हे छुड़ा लिया।16 अगस्त 1895 को गिरफतार करने की योजना के साथ आये पुलिस वल को बिरसा के नेतृत्व में सुनियोजित ढ़ंग से घेरकर खदेड़ दिया। इससे बौखलाई अंग्रेजी हुकूमत ने 24 अगस्त 1895 को पुलिस अधीक्षक मेयर्स के नेतृत्व में पुलिस वल चलकद रवाना किया तथा रात के अंधेरे में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर यह आरोप लगाया गया कि लोगों को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विद्रोह करने के लिये उकसा रहे थे। मुंडा और कोल समाज ने बिरसाइतों के नेतृत्व में सरकार के साथ असहयोग करने का ऐलान कर दिया। व्यापक विरोध के कारण मुकदमा चलाने का स्थान रांची से बदलकर खूंटी कर दिया गया, लेकिन विरोध के तेवर में फर्क नहीं पड़ने के कारण मुकदमें की कार्रवाई रोककर तुरंत जेल भेज दिया गया। भाद्रवि की धारा 505 के तहत मुकदमा चला तथा उन्हें दो साल सश्रम कारावास की सजा सुनायी गयी। उन्हें रांची से हजारीबाग जेल भेज दिया गया। 1997 में झारखंड में भीषण अकाल पड़ा तथा चेचक की महामारी भी फैली। आदिवासी समाज बिरसा के नेतृत्व के अभाव में भी दमन-शोषण, अकाल तथा महामारी से एकसाथ जूझता रहा। 30 नवम्बर 1897 को बिरसा जेल से छुटे तथा चलकद लौटकर अकाल तथा महामारी से पीड़ित लोगों की सेवा में जुट गये। उनका यह कदम अपने अनुयायियों को संगठित करने का आधार बना। फरबरी 1898 में डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडारी क्षेत्र से आये मुंडाओं की सभा में उन्होंने आंदोलन की नई नीति की घोषणा की तथा खोये राज्य की वापसी के लिये धर्म तथा शांति का मार्ग अपनाने का आह्वान किया। उनके अभियान के तहत सामाजिक तथा सांस्कृतिक पक्ष को केन्द्र में रखकर आदिवासी समाज को मजबूत तथा संगठित करने का सिलसिला जारी रहा। 1889 के अंत में यह अभियान रंग लाया और अधिकार हासिल करने, खोये राज्य की प्राप्ति का लक्ष्य, जमीन को मालगुजारी से मुक्त करने तथा जंगल के अधिकार को वापस लेने के लिये व्यापक गोलवंदी ष्शुरू हुई। कोलेबिरा, बानो लोहरदग्गा, तोरपा, कर्रा, बसिया, खूंटी, मुरहु, बुंडु, तमाड़, पोड़ाहाट, सोनाहातु आदि स्थानों पर बैठक हुई।24 दिसम्बर 1899 को रांची के तोरपा, खूंटी, तमाड़ बसिया, आदि से लेकर सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर थाने तक में विद्रोह की आग भड़क उठी विद्रोह के दमन के लिये सिहभूम से रांची तक 500 बर्गमील क्षेत्र में सेना और पुलिस की कम्पनी बुलाकर बिरसा की गिरफ्तारी का अभियान तेज किया गया। सरदारों पर हमला करने और आंदोलन का साथ देनेवालो मुंडा- मानकियों को गिरफ्तार करने व आत्मसमर्पण न करनेवाले विद्रोहियों की घर -सम्पत्ति कुर्क करने की योजना को अमलीजामा पहनाया जाने लगा। सरकार ने बिरसा की सूचना देनेवालों और गिरफ्तारी में मदद देनेवालों मुंडा या मानकी को पांच सौ रुपयें पुरस्कार देने का ऐलान किया। बावजूद इसके बिरसा को गिरफ्तार नहीं कर पायी। बिरसा ने आंदोलन की रणनीति बदली, साठ स्थानों पर संगठन के केन्द्र बने। डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडाओं की बैठक में 'उलगुलान' का ऐलान किया गया। बिरसा के इस आंदोलन की तुलना आजादी के आंदोलन में बहुत बाद 1942 के अगस्त क्रांति के काल से की जा सकती है। 1942 में महात्मा गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था।

बिरसा के नेतृत्व में अफसरों, पुलिस, अंग्रेज सरकार के संरक्षण में पलनेवाले जमींदारों और महाजनों को निशाना बनाया गया। खूंटी, तोरपा, बसिया, तमाड़, सबार्दा, मुरहू, चक्रणरपुर, पोड़ाहाट रांची और सिंहभूम में गोरिल्ला युद्ध ने हुकूमत की चूलें हिला दी। आंदोलन को कुचलने के लिये रांची और सिंहभूम को सेना के हवाले कर दिया गया। 8 जनबरी 1900 को डोम्बारी पहाड़ियों पर जमी बिरसाइत के जत्थे पर सेना ने आक्रमण कर दिया तथा युद्ध के दौरान लगभग 200 मुंडा मारे गये। सैलरकब पहाड़ी पर भी संघर्ष हुआ। इसके बाद भी बिरसा पकड़ में नहीं आये। आंदोलन की रणनीति के तहत अपने आंदोलन के केन्द्र बदले तथा घने जंगलों में संचालन के केन्द्र बनाये गये। जमकोपाई तथा पोड़ाहाट के जंगलों संगठन तथा प्रशिक्षण के कैंप बनाये गये। 3 फरवरी 1900 को सेंतरा के पश्चिम जंगल में बने शिबिर से बिरसा को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे गहरी नींद मे सोये हुए थे। पुलिस के भारी बंदोबस्त के साथ उन्हें तत्काल खूटी के रास्ते रांची कारागार लाकर बंद कर दिया गया। बिरसा के साथ अन्य 482 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ 15 आरोप दर्ज किये गये। शेष अन्य गिरफ्तार लोगों में सिर्फ 98 के खिलाफ आरोप सिद्ध हो पाया। बिरसा के विश्वासी गया मुडा और उनके पुत्र सानरे मुंडा को फांसी दी गयी। गया मुंडा की पत्नी मांकी को दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा दी। मुकदमें की सुनवाई के शुरूआती दौर में उन्होंने जेल में भोजन करने के प्रति अनिच्छा जाहिर की। अदालत में तवियत खराब होने की बजह से जेल वापस भेज दिया गया। 1 जून को जेल अस्पताल के चिकित्सक ने सूचना दी कि बिरसा को हैजा हो गया है और उनके जीवित रहने की संभावना नहीं है। 9 जून 1900 की सुबह सूचना दी गयी कि बिरसा नहीं रहे ।इस तरह एक क्रांतिकारी जीवन का अंत हो गया। बिरसा के संघर्ष के परिणामस्वरूप छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 बना। जल , जंगल और जमीन पर पारंपरिक अधिकार की रक्षा के लिये शुरू हुए आंदोलन एक के बाद एक श्रृंखला में गतिमान रहा तथा इसकी परिणति अलग झारखंड राज्य के रूप में हुई, लेकिन अबुआ दिशुम का सपना साकार नहीं हो सका।

बिरसा के द्वारा स्थापित बिरसाइत पंथ आज भी कायम है।खूंटी जिला मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर जंगल के बीच बिरसाइतों का गांव है अनिगड़ा। बिरसाइत सम्प्रदाय से जुड़े लोग मांस मछली नहीं खाते हैं, तुलसी की पूजा करते हैं। पहनने में सूती बस्त्र का इस्तेमाल करते हैं तथा नशे से दूर रहते है। हिंसा से दूर रहकर अहिंसा का पालन करते है। अनगड़ा में ही उदय मुडा को फांसी दी गयीं। कभी इस गांव में बिरसाइतों की संख्या 50 थी। अब ये नाममात्र के रह गये हैं। ये अपनी गरीबी और मुश्किलों से नाराज नहीं है, पर सरकारी उपेक्षा से ज्यादा दुखी है। यदि अंग्रेजों ने शोषण किया तो आजाद भारत की सरकार ने भी कम धोखा नहीं दिया। आजादी के बाद भी लगान- सूद से मुंडाओं को मुक्ति नहीं मिली। जल,जंगल,जमीन पर अधिकार नहीं मिला। अबुआ दिशुम का सपना पूरा नहीं हुआ। आज भी आदिवासियों की जल, जंगल, जमीन छीनी जा रही है। अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को विस्थापन के खिलाफ आवाज उठाने पर नक्सलवादी का ठप्पा लगाकर गोली मारी जा रही है। भूमाफियाओं द्वारा खुलेआम जमीन हड़पी जा रही है और आदिवासी समाज को समान वर्ग में परिवर्तित करने का षड्यंत्र चल रहा है। बफर जोन, वन सौंदर्यकरण, सिंचाई परिसर और बांधों के नाम पर पांचवीं अनुसूची क्षेत्र से आदिवासियों का कौड़ी के मोल मुआवजे देकर विस्थापन किया जा रहा है।अबुआ दिशुम-अबुआ राईज मात्र नारा बनकर रह गया। सीएनटी-एसपीटी एक्ट और संविधान प्रदत्त पांचवीं अनुसूची, पेसा कानून, वनाधिकार कानून तथा न्यायिक निर्णय समता जजमेंट आदि मुद्दों पर राज्य गठन होने के बाद जो सार्थक प्रयास केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा होना चाहिए, वो अब तक दिखाई नहीं दे रहा है।

वर्तमान दौर का समय कहीं ज्यादा प्रतिकूल है। भारत में अधिकांश विकास परियोजना संविधान की पांचवीं अनुसूची वाले आदिवासी क्षेत्रों में स्थापित की जा रही है ।क्योंकि संसाधनों के मामले में आदिवासी क्षेत्र समृद्ध रहा है और अब भी है । इस इलाके में देश का 71 फीसदी जंगल, 92 फीसदी कोयला, फीसदी बाक्साइट, 78 फीसदी लोहा, 100 फीसदी युरेनियम, 85 फीसदी तांबा, 65 फीसदी डोलोमाइट इत्यादि की भरमार है ।भारत के जल स्रोत का 70 फीसदी जल आदिवासी इलाके में है तथा करीब फीसदी उधोग के लिए कच्चा माल इन्ही क्षेत्रों से मिलता है ।यह प्रकृति की ओर से मिला वरदान है ।लेकिन यही वरदान इनके लिए चुनौती भी है, क्योंकि इन्ही संसाधनों की लूट और कब्जे को लेकर देश और दुनिया के कार्पोरेट की गिद्ध दृष्टि लगी है । इन संसाधनों पर काबिज होने की प्रक्रिया काफी तेज हो गया है। द्रुत गति से बढ़ रही कथित विकास परियोजनाओं से होने वाले विस्थापन का सामाधान निकालने के लिए अबतक कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। तेजी से बढ़ते विस्थापन की सबसे अधिक मार देश के आदिवासी पर पड रही है।

संपादकीय

प्रतिरोध के तेवर

मुख्य न्यायाधीश की कॉकरोच वाली टिप्पणी के प्रतिरोध में व्यंग्यात्मक रूप में अस्तित्व में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने आखिरकार आभासी दुनिया से निकलकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर दस्तक दे ही दी। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के दिल्ली पहुंचने और हजारों युवाओं की भागीदारी के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन समाप्त हो गया। सीजेपी का आरोप है कि नीट परीक्षा रद्द होने के बाद कई छात्रों ने आत्महत्या की है। पिछले दिनों सीजेआई द्वारा 'फेक डिग्री वाले युवाओं' की तुलना कॉकरोच से करने के बाद ऑनलाइन व्यंग्यात्मक आंदोलन के जमीन पर उतरने और विपक्षी दलों के समर्थन ने निश्चय ही सरकार की चिंता बढ़ाई है। ऑनलाइन मूवमेंट को लाखों युवाओं का समर्थन मिलने के बाद सरकार ने पहले सख्ती भी दिखायी थी। जंतर-मंतर के प्रदर्शन के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार को सात दिन का समय देने की बात कही। साथ ही इसे महज एक ट्रेलर बताया है। उनकी दलील थी कि यह पार्टी योजनाबद्ध नहीं, स्वतःस्फूर्त पार्टी है और सरकार से नाराज हर छात्र की आवाज बनेगी। पार्टी ने देश में युवाओं को रोजगार न मिलने का आरोप भी लगाया। पार्टी का मानना है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था सुधारने में तो नाकाम रही ही है, लेकिन उन परीक्षाओं को भी पारदर्शी ढंग से आयोजित नहीं कर पा रही है, जो देश के लाखों युवाओं का भविष्य तय करते हैं। यह भी कि व्यवस्था की विफलता से लाखों युवाओं के सपने टूटे हैं, जो अब कॉकरोच को प्रतिरोध का प्रतीक बनाकर विरोध जता रहे हैं। राजनीति के पंडित जंतर-मंतर में सीजेपी को प्रदर्शन के लिये अनुमति दिए जाने पर हैरानी जता रहे हैं। उनका मानना है कि पड़ोसी देशों में जेन जी पर हुई सख्ती के बाद उग्र होने वाले आंदोलन सरकार को याद आए हैं, यही वजह है कि उसने कुछ उदारता बरती है। साथ ही यह भी कोशिश है कि देश के लाखों परिवारों से जुड़ा पेपर लीक का गुस्सा किसी तरह शांत हो जाए। यूं तो विषम आर्थिक परिस्थितियों में बेरोजगारी तो बढ़ी है, साथ ही रोजगार देने वाली व्यवस्था की विफलता देश के युवाओं को अशांत कर रही है। वे अपने भविष्य को लेकर खासे चिंतित हैं। इसीलिए शिक्षा और रोजगार देने वाली व्यवस्था का मुद्दा युवाओं को प्रभावित कर रहा है। विपक्षी राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि यह आंदोलन युवा अशांति,जवाबदेही और असहमति की स्वतंत्रता का प्रतीक बन रहा है। तभी युवाओं ने हेय दृष्टि से देखे जाने वाले जीव कॉकरोच यानी तिलचट्टे को जीवटता के प्रतीक के रूप में परिभाषित किया है। यह बताने की कोशिश कि मुश्किल हालात में भी वे अपनी बात को रखते रहेंगे। युवाओं का मानना है कि पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अंकुश लगाना डिजिटल लोकतंत्र को नियंत्रित करने का प्रयास है। युवाओं की मांग है कि स्वस्थ लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त असहमति को शांतिपूर्ण ढंग से स्वीकार किया जाए। कहा जा रहा है कि कॉकरोच आंदोलन ने लोकतंत्र के सभी हितधारकों मसलन राजनीतिक वर्ग, नौकरशाही, न्यायपालिका तथा मीडिया को आत्मनिरीक्षण का मौका दिया है।

सूक्ति

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है।
- रविन्द्रनाथ टैगोर

पुरुष की सिगरेट से लेकर टायर तक में वह दख़ल देती है।
- हरिशंकर परसाई

कांग्रेस पार्टी में कुर्सी की जिद, बगावती बुढ़ापा और बिखरी साख

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति का एक सीधा सा नियम है। एक समझदार नेता वह नहीं है जिसे सिर्फ आगे बढ़ना आता हो, बल्कि वह है जिसे यह पता हो कि कब और कितनी इज्जत के साथ दो कदम पीछे हट जाना है। आज की आपाधापी और कुर्सी से चिपके रहने की राजनीति के बीच, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जो समझदारी दिखाई है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने देश के बाकी बुजुर्ग नेताओं को एक ऐसा सधा हुआ संदेश दिया है, जो न सिर्फ उनकी इज्जत को बढ़ाता है बल्कि दूसरों के लिए एक सबक भी है।राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि पार्टी अब शायद दिग्विजय सिंह को दोबारा राज्यसभा नहीं भेजेगी। अमूमन ऐसे मोड़ पर बड़े-बड़े नेता या तो बगावत पर उतर आते हैं या फिर कोने में बैठकर नाराजगी जताने लगते हैं। लेकिन दिग्गी राजा ने जिस अक्लमंदी से अपनी साख और सम्मान को बनाए रखा है, वह उनकी राजनीतिक परिपक्वता को दिखाता है। लोकतंत्र में कोई उनकी विचारधारा से अलग सोच रख सकता है, लेकिन उनकी राजनीतिक समझ और सही टाइमिंग के मामले में वे आज भी बेजोड़ हैं। वे जानते हैं कि जब हवा का रुख बदल रहा हो, तो खुद को कैसे संभाला जाता है। पद पर न रहकर भी संगठन में अपनी साख को कैसे बरकरार रखा जाता है, यह कला दिग्विजय सिंह ने बखूबी दिखाई है। इसके ठीक उलट, जब हम मध्य प्रदेश की राजनीति में उनके ही समकालीन नेता कमलनाथ को देखते हैं, तो स्थिति बिल्कुल विपरीत नजर आती है। पार्टी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की जगह कमलनाथ पर भरोसा जताकर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी। लेकिन अपनी जिद और कुंठा के कारण कमलनाथ ने न सिर्फ सरकार गंवाई, बल्कि धीरे-धीरे प्रदेश में अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। हाल ही में एक राज्यसभा सीट के लिए दिल्ली से भोपाल तक की गई उनकी भागमभाग को सबने देखा। इतनी दौड़-धूप करने के बाद भी अंत में उन्हें खाली हाथ रहना पड़ा और सीट नहीं मिली, जिससे राजनीतिक गलियारों में उनकी जो किरकिरी हुई वह अलग। खुद को समय के अनुसार न ढालने की यह कुंठा किसी भी कद्दावर नेता के बने-बनाए इतिहास को धूमिल कर देती है।यही हाल राजस्थान के जादूगर कहे जाने वाले अशोक गहलोत का भी है। जब कोई नेता यह मान बैठता है कि पूरा प्रदेश उसकी मुट्ठी में है, तो वहीं से उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल शुरू होती है। जीवनभर सत्ता के शीर्ष पर रहने के बाद भी जब एक बड़ा नेता युवाओं का रास्ता रोकने लगता है, तो वह खुद अपनी इज्जत कम कर लेता है। राजस्थान में सचिन पायलट के प्रति उनकी नफरत और पदों के लिए कभी न खत्म होने वाली भूख ने उनके कद को बहुत छोटा कर दिया है। सवाल यह है कि जब आप खुद पूरी जिंदगी मलाईदार पदों पर रहे, तो आज युवाओं की महत्वाकांक्षा पर सवाल उठाने वाले आप कौन होते हैं? गहलोत के बदले हुए सुर और उनकी भाषा साफ इशारा कर रही है कि वे अब पार्टी से अलग रास्ता तलाश रहे हैं। अपनी राजनीति बचाने की ज़िद में वे अपनी ही इज्जत दांव पर लगा चुके हैं। अब होगा यह कि या तो वे खुद ही बाहर निकल जाएंगे, या फिर पार्टी उन्हें खुद किनारे लगा देगी।अशोक गहलोत और कमलनाथ का यह रुख कोई पहला उदाहरण नहीं है। कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि जो नेता समय रहते मार्गदर्शक की भूमिका में नहीं आए, उन्होंने अपनी ही जिद से अपना राजनीतिक बुढ़ापा खराब कर लिया। पंजाब के कैप्टन अमरिंदर सिंह और जम्मू-कश्मीर के कद्दावर नेता गुलाम नबी आजाद इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूरी जिंदगी पंजाब की सियासत पर राज किया, लेकिन आखिरी वक्त में कुर्सी न छोड़ने की जिद ने उन्हें उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया जहां आज उनकी कोई राजनीतिक पूछ नहीं है। यही हाल गुलाम नबी आजाद का हुआ, जिन्होंने अपनी नई पार्टी तो बना ली, लेकिन आज वे पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुके हैं। इन नेताओं ने जीवन भर जो मान-सम्मान कमाया था, वह उम्र के आखिरी पड़ाव में आकर सिर्फ पदों की भूख के कारण मिट्टी में मिल गया।सियासत का यह कड़वा सच है कि समय हमेशा

एक जैसा नहीं रहता। जो नेता वक्त की नब्ज को पहचानकर नई पीढ़ी के लिए जगह खाली नहीं करते, इतिहास उन्हें कभी सम्मान से याद नहीं रखता। दिग्विजय सिंह के इस कदम से बाकी वरिष्ठ नेताओं को यह सीखना चाहिए कि राजनीति सिर्फ पद की नहीं, बल्कि कद की होती है और कद कभी कुर्सियों से नहीं, बल्कि सही समय पर गरिमा के साथ पीछे हटने से बड़ा होता है।

अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवसः अतीत की धड़कन, भविष्य की दिशाः अभिलेखागार

सुनील कुमार महला

ऐतिहासिक दस्तावेजों और अभिलेखों के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 9 जून को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) द्वारा किया जाता है, जो विश्वभर में अभिलेखों के संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमुख संस्था है।इस दिवस का इतिहास भी अत्यंत रोचक है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के तत्वावधान में 9 जून 1948 को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) की स्थापना हुई थी। बाद में वर्ष 2007 में आईसीए की आम सभा में यह निर्णय लिया गया कि परिषद के स्थापना दिवस को ही प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप पहला आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस 9 जून 2008 को आयोजित किया गया। इस दिवस का मूल उद्देश्य इतिहास, संस्कृति और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने वाले अभिलेखागारों के महत्व को रेखांकित करना है। वास्तव में, अभिलेखागार केवल पुराने कागजों का संग्रह नहीं हैं, बल्कि वे किसी समाज, राष्ट्र और सभ्यता की सामूहिक स्मृति होते हैं। वे हमारी पहचान, अधिकारों और विरासत के संरक्षक हैं तथा अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि दुनिया का सबसे प्राचीन अभिलेख मिट्टी की पट्टियों पर अंकित व्यापारिक लेन-देन का विवरण माना जाता है। समय के साथ अभिलेखों का स्वरूप बदलता गया और आज इनमें सरकारी दस्तावेज, नक्शे, तस्वीरें, फिल्में, ऑडियो रिकॉर्डिंग, ई-मेल तथा डिजिटल फाइलें भी शामिल हैं। अनेक अभिलेखागारों में ऐसे संवेदनशील और गोपनीय दस्तावेज भी सुरक्षित रखे जाते हैं जिन्हें 'डार्क आर्काइव्स' कहा जाता है। इन अभिलेखों को संरक्षित तो रखा जाता है, लेकिन उनकी सामग्री को आम जनता अथवा शोधकताओं के लिए कई दशकों तक उपलब्ध नहीं कराया जाता।अभिलेखों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि किसी देश के कानूनों, युद्धों, स्वतंत्रता आंदोलनों, सरकारी निर्णयों और सामाजिक परिवर्तनों से जुड़े मूल दस्तावेज इन्हीं में सुरक्षित रहते हैं। सरकारी अभिलेख प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। नई दिल्ली स्थित भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार में मुगल काल, ब्रिटिश शासन और स्वतंत्र भारत से जुड़े लाखों मूल्यवान दस्तावेज संरक्षित हैं, जो शोधकताओं और इतिहासकारों के लिए अमूल्य धरोहर हैं।

हमें यह याद रखना चाहिए कि अभिलेख केवल इतिहास को संरक्षित नहीं करते, बल्कि संकट के समय लोगों के अधिकारों की रक्षा भी करते हैं। युद्ध, बाढ़, भूकंप या आग जैसी आपदाओं के बाद नागरिकों की पहचान, संपत्ति और कानूनी अधिकारों को प्रमाणित करने में अभिलेख महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी कारण इन्हें भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखी जाने वाली अमूल्य विरासत माना जाता है।वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। सूचनाओं के तीव्र प्रवाह और तकनीकी परिवर्तनों के बीच प्रमाणिक दस्तावेजों को सुरक्षित रखना पहले की अपेक्षा अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसी संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि अपने अतीत को सुरक्षित रखे बिना हम एक सशक्त और जागरूक भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते।

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर का बड़ा फैसला: भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली ऑनलाइन सामग्री ब्लॉक करने का आदेश

सिंगापुर, एजेंसी। भारत में सिंगापुर के उच्चायोग ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी सरकार ने सोशल मीडिया साइटों को भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली सामग्री को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। यह सामग्री संभवतः चीन से उत्पन्न हुई थी। सिंगापुर के गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, ऑनलाइन आपराधिक नुकसान अधिनियम 2023 के तहत पुलिस बल ने यूट्यूब, फेसबुक और एक्स पर सामग्री के लिए 'अक्षम करने के निर्देश' जारी किए हैं। ये निर्देश सिंगापुर के बहुसंस्कृतिवाद मॉडल को कमजोर करने वाली सामग्री से निपटने के लिए हैं। पिछले महीने चीनी सूचना क्षेत्र में सिंगापुर की सांस्कृतिक पहचान पर चिंता संबंधी बातें प्रसारित हुईं। इसके बाद ऑनलाइन सामग्री में सिंगापुर की विविधता पर भड़काऊ बातें सामने आईं। इसमें कहा गया कि सिंगापुर भारतीयों से 'भर गया' है। सिंगापुर सरकार स्वदेशीवाद और विदेशियों के प्रति घृणा का दृढ़ता से विरोध करती है। सरकार सामाजिक सद्भाव के लिए बाहरी खतरों को गंभीरता से लेती है और दृढ़ता से कार्रवाई करेगी।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर अमेरिका के प्रतिबंधों की चीन ने की आलोचना, कहा- बदमाशी बंद करे वाशिंगटन

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शुक्रवार को क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने क्यूबा के खिलाफ अपनी नाकेबंदी और प्रतिबंधों को और कड़ा कर दिया है तथा सार्वजनिक रूप से क्यूबा के नेताओं को निशाना बनाया है। प्रवक्ता ने कहा, यह एक बार फिर अमेरिकी बदमाशी, उत्पीड़न और दबाव की नीति को उजागर करता है। चीन इसका दृढ़ता से विरोध करता है। उन्होंने कहा कि क्यूबा में स्थिरता बनाए रखना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा अपेक्षा है। क्यूबा को अस्थिर करने की कोशिशें आखिरकार विफल होंगी। चीन ने अमेरिका से क्यूबा पर लगाई गई नाकेबंदी और हर प्रकार के दबाव को तुरंत खत्म करने की अपील की। चीनी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि चीन हमेशा क्यूबा की राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और बाहरी दखल के विरोध में उसके साथ खड़ा रहेगा। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में क्यूबा के राष्ट्रपति डियाज-कैनेल, उनकी पत्नी, सौतेले बेटे तथा क्यूबा के पूर्व नेता राउल कास्त्रो के बेटे और पोते को प्रतिबंध सूची में शामिल किया। मिगुएल डियाज-कैनेल ने इन प्रतिबंधों को क्यूबा के खिलाफ नाकेबंदी को और मजबूत करने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि क्यूबा साम्राज्यवादी आक्रमण का डटकर मुकाबला करेगा। वहीं, क्यूबा के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कदम को 'आर्थिक आक्रमण' करार देते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका इसे बहाना बनाकर क्यूबा के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की कोशिश कर सकता है।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ा खतरा, यूरोप और उत्तरी अमेरिका तक पहुंच सकता है चिकनगुनिया

लंदन /वाशिंगटन, एजेंसी। कभी चिकनगुनिया को मुख्य रूप से गर्म जलवायु वाले देशों की बीमारी माना जाता था, पर अब वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन इस बीमारी का भूगोल बदल सकता है। बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण ऐसे मच्छरों का दायरा तेजी से बढ़ रहा है जो चिकनगुनिया वायरस फैलाते हैं। इसके परिणामस्वरूप आने वाले दशकों में दुनिया के कई ठंडे क्षेत्र भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। प्रतिष्ठित जर्नल फ्रंटियर्स इन सेलुलर एंड इन्फेक्शन माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार सदी के अंत तक उत्तर-पूर्वी उत्तरी अमेरिका, मध्य यूरोप और पूर्वी एशिया के कई हिस्से चिकनगुनिया के नए हॉटस्पॉट बन सकते हैं। अध्ययन में भारत के लिए भी चिंता जताई गई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि बीमारी नए क्षेत्रों में फैलती है तो 1.21 करोड़ भारतीय इसके जोखिम में आ सकते हैं। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, नागासाकी यूनिवर्सिटी और इंटरनेशनल वैक्सीन इंस्टीट्यूट से जुड़े वैज्ञानिकों के एक अन्य अध्ययन के अनुसार, हर साल दुनिया भर में करीब 1.44 करोड़ लोग चिकनगुनिया के जोखिम में हैं। इनमें से करीब 51 लाख लोग भारत में हैं। भविष्य में यह संख्या वैश्विक स्तर पर 3.49 करोड़ तक पहुंच सकती है। बीमारी के बढ़ते खतरे के पीछे बड़ी भूमिका एशियाई टाइगर मच्छर, यानी एडीज एल्बोपिक्टस निभा सकता है। अब तक चिकनगुनिया मुख्यतः एडीज एजिप्टी मच्छर से फैलता था, जो गर्म व आर्द्र क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है। 2005-06 में वायरस में आनुवंशिक बदलाव की पहचान हुई जिसके बाद वायरस एडीज एल्बोपिक्टस के जरिए भी फैलने लगा। यह मच्छर ठंडे मौसम में भी जीवित रह सकता है। चिकनगुनिया एक वायरल संक्रमण है, जो संक्रमित मच्छर के काटने से फैलता है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, जोड़ों में दर्द, सिरदर्द, थकान और शरीर पर चकत्ते शामिल हैं।

ट्रंप की टेक टीम को बड़ा झटका, व्हाइट हाउस के एआई सलाहकार श्रीराम कृष्णन देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस नीति के प्रमुख सलाहकार रहे भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन जून के अंत में अपना पद छोड़ देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में एआई रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले कृष्णन ने खुद सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वह अमेरिका के सामने एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर नए स्तर पर काम करेंगे। उनके इस्तीफे को ट्रंप प्रशासन की टेक नीति के लिए बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है।

क्या बोले श्रीराम कृष्णन अपने इस्तीफे पर : श्रीराम कृष्णन ने कहा कि व्हाइट हाउस में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। उन्होंने कहा कि वह जून के आखिर में अपना पद छोड़ देंगे और कुछ समय के ब्रेक के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए एआई से जुड़े बड़े संस्थागत काम करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व के बिना अमेरिका एआई की वैश्विक दौड़ में आगे नहीं होता। कृष्णन ने अपने 18 महीने के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिकी एआई एक्शन प्लान तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने एआई एक्सेलेरेशन पार्टनरशिप, राष्ट्रीय एआई नीति फ्रेमवर्क और एआई से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर काम किया। उन्होंने फ्रांस, भारत, ब्रिटेन

और मध्य पूर्व में आयोजित एआई बैठकों का भी जिक्र किया।

एआई नीति में श्रीराम कृष्णन की क्या थी भूमिका : श्रीराम कृष्णन ट्रंप प्रशासन की उस टीम का हिस्सा थे जिसने अमेरिका में एआई सेक्टर के विस्तार के लिए रोडमैप तैयार किया। उन्होंने डेटा सेंटर बढ़ाने, एआई निवेश को आसान बनाने और नियमों में ढील देने जैसी नीतियों पर काम किया। माना जाता है कि उन्होंने राज्यों के एआई रेगुलेशन अधिकार सीमित करने वाले प्रस्तावित आदेश को तैयार करने में भी भूमिका निभाई थी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा कि श्रीराम कृष्णन ने अपने निजी करियर को छोड़कर अमेरिका की तकनीकी ताकत को मजबूत करने के लिए बड़ा योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक नेतृत्व दिलाने में कृष्णन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

ट्रंप प्रशासन ने एआई पर क्यों बढ़ाया फोकस : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार एआई सेक्टर को अमेरिका की रणनीतिक ताकत बता रहे हैं। चीन के साथ बढ़ती तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिका एआई, डेटा सेंटर, चिप निर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से निवेश कर रहा है। श्रीराम कृष्णन इसी रणनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल थे। कृष्णन ने अपने बयान में कहा कि आने वाले समय में ऊर्जा, डेटा सेंटर और आम लोगों तक एआई के फायदे पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को मिलकर काम करना होगा। यही वजह है कि अब वह नए संस्थानों के जरिए इस दिशा में योगदान देना चाहते हैं।

कौन हैं श्रीराम कृष्णन, भारत से क्या लिंक : श्रीराम कृष्णन भारती मूल के ही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान उन्हें एआई पॉलिसी के मुख्य रणनीतिकार के रूप में नियुक्त किया गया था। वह एआई पॉलिसी एडवाइजर के तौर पर कार्य कर रहे थे। श्रीराम का जन्म चेन्नई में हुआ था और उन्होंने चेन्नई के ही एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद उन्होंने ट्विटर, फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट, स्नैप जैसी वैश्विक टेक कंपनियों के लिए काम किया। वह लंबे समय तक कैपिटल फर्म एंड्रीसन होरोविट्स के साथ भी जुड़े रहे। 2024 में डोनाल्ड ट्रंप ने वाइट हाउस में उनकी नियुक्ति का ऐलान किया। ट्रंप के करीबी लॉरा लूमर ने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था। एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप इमीग्रेशन के सुधार के नियम लागू कर रहे थे और दूसरी तरफ भारतीय मूल के शख्स को इतना बड़ा पद दे रहे थे। विवादों के बीच भी कृष्णन ने जमकर काम किया और एआई नीति के एक प्रभावशाली फ्रेमवर्क तैयार किया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कर चुके हैं तारीफ : एआई रेग्युलेशन से जुड़े सरकारी मसौदे पर काम करने वाले वह प्रमुख सलाहकार थे। वाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने उनकी कई बार तारीफ की और कहा कि वह वाइट हाउस के अनमोल रत्नों में शामिल हैं। श्रीराम कृष्णन ने अमेरिकी संसद के साथ एआई नीति पर काम करने की नींव रखी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उनकी कई बार तारीफ कर चुके हैं। वहीं कृष्णन ट्रंप की तारीफ करते हुए कहते हैं कि बिना उनके नेतृत्व के एआई की दौड़ में अमेरिका अग्रणी ना हो पाता। रिपोर्ट्स में कहा जाता था कि कृष्णन अपनी टीम में भी काफी लोकप्रिय थे।

पाकिस्तान में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी संगठन पर प्रतिबंध के बाद बवाल, दर्जनों कार्यकर्ता गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थानीय संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद प्रशासन ने शनिवार को उसके दर्जनों सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए शुक्रवार को संगठन को गैरकानूनी घोषित किया था। प्रशासन द्वारा जुलाई में आम चुनाव कराने की घोषणा के बीच जेएएसी ने अपनी मांगों को लेकर 9 जून को विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इसके बाद सरकार ने संगठन पर प्रतिबंध लगाते हुए उसके कई नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी।

बीते साल पीओके में विरोध प्रदर्शनों के पीछे था जेएएसी : पिछले वर्ष जेएएसी और उसके विरोधी समूहों के बीच हुए प्रदर्शनों और जवाबी प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हुई थी और अनेक घायल हुए थे। संगठन 38 सूत्रीय मांगपत्र को लागू करने की मांग कर रहा था। इनमें सस्ती दरों पर आटा और बिजली उपलब्ध कराना तथा क्षेत्रीय विधानसभा में कश्मीरियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करना शामिल था। बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को रावलाकोट में गोलीबारी की एक घटना में जेएएसी के एक सदस्य की मौत के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया। गृह विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि जेएएसी को अवैध घोषित किए जाने के बाद उससे जुड़े लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन की घोषणा के कारण क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। एहतियात के तौर पर जम्मू-कश्मीर विश्वविद्यालय और मीरपुर इंटरमीडिएट बोर्ड ने 8 जून से शुरू होने वाली परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। संभावित विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए प्रशासन ने अतिरिक्त सुरक्षा बलों की मांग की है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व एनएसए को बताया बुरा और भ्रष्ट इंसान, बोले- बेईमानी की कीमत चुका रहे जॉन बोल्टन

वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन पर तीखा हमला किया है। ट्रंप ने बोल्टन को एक बुरा और भ्रष्ट आदमी करार दिया है। उन्होंने कहा कि बोल्टन अपनी बेईमानी की सजा भुगत रहे हैं। शनिवार को चिप्पेवा फॉल्स की यात्रा के दौरान एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बोल्टन की जमकर आलोचना की। ट्रंप ने कहा कि जॉन बोल्टन एक बेईमान इंसान हैं और वह बिल्कुल भी समझदार नहीं हैं। ट्रंप के मुताबिक, बोल्टन को युद्ध करने का बहुत शौक था। वह हर उस व्यक्ति के खिलाफ युद्ध छेड़ना चाहते थे जो उनके सामने बोलता था।

उन्होंने यह भी कहा कि वह कभी बोल्टन के प्रशंसक नहीं रहे और उन्हें केवल एक खास उद्देश्य के लिए काम पर रखा था। ट्रप ने दावा किया कि बोल्टन ने पूर्व राष्ट्रपति बुश के समय भी बहुत सी समस्याएं खड़ी की थीं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि बोल्टन की युद्ध वाली सलाहों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था क्योंकि वह कभी उनकी बात नहीं सुनते थे। ट्रंप ने बोल्टन की किताब का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने सारी जानकारी ली और उसका गलत इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन को पकड़ लिया गया है और अब वह अपनी बेईमानी की कीमत चुका रहे हैं।

इस बीच, जॉन बोल्टन पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि बोल्टन गोपनीय दस्तावेजों को गलत तरीके से रखने के मामले में अपना दोष स्वीकार कर सकते हैं। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े बेहद संवेदनशील दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने का एक गंभीर आरोप है। इस मामले में बोल्टन 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुर्माना देने पर सहमत हुए हैं।

मैरीलैंड के सरकारी वकीलों ने बोल्टन पर आरोप लगाया है कि उन्होंने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान की डायरी के पन्ने अपने घर में छिपाकर रखे थे। अगर वह दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 0 से लेकर 60 महीने तक की जेल हो सकती है। इस मामले की अगली सुनवाई 26 जून को होने की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन एक कट्टरपंथी थे जो केवल युद्ध की भाषा समझते थे।

इस्राइल में लगेगी छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा, जानिए क्या बोले इस्राइली राजनयिक

येरूशलम, एजेंसी। भारत और इस्राइल के बीच सांस्कृतिक और कूटनीतिक रिश्तों को नई मजबूती मिलने जा रही है। इस्राइल में जल्द ही छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा और स्मारक स्थापित किए जाएंगे, जिसे दोनों देशों की दोस्ती का प्रतीक माना जा रहा है। इस्राइल के कॉन्सुल (राजनयिक) जनरल यानिव रेवाच ने बताया कि यह पहल भारत-इस्राइल संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, उन्होंने लेबनान से होने वाले हमलों के खिलाफ इस्राइल की सुरक्षा कार्रवाई का बचाव किया।

दोस्ती और प्रेरणा का प्रतीक होगी प्रतिमा : यानिव रेवाच के कहा कि यह परियोजना केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक गुडविल प्रोजेक्ट है, जो दोनों देशों के लोगों को जोड़ने का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भारत और इस्राइल के बीच दोस्ती और प्रेरणा का स्थायी प्रतीक बनेगी। पिछले फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्राइल के दौरे के बाद, हमने तय किया कि हम यहां भारत में एक बड़े प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। इस विचार ने असल में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दफ्तर को भी सूचित किया। वह तुरंत मुझसे मिलने के लिए मान गए। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने मुझसे कहा कि वह हमारे खूबसूरत प्रोजेक्ट का समर्थन करने और हमारी हर तरह से मदद करने को तैयार हैं जिसकी हमें जरूरत होगी। ऐतिहासिक जुड़ाव से मिली प्रेरणा इस्राइली राजनयिक ने बताया कि भारत का इतिहास उन्हें बेहद प्रेरणादायक लगा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संघर्ष और राष्ट्र निर्माण की कहानियों में कई समानताएं हैं। इसी सोच के तहत इस सांस्कृतिक परियोजना की शुरुआत की गई है, जिसमें शिवाजी महाराज की मूर्ति इस्राइल में स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, हम यह भी सोच रहे हैं कि क्या हम शिवाजी की किताब का हिब्रू में ट्रांसलेशन कर सकते हैं, इसका ट्रांसलेशन करें ताकि लोग उनकी स्क्रिप्ट के बारे में जान सकें।

कला और शिक्षा पर भी जोर : इस्राइल प्रशासन इस परियोजना को केवल प्रतिमा तक सीमित नहीं रखना चाहता। योजना के तहत एक श्रेष्ठ कलाकार द्वारा मूर्ति तैयार की जाएगी और इसे इस्राइल के किसी प्रमुख स्थान पर स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, शिवाजी महाराज के जीवन और विचारों को समझाने के लिए उनकी पुस्तक का हिब्रू भाषा में अनुवाद करने की भी संभावना पर विचार किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और इस्राइल के बीच रक्षा, तकनीक, साइबर सुरक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ा है। अब यह साझेदारी सांस्कृतिक स्तर पर भी मजबूत होती दिखाई दे रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे सांस्कृतिक प्रोजेक्ट दोनों देशों के बीच लोगों से लोगों के संबंधों को और मजबूत करेंगे। इस्राइली राजनयिक ने कहा कि लेबनान के साथ उसका कोई सीधा विवाद नहीं है और वह वहां की सरकार और जनता के साथ शांति चाहता है।

पश्चिम एशिया तनावः अमेरिका-ईरान जंग के बीच पाकिस्तान के गृह मंत्री तीसरी बार पहुंचे तेहरान, शांति वार्ता की कोशिशें जारी

इस्लामाबाद/तेहरान , एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर कूटनीतिक पहल तेज कर दी है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी शनिवार को तीसरी बार ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे, जहां उन्होंने क्षेत्र में शांति बहाली को लेकर महत्वपूर्ण वार्ताएं कीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी का यह पिछले कुछ हफ्तों में ईरान का तीसरा दौरा है। पाकिस्तान इस समय दोनों देशों के बीच संवाद स्थापित करने और तनाव कम करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। तेहरान पहुंचने पर नकवी का स्वागत ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने किया।

शीर्ष नेताओं से हुई अहम मुलाकातें : यात्रा के दौरान मोहसिन नकवी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में क्षेत्रीय सुरक्षा, द्विपक्षीय संबंध और मौजूदा भू-राजनीतिक हालात पर चर्चा होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हुई चर्चा : तेहरान रवाना होने से पहले मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, इस बैठक में क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इस यात्रा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

क्षेत्रीय संकट और कूटनीतिक कोशिशें : पश्चिम एशिया में तनाव उस समय बढ़ा जब 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर हमले किए, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की थी। हालांकि अप्रैल में सीजफायर के बाद हालात कुछ हद तक शांत हुए, लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है। इस बीच पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने की कोशिशें तेज कर दी हैं। अप्रैल में पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच पहली प्रत्यक्ष वार्ता की मेजबानी की थी, हालांकि उस दौरान किसी ठोस समझौते पर सहमति नहीं बन सकी थी।

ईरान बार-बार क्यों जा रहे पाकिस्तानी नेता : पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी पिछले कुछ दिनों में तीन बार ईरान की राजधानी तेहरान का दौरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ईरान के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की है, जिनमें विदेश मंत्री अब्बास अराघची, राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, ईरान का विदेश मंत्रालय अमेरिका की ओर से मिले एक नए प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। यह प्रस्ताव पाकिस्तान ने ही ईरान तक पहुंचाया है। कहा जा रहा है कि यह पहल पुराने प्रस्तावों से अलग है और इसका मकसद मौजूदा तनाव को कम करना है। इस प्रस्ताव का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच चल रही शत्रुता को खत्म करना और बातचीत के लिए एक नया ढांचा तैयार करना है।

बीच पर बिछा दी गईं डॉल्फिन और व्हेल की लाशें, 700 मछलियों की हत्या से लाल हो गया समंदर

कोपेनहेगन , एजेंसी। इंसानों की क्रूरता की ऐसी तस्वीर आपने शायद ही कभी देखी हो। मछलियों को पकड़कर जीवन यापन करना एक सामान्य बात है लेकिन व्हेल और डॉल्फिन जैसी सैकड़ों मछिलियों को जिंदा ही चाकू से चीर डालना और फिर उनको तड़फड़ाते देखकर जश्न मनाना बहुत ही दिल दहलाने वाला है। डेनमार्क के फारो द्वीप पर लोग हर साल एक बार इस तरह का क्रूर'उत्सव' मनाते हैं। इस आयोजन को 'द ग्रिंड' कहा जाता है। इस संहार को देखन के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी पहुंचते हैं। इस बार 'द ग्रिंड' के दौरान लगभग 700 व्हेल और डाल्फिन को नाव से खींचकर किनारे की ओर लाया गया और फिर उथले समंदर में उन्हें चाकुओं से फाड़ डाला गया।

मछलियों की इस तरह की नृशंस हत्या से इतना खून निकला कि समंदर का पानी लाल हो गया। जानकारी के मुताबिक यह आयोजन 27 मई को किया गया था। इसके बाद समंदर के किनारे सैकड़ों मछलियां पड़ी दिखीं। फारो आईलैंड के ग्लोबल मरीन कंजर्वेशन सी शेफर्ड के डायरेक्टर वैलेंटीना क्रास्ट ने कहा कि उन्होंने यूरोपीय सरकारों से इस कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है लेकिन कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 'द ग्रिंड' वाले दिन कम से कम 402 व्हेल और 300 डाल्फिन को मार डाला गया। पेटा की अध्यक्ष एलिसा एलेन ने कहा कि, ये जलीय जीव दर्द से कराहते हैं और छटपटाते हैं। व्हेल और डाल्फिन जैसी मछलियां अपने परिवार के साथ रहती हैं और उनके

पूरे परिवार को ही इस तरह निर्दयता से मार डाला डाता है। ये मछलियां ज्यादा संवेदनशील होती हैं और ऐसे में उन्हें दर्द का अहसास भी ज्यादा होता है। एक एनीमल राइट ऐक्टिविस्ट ने कहा कि यह नृशंस कार्यक्रम 1000 साल से चला आ रहा है। फारो एक स्वतंत्र राज्य है और यहां के लोग इसे अपनी संस्कृति का हिस्सा मानते हैं। फारो के प्रशासन का भी कहना है कि इस उत्सव के दौरान पर्यावरण का भी पूरा ध्यान रखा जाता है। उनका कहना है कि उत्तर अटलांटिक में व्हेल और डाल्फिन की संख्या काफी अच्छी है।

ऐसे में पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता है। जानकारी के मुताबिक तोर्शावन में 402 पायलट व्हेल और 4 बॉटलनोज डॉल्फिन मारी गई हैं। स्कालाबोटनुर में 168 व्लाइट साइडेड डॉल्फिन और व्हालविक में 132 वाइट साइडेड डॉल्फिन मारी गई हैं। बताया जाता है कि यह परंपरा 1000 साल पुरानी वाइकिंग युग की है। ऐक्टिविस्ट्स का कहना है कि यह परंपरा आज के युग में जरूरी नहीं है। फारो द्वीप की संसद ने अपने पशु कल्याण कानून में भी बदलाव कर दिया है। डॉल्फिन को सुरक्षा देने वाला कानून भी हटा दिया गया है।

अमेरिका के ओहियो में फेस्टिवल के दौरान गोलीबारी, कई लोगों की मौत

टोलेडो (ओहायो), एजेंसी। अमेरिकी प्रांत ओहियो में एक सामुदायिक उत्सव के दौरान गोलीबारी की घटना में कई लोग मारे गए हैं। यह घटना रविवार दोपहर, टोलेडो में हुई। घटना में घायल हुए लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। वहीं, पुलिस ने बताया कि संदिग्धों की तलाश बड़े पैमाने पर चल रही है। टोलेडो पुलिस को पहले जानकारी मिली थी कि ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल में एक व्यक्ति को गोली मारी गई है। लेकिन पुलिस के मुताबिक जब टीम घटनास्थल पर पहुंची तो वहां घायलों की संख्या काफी ज्यादा थी। पुलिस ने बताया कि कई घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। हालांकि उसने यह जानकारी नहीं कि उनकी हालत कितनी गंभीर है या मरने वालों की संख्या कितनी है।

चश्मदीद की आंखों देखी : घटना के दौरान वहां मौजूद चश्मदीदों ने उस दौरान का हाल बयां किया है। ऐसे ही एक शख्स केविन बेरी हैं। बेरी ने बताया कि मैं बगल में अपने दोस्तों के साथ बैठा लाइव म्यूजिक सुन रहा था। इसी दौरान मैंने गोलियां चलने की आवाज सुनी। तमाम लोग जमीन पर पड़े थे। बेरी के मुताबिक जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो उनसे केवल 50 फीट की दूरी पर बंदूक उछाली जा रही थी। वहीं, फेस्टिवल को देखते हुए वहां तैनात पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और गोलीबारी का जवाब दिया।

सोशल मीडिया पर वीडियो : घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि जिम्मेदार लोगों की सक्रिय तलाश जारी है। सिटी काउंसिल सदस्य थेरेसा मॉरिस ने कहाकि शूटिंग में कम से कम आठ लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहाकि यह त्रासदी वास्तव में दोनों, निवासियों और उन लोगों पर जो हर साल इस त्योहार का आनंद लेने और देखने आते हैं, भारी पड़ रही है। ओहियो के गवर्नर माइक डिवाइन ने बयान में कहाकि मैं आज रात टोलेडो की स्थिति को लेकर गहरी चिंता में हूं। समर फेस्टिवल परिवारों के लिए सुरक्षित स्थान होने चाहिए

ताकि वे बिना हिंसा के डर के साथ समय बिता सकें। इस बीच सोशल मीडिया पर घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। इसमें गोलीबारी की आवाज के बीच लोगों को भागते देखा जा सकता है। साथ ही इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात अधिकारी घायलों को मदद पहुंचाने में जुटे हैं।

फेस्टिवल के बीच आखिर कैसे मची अफरा-तफरी : टोलेडो पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार शाम उस समय हुई जब ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। यह दो दिवसीय आयोजन शहर के ऐतिहासिक इलाके में हर साल आयोजित किया जाता है, जिसमें लाइव म्यूजिक, खाने-पीने के स्टॉल, खरीदारी और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अचानक गोलियों की आवाज सुनाई दी और देखते ही देखते पूरा इलाका अफरा-तफरी में बदल गया। लोग जमीन पर लेट गए और कई लोग जान बचाने के लिए भागते नजर आए। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में लोग चीखते और दौड़ते दिखाई दिए।

कितने लोग घायल हुए और क्या बोली पुलिस : टोलेडो पुलिस के डिप्टी चीफ जो हेफरनन ने बताया कि कम से कम 12 लोग घायल हुए हैं। इनमें दो लोगों की हालत बेहद गंभीर है। पुलिस का मानना है कि कम से कम दो लोग एक-दूसरे पर गोलियां चला रहे थे। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और संदिग्धों की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

फेस्टिवल में मौजूद केविन बेरी ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ लाइव म्यूजिक सुन रहे थे तभी अचानक कई गोलियों की आवाज आई। उन्होंने कहा कि लोग तुरंत जमीन पर लेट गए। कुछ देर बाद उन्होंने एक बंदूक को पास में गिरते देखा।

इस तेल के हैं कई लाजबाव फायदे

सरसों का तेल हर किसी की रसोई में दिख जाएगा। अधिकांश लोग इसे सिर्फ खाना बनाने वाला तेल ही समझते हैं, लेकिन यह सिर्फ भोजन बनाने तक ही सीमित नहीं है। यह तेल शरीर की कई छोटी-बड़ी समस्याओं से निजात दिला सकता है। इस खास लेख में हमारे साथ जानिए सरसों तेल के शारीरिक फायदों और इस्तेमाल करने के विभिन्न तरीकों के बारे में। आइए जानते हैं कि भोजन बनाने में इस्तेमाल किया जाने वाला यह तेल आपको किस प्रकार फायदा पहुंचा सकता है।

क्या है सरसों का तेल?

सरसों के तेल को सरसों (पौधा) के बीजों से निकाला जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम ब्रेसिका जुनसा है, जिसे विभिन्न भाषाओं में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। अंग्रेजी में इसे मस्टर्ड, तेलुगु में अवन्यून, मलायम में कदुगेना और मराठी में मोहरीच कहा जाता है। सरसों के बीज भूरे, लाल और पीले रंग के होते है। मशीनों की मदद से इनमें से तेल निकाला जाता है। भारत में इसका प्रचलन ज्यादा है और प्रतिदिन बनने वाले भोजन में इसका इस्तेमाल किया जाता है। यह तेल जायका बढ़ाने के साथ-साथ भोजन को पौष्टिक भी बनाता है।

रिफाइंड सरसों का तेल

सरसों के बीजों से यह तेल मशीनों के जरिए निकाला जाता है। इसका स्वाद कड़वा होता है। इस प्रकार के तेल का इस्तेमाल भारत में खाना बनाने के लिए किया जाता है। रिफाइंड सरसों का तेल काले, भूरे या सफेद सरसों के बीजों से निकाला जाता है।

मांसपेशियां के दर्द में फायदा

आज से नहीं, बल्कि वर्षों से सरसों का तेल जोड़ों और मांसपेशियों में होने वाले दर्द के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। नियमित रूप से इस तेल की मालिश करने से शरीर में रक्त का प्रवाह बना रहता है और जोड़ों एवं मांसपेशियों में दर्द की समस्या नहीं रहती।

गठिया से होने वाले दर्द के लिए यह तेल फायदेमंद है। सरसों के तेल में बड़ी मात्रा में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो जोड़ों और गठिया के दर्द के लिए एक कारगर एंटीइंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में काम करता है ।

हृदय के लिए फायदेमंद

यह तथ्य शायद आपको सुनने में बड़ा अजीब लगे कि तेल का सेवन किस प्रकार हृदय के लिए फायदेमंद है, लेकिन सरसों का तेल इस मामले में गुणकारी है। दरअसल, सरसों का तेल मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड के साथ-साथ ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड से समृद्ध होता है। ये दोनों फैट मिलकर इस्केमिक हृदय रोग (रक्त प्रवाह की कमी के कारण) की आशंका को 50 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं।

इतना ही नहीं सरसों के तेल को हाइपोकोलेस्टेरोलेमिक (कोलेस्ट्रॉल कम करने वाला) और हाइपोलिपिडेमिक (लिपिड-लोअरिंग) प्रभाव के लिए भी जाना जाता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को तो कम करता ही है और शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी बढ़ाता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है।

3. कैंसर से बचाव

सरसों तेल को जोड़ों जैसी आम समस्या से लेकर कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि सरसों के तेल में कैंसर से लड़ने वाले गुण भी मौजूद होते हैं। साउथ डकोटा यूनिवर्सिटी का एक अध्ययन भी इस बात को साबित करता है। उन्होंने कोलन कैंसर से प्रभावित चूहों पर सरसों, मकई और मछली के तेल के असर का परीक्षण किया, कोलन कैंसर को रोकने में मछली के तेल की तुलना में सरसों का तेल अधिक प्रभावी पाया गया

बॉडी को रोजाना होती है निर्धारित मात्रा में फैट की जरूरत

आहार और पोषण विशेषज्ञ दोनों ही दादी-नानी की घी-तेल खाने की सलाह को सही मानते हैं। इससे न सिर्फ शरीर की मांसपेशियां एवं ढांचा मजबूत होता है, बल्कि शरीर की विटामिन ग्रहण करने की क्षमता बढ़ती है। डॉक्टर के अनुसार हर रोज एक या दो अंडे डाइट में शामिल करना टाइप टू डायबिटीज के खतरे और हृदय रोगों की आशंका कम करता है। इसके बिना शरीर ट्रीग्लिसिराइड, कोलेस्ट्रॉल व अन्य फैटी एसिड नहीं बना पाता। इन्हीं वसा का टूटना शरीर को विकास और अंगों को सुरक्षा देने के लिए ऊर्जा देता है। शरीर वसा में घुलनशील विटामिन्स को बेहतर तरीके से ले पाता है।' इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और द नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशनिस्ट, सैचुरेटेड फैटी एसिड (एसएफए), मोनोअनसेचुरेटेड फैटी एसिड (एमयूएफए) और पॉलिअनसैचुरेटेड फैटी एसिडी(पीयूएफए) सभी को बराबर अनुपात में लेने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार वनस्पति तेल, घी और मक्खन को अपने आहार में समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। डॉक्टर सुवर्णा पाठक कहती हैं, 'मैं कभी मरीजों को वसा रहित डाइट की सलाह नहीं देती। वसा शरीर के मेटाबॉलिज्म, जोड़ व हड्डियां दुरुस्त रखता है।

मेवा : बादाम, अखरोट और पिस्ते में एमयूएफए होते हैं, जो रक्तचाप कम करते हैं। ऊर्जा बढ़ाते हैं व कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखते हैं।'इसमें प्रोटीन, आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं। पहाड़ी बादाम में ओलिक एसिड और मैग्नीशियम होता है, जो कैंसर की आशंका कम करता है। नियमित चार बादाम, दो अखरोट और छह पिस्ते खाएं।'

घी : आयुर्वेद में प्राचीन समय से गाय के दूध से बना घी उपचार व खाने में इस्तेमाल किया जाता रहा है। 2012 में करनाल स्थित नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट के सर्वे के अनुसार गाय का घी लिवर में कैंसर के कारक कार्सिनोजेंस का सक्रिय होना कम करता है। डॉ. सीमा सिंह के अनुसार, 'सही मात्रा में घी खाने से हृदय रोगों से बचाव होता है। हानिकारक कोलेस्ट्रॉल के स्तर में कमी आती है। पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और त्वचा में चमक आती है। दिव्या चौधरी के अनुसार, 'हर रोज एक चम्मच घी खाना ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है और वसा की जरूरत को पूरा करता है।'

चीज : एक दिन छोड़कर 20 ग्राम चीज खाना आपकी वसा की जरूरत पूरा करता है। 'इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन बी-12 होते हैं। यह उत्पाद कैल्शियम व प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसकी एक स्लाइस, एक गिलास दूध के बराबर है। चीज नहीं खाते तो सफेद मक्खन, 60 ग्राम तक घरेलू पनीर और 300 ग्राम दही खा सकते हैं।' डॉ. रुईया कम वसा वाले प्रोसेस्ड या फैट फ्री डेयरी प्रोडक्ट से परहेज की सलाह देती हैं। ये उत्पाद रसायनीकृत होते हैं व पाचन तंत्र पर दबाव डालते हैं।

रेसिपी

पुदीना पुलाव

सामग्री

- चावल: 1 कप
- पुदीना पत्ते: 2 कप
- हरी मिर्च: 3 कटी
- इमली का पेस्ट: 1 छोटा चम्मच
- प्याज बारीक कटा: 1
- तेल : 2 छोटे चमच्च
- राई: 1 छोटा चम्मच
- सफेद उड़द दाल: 1 छोटा चमच्च
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

पुदीना के पत्तों को अलग कर अच्छी तरह से धो लें। अब एक मिक्सर ग्राइंडर में पुदीना के पत्ते, हरी मिर्च और इमली का पेस्ट डालें। इसे पीसकर इसका पेस्ट बना लेंगे। अब एक कढ़ाई में तेल गरम करें। इसमें राई डालकर तड़काएं और फिर इसमें प्याज डालकर भुनें। जब ये सुनहरा हो जाए तब इसमें पुदीना पेस्ट और नमक डालकर मिलाएं और 5 मिनट के लिए पकने दें। गैस बंद करें और इसमें पके हुए चावल डालें। स्वादानुसार नमक डालकर गरमा-गरम परोसे। रायता, सलाद और पापड़ के साथ इसका स्वाद लगेगा जबरदस्त।

ब्रोकली का सूप

सामग्री

- ब्रोकोली बारीक कटी हुई: एक कप
- आलू बारीक कटे हुए: 3
- लहसुन: 1 कली
- नमक: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- मक्खन जरूरत के अनुसार
- पानी जरूरत के अनुसार

विधि

ब्रोकली का सूप बनाने के लिए सबसे पहले मीडियम आंच में एक पैन में मक्खन गर्म करें। इसके बाद ब्रोकोली, आलू और लहसुन को अच्छे से डालकर भून लें। इसके बाद पानी डालकर आलू और ब्रोकली को अच्छे से पकाते रहे, जब तक कि ये सूप की तरह नहीं हो जाता। इसके बाद सर्विंग बाउल में डालकर ऊपर से काली मिर्च पाउडर और थोड़ा सा मक्खन डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-6-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। शुभांक-3-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। शुभांक-4-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग जोन

मम्मी(श्याम से)- तुम रो क्यों रहे हो ?

श्याम- मेरे मास्टर जी बहुत बीमार थे, वह....

मम्मी- क्या वे मर गए ?

श्याम- नही, वे ठीक हो गए है, कल से स्कूल आने वाले है।

▯ ▯ ▯

अध्यापक- मोहन, आज तुमने कौन सा अच्छा काम किया ?

मोहन- सर, आज मैंने व चार अन्य लडकों ने मिलकर एक बुढिया को सडक पार करवाई।

अध्यापक- शाबास, पर पांच लडकों की जरूरत क्यों पडी ?

मोहन- क्योंकि वह बुढिया सडक के पार जाना ही नही चाहती थी।

▯ ▯ ▯

दांतो का डॉक्टर- तुम पहले क्या सुनना चाहोंगे, अच्छी खबर या बुरी खर्ब ?

मरीज- अच्छी खबर।

डॉक्टर- तुम्हारे दांत बिल्कुल ठीक है।

मरीज- तो फिर बुरी खबर क्या है ?

डाक्टर- तुम्हारे मसूडे इतने खराब हो चुके है, कि मुझे तुम्हारे सारे दांत निकालने पडेंगे।

▯ ▯ ▯

काकुरो पहेली - 4079

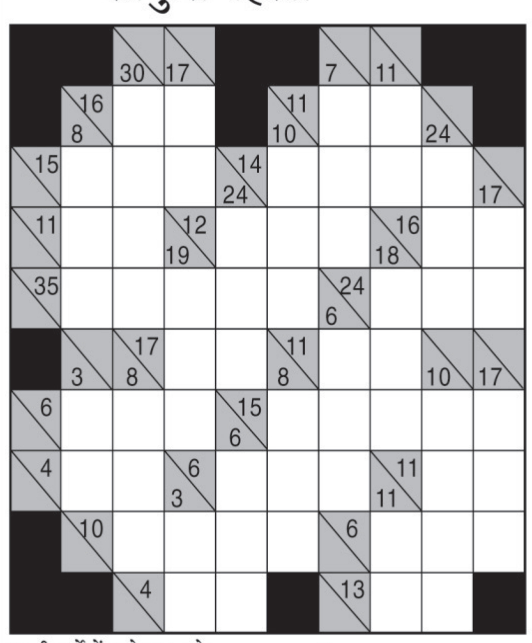

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

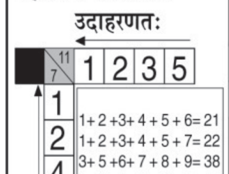

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -4078 का हल

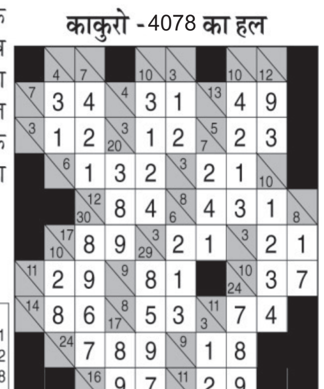

फिल्म वर्ग पहेली- 4079

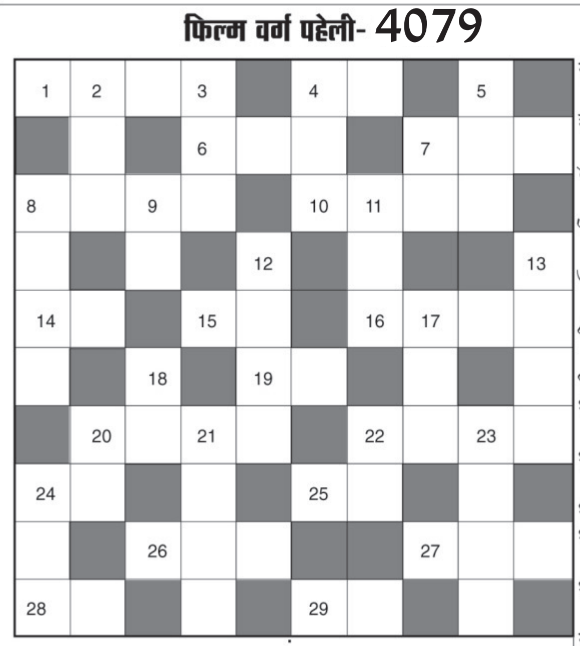

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4078

सूडोकु -4079

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4078 हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 4079

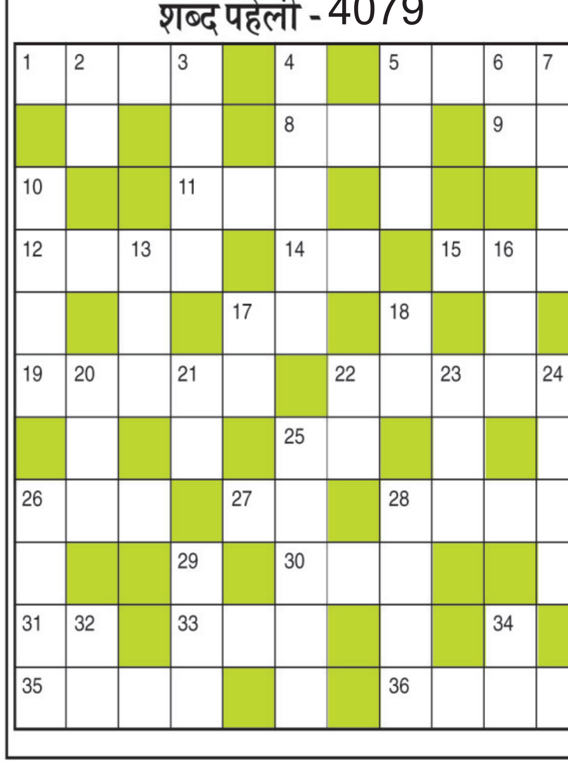

बाएँ से दाएँ

1.चिकित्सा,इलाज-4
5.पैतृक संपत्ति-4
8.बलवा,क्रांति-3
9.निम्न-2
11.सुअर,शूकर-3
12.चौबीसवें तीर्थंकर-4
14.केश-2
15.मुनाफा,अर्जित-3
17.मैदे की रोटी-2
19.मनोहर,आकर्षक-5
22.अनासक्ति,निर्विकारता-5
25.पानी,नीर-2
26.सूखा,दुष्काल-3
27.कांटा,कंटक-2
28.शांति,ध्वनिहीनता-4
30.तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31.लाख,गोंद-2
33.मधुक,महुआ-3
35.हृदयगति,स्पंदन-4
36.अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2.पंख,पराया-2
3.राम का एक नाम-4
4.संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5.वियोग,जुदाई-3
6.गलत का विलोम-2
7.एकांतता,अकेलापन-4
10.मरियल,निर्बल-4
13.'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16.मक्खन-3
17.रिश्ता-2
18.लाश-3
20.माला का मोती-3
21.यमराज-2
22.ललाट-2
23.ताप वर्धक-3
24.विदिर्ण-2.2
25.पानी का बहना-5
26.जुर्म,गुनाह-4
28.रसहीनता-4
29.प्रणाम,नमस्कार-3
32.लड़ी,श्रृंखला-2
34.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली 4078 का हल

बंगाल में भी लागू होगी 'आयुष्मान भारत' योजना, केंद्र और राज्य सरकार के बीच सोमवार को होगा समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार सोमवार को केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' में शामिल होने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेगी। इसके साथ ही बंगाल इस विश्व की सबसे बड़ी सार्वजनिक वित्त पोषित स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू करने वाला देश का 36वां राज्य बन जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार इस योजना के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) और पश्चिम बंगाल सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के बीच नई दिल्ली के विज्ञान भवन में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा करेंगे। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव, अनुप्रिया पटेल, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव और पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज (माध्यमिक और तृतीयक चिकित्सा) के लिए प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा मिलता है।

बर्नपुर के संगम मैरिज हॉल में धर्मांतरण के आरोप, दो हिरासत में

पश्चिम बर्दवान। बर्नपुर स्टेशन रोड स्थित संगम मैरिज हॉल में कथित धर्मांतरण के आरोप को लेकर जमकर हंगामा हुआ। विश्व हिंदू परिषद और भाजपा कार्यकर्ताओं ने मैरिज हॉल का घेराव कर आरोप लगाया कि यहां आर्थिक रूप से कमजोर, पिछड़े वर्ग तथा जनजातीय समुदाय के लोगों को विभिन्न प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। सूचना मिलने पर हीरापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए जांच शुरू कर दी। विश्व हिंदू परिषद के नेताओं का आरोप है कि पिछले कुछ समय से संगम मैरिज हॉल में स्थानीय गरीब और पिछड़े वर्ग के लोगों को एकत्र कर उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा था। भी इसी तरह की गतिविधि की सूचना पाकर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता वहां पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर भाजपा नेता पवन कुमार सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष बाप्पा चटर्जी, बृजेश वर्मा, अनमोल सिंह, मंडल अध्यक्ष रामानंद शाह, उमेश प्रसाद सहित भाजपा और विश्व हिंदू परिषद के कई कार्यकर्ता मौजूद थे। नेताओं ने आरोप लगाया कि आर्थिक सहायता और अन्य सुविधाओं का लालच देकर लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा था। वहीं, आयोजन से जुड़े सायन सेनगुप्ता और उनकी पत्नी ने सभी आरोप को खारिज कर दिया। उनका कहना था कि वे केवल यीशु मसीह के संदेश और उपदेश लोगों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे थे तथा किसी प्रकार का धर्मांतरण नहीं कराया जा रहा था।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का हो रहा आंतरिक ऑडिट, कोई उल्लेखनीय बात सामने नहीं आयी : चंपत राय

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का समय-समय पर आंतरिक ऑडिट होता है। इस कार्य में ट्रस्ट और भारतीय स्टेट बैंक के प्रतिनिधि सम्मिलित रहते हैं और यह ऑडिट कार्य कई दिन तक चलता है। उन्होंने आगे बताया कि आजकल वही ऑडिट कार्य हो रहा है, लेकिन अभी तक कोई उल्लेखनीय बात सामने नहीं आयी है। ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने आगे कहा कि यह जानकारी सभी के लिए दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर के दान कोष में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। हालांकि इन आरोपों के समर्थन में तो सपा मुखिया के पास तथ्य हैं और न ही कोई पुष्टि के प्रमाण। इसके बावजूद सपा नेता ने ऐसे गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि अब ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने इन आरोपों पर फैले भ्रम को पूरी तरह से दूर कर दिया और साथ ही स्पष्ट भी कर दिया है कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का समय-समय पर आंतरिक ऑडिट होता है।

मालवीय नगर अग्निकांड में एक और मौत, मृतकों की संख्या बढ़कर 22 हुई

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के हौज रानी स्थित मालवीय नगर अग्निकांड में झुलसे एक और व्यक्ति की इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गई। इसके साथ ही इस दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। मृतक नाइजीरियाई नागरिक न्दुबुइसी फर्डिनेंड ओकेले था, जो घटना के बाद से अस्पताल में भर्ती था और उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि नाइजीरियाई नागरिक ने शनिवार देर रात उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वह मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टेज बीएंडबी में तीन जून को लगी भीषण आग में गंभीर रूप से झुलस गया था। घटना के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां चिकित्सकों की टीम लगातार उसका उपचार कर रही थी। पुलिस के अनुसार, आग लगने की घटना में बड़ी संख्या में लोग झुलसे थे, जिनमें कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे। न्दुबुइसी फर्डिनेंड ओकेले की हालत शुरू से ही नाजुक बनी हुई थी और वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर था।

मप्र से राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए भाजपा ने घोषित किया उम्मीदवार

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश केवट को उम्मीदवार घोषित किया है। इस सीट के लिए उनका कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन से मुकाबला होगा। दोनों नेता आज सोमवार को अपना नामांकन दाखिल करेंगे।मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटें रिक्त होने जा रही हैं। इन तीन सीटों की पूर्ति के लिए द्विवार्षिक निर्वाचन की प्रक्रिया के तहत आज नामांकन प्रक्रिया का अंतिम दिन है। मप्र विधानसभा में विधायकों की संख्या के हिसाब से राज्यसभा की दो सीटों पर भाजपा और एक सीट पर कांग्रेस की जीत तय मानी जा रही है। भाजपा पहले ही दो सीटों पर

उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। दोनों उम्मीदवारों तरुण चुग और रजनीश अग्रवाल अपना नामांकन दाखिल कर चुके हैं, जबकि एक सीट के लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार घोषित किया है। वे आज अपना नामांकन दाखिल करेंगी। इसी बीच भाजपा ने तीसरी सीट के लिए भी उम्मीदवार घोषित कर दिया। भाजपा के तीसरे उम्मीदवार को लेकर दिल्ली से हरी झंडी मिलने के बाद रविवार की रात मुख्यमंत्री निवास में भाजपा विधायक दल की बैठक हुई। करीब एक घंटे तक चली इस बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने चुनावी रणनीति और नामांकन प्रक्रिया को लेकर चर्चा की। इसके बाद महेश केवट के नाम पर अंतिम मुहर लगी।मध्य प्रदेश विधानसभा में वर्तमान में 228 सदस्य मतदान के पात्र हैं। राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 58 वोटों की आवश्यकता है। भाजपा के पास 164 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 63 विधायक हैं। विधानसभा के संख्याबल हिसाब से दो सीटें भाजपा को मिलना तय है, जबकि एक सीट कांग्रेस के खाते में जाती दिख रही है।

वहीं, आज दोपहर डेढ़ बजे प्रदेश भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल समेत मंत्री, विधायक और पार्टी पदाधिकारी जुटेंगे। यहां से सभी रैली के रूप में विधानसभा पहुंचेंगे, जहां भाजपा उम्मीदवार महेश केवट नामांकन दाखिल करेंगे। कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन भी अपने समर्थकों और पार्टी नेताओं की मौजूदगी में विधानसभा पहुंचकर नामांकन जमा करेंगी।

अटारी बॉर्डर पर ए.आर. रहमान ने पहली बार दी लाइव प्रस्तुति

एजेंसी

चंडीगढ़। अटारी बॉर्डर स्थित जेसीपी स्टेडियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम 'जय हो - ए ट्रिब्यूट टू द ब्रेवहार्ट्स' का आयोजन किया गया। 'मैं वापस आऊंगा' फिल्म की टीम द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में विश्वविख्यात संगीतकार और ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान ने पहली बार अटारी बॉर्डर पर आयोजित बीटिंग द रिट्रीट समारोह के दौरान लाइव प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम देश के वीर जवानों और उनकी सेवाओं को समर्पित रहा। इस अवसर पर प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली, अभिनेता वेदांग रैना, गायकों मोहित चौहान, निलांजना घोष, पूजा तिवारी और नरगिस सहित फिल्म और संगीत जगत की कई नामचीन हस्तियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दर्शकों, बीएसएफ अधिकारियों और जवानों ने भाग लिया। निर्देशक इम्तियाज अली ने कहा कि अटारी बॉर्डर पर ए.आर. रहमान जैसे महान कलाकार की प्रस्तुति अपने आप में ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक संगीत कार्यक्रम नहीं बल्कि उन भावनाओं को समर्पित आयोजन है जो भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान लाखों लोगों ने महसूस की थीं। इम्तियाज अली ने बताया कि उनकी आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित एक भावनात्मक और प्रेम कहानी है। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग पंजाब के 14 जिलों में की गई है और इसमें पंजाब की संस्कृति, इतिहास और भावनाओं को खूबसूरती से दर्शाया गया है।

ट्विशा शर्मा मौत मामला: जेल में गिरिबाला सिंह को वीआईपी ट्रीटमेंट देने के आरोप में डिप्टी जेलर को हटाया

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में जेल में बंद सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को कथित रूप से वीआईपी ट्रीटमेंट दिए जाने के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई। डीआईजी जेल संजय पाण्डेय के निरीक्षण के बाद भोपाल केन्द्रीय जेल की डिप्टी जेलर जया यादव को हटा गया है।

जानकारी के अनुसार, जेल महानिदेशक वरुण कपूर के निर्देश पर डीआईजी (जेल) संजय पाण्डेय ने भोपाल केंद्रीय जेल का औचक निरीक्षण किया और मामले की जांच की। जांच के दौरान गिरिबाला सिंह को 2 जून को जेल भेजे जाने के बाद शुरुआती दिनों में मिली सुविधाओं को लेकर सुरक्षा में तैनात जेल प्रहरियों एवं अधिकारियों से पूछताछ की गई। साथ ही ट्विशा के पति समर्थ सिंह की सुरक्षा और सुविधाओं की भी जानकारी ली गई। जांच में सामने आया कि 2 जून की रात सामान्य व्यवस्थाएं थीं, लेकिन 3 और 4 जून को गिरिबाला सिंह को ब्लैक कॉफी सहित अन्य खाद्य

सामग्री उपलब्ध कराई गई। इसके बाद उम्र का हवाला देकर स्वास्थ्य परीक्षण की मांग की गई और उन्हें महिला बैरक स्थित अस्पताल वार्ड में भर्ती कर दिया गया। जबकि समर्थ सिंह पैर में चोट के कारण पहले से ही पुरुष बैरक के बी-खंड स्थित अस्पताल वार्ड में भर्ती थे और उन्हें न्यायालय के निर्देशानुसार चिकित्सकीय सुविधा दी जा रही थी। डीआईजी जेल संजय पाण्डेय ने गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह को जेल में मिली सुविधाओं तथा कथित वीआईपी ट्रीटमेंट संबंधी जांच रिपोर्ट तैयार कर महानिदेशक जेल वरुण कपूर को सौंप दी है। बताया जा रहा है कि गिरिबाला सिंह को किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या के बिना केवल उम्र अधिक होने के आधार पर अस्पताल वार्ड में शिफ्ट किया जाना जेल प्रशासन की गंभीर लापरवाही माना गया है।

एफएम नेटवर्क का विस्तार है आकाशवाणी की प्राथमिकता : राजीव कुमार जैन

एजेंसी

नई दिल्ली। एक दौर था, जब खेत-खलिहानों से लेकर घर और दफ्तरों तक आकाशवाणी के ही सुर गूंजते थे। तब लगता था कि संगीत की लहरियों पर पूरा देश झूम रहा है। जब कोई समाचार या संदेश प्रसारित किया जाता था, तब माना जाता था कि संदेशों के जरिए देश को संबोधित किया जा रहा है। आकाशवाणी ने अबतक की अपनी यात्रा में समाचार और सूचनाएं दी हैं। संकट के क्षणों में राष्ट्र को आगाह भी किया है। खेती-बाड़ी से लेकर शिक्षा जगत से जुड़ी जरूरी और फायदेमंद सूचनाएं भी दी हैं और लोगों का मनोरंजन भी किया है। अपनी सहज उपलब्धता और तकनीक के जरिए देश के हर वर्ग, हर आयु के लिए आकाशवाणी के सुर सजते रहे हैं।

आकाशवाणी अपनी स्थापना 8 जून, 1936 के समय से ही देश की धड़कन बनी हुई है। यही आकाशवाणी 8 जून, 2026 को अपनी गौरवशाली यात्रा के 90 वर्ष पूरे करने जा रही है। दूसरे शब्दों में कहें, तो आकाशवाणी हमारा 90 वर्षों का हमसफर है। इस अहम मौके पर हिन्दुस्थान समाचार ने आकाशवाणी के महानिदेशक राजीव कुमार जैन से विशेष बातचीत की। प्रस्तुत है संजीव कुमार से बातचीत के प्रमुख अंश। आकाशवाणी की 90 वर्षों की गौरवशाली यात्रा के लिए आपको बधाई। आकाशवाणी ने अब तक कई सोपान पूरे किए हैं। इस मौके पर आप क्या कहना चाहेंगे?

महानिदेशक - बधाई आपको भी..आकाशवाणी को यहां तक पहुंचाने में हमारे प्रोग्राम प्रोड्यूसरों, तकनीशियनों और इंजीनियरों के साथ इससे जुड़े रहे हर शख्स का योगदान है, लेकिन चाहे इंजीनियर हों या फिर प्रोग्राम बनाने वाले हमारे प्रतिभाशाली और योग्य लोग या फिर तकनीशियन..उन्होंने अपनी पूरी ऊर्जा देश के सूचना संपन्न बनाने, राष्ट्र का मनोरंजन करने, हमारे संगीत, हमारे गायन और वादन जैसी ललित कलाओं से दुनिया को परिचित कराने में बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने यह सब देश के लिए किया, देश के लोगों के लिए किया, इसलिए आकाशवाणी की नब्बे साल की यह यात्रा सिर्फ आकाशवाणी या प्रसार भारती या फिर उसके कर्मचारियों-अधिकारियों, तकनीशियनों और प्रोग्राम बनाने वालों के लिए ही गर्व का क्षण नहीं है, बल्कि देश के लिए गौरव की बात है। खास बात यह है कि देश के लोगों ने भी आकाशवाणी को अपना हमसफर माना। इसे प्यार किया और सराहा है। लोगों के प्यार की वजह से ही हम इस सोपान तक पहुंचे हैं। महानिदेशक- नब्बे साल पहले जब भारतीय परिदृश्य में 'ऑल इंडिया रेडियो' के रूप में रेडियो आया, उस समय यह नया माध्यम था। 8 जून, 1936 को जब इसकी स्थापना हुई थी, तब इसे 'ऑल इंडिया रेडियो' के नाम से ही जाना जाता था। 1956 में पंडित नरेंद्र शर्मा के सुझाव पर इसका नाम 'आकाशवाणी' रखा गया। जब 'ऑल इंडिया रेडियो' की स्थापना हुई थी, तब आज की तरह अखबार ना तो चमकीले थे और न ही उनकी छपाई आज की तरह सुरूचिपूर्ण थी।

विद्यार्थी परिषद् ने देश में सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना का वातावरण बनाया : सुनील आंबेकर

एजेंसी

शिमला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि छात्रों ने हमेशा विपरीत परिस्थितियों में कार्य करते हुए राष्ट्र जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया है। छात्रों को राष्ट्र हित में एक जुट करने का कार्य अपनी स्थापना काल से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् करता रहा। जिन मुद्दों को लेकर विद्यार्थी परिषद वर्षों से जनजागरण कर रही थी, उनमें से कई आज वास्तविकता बन चुके हैं। सुनील आंबेकर अ. भा. विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा आयोजित 'स्मृति 2026-वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। आंबेकर ने विद्यार्थी परिषद् के आंदोलनों और मांगों के बारे कहा कि धारा 370 को हटाने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही थी और आज यह हट चुकी है। कश्मीर में आतंकवाद समाप्ति के कगार पर है तथा पूर्वोत्तर राज्यों, विशेषकर मिजोरम में भी परिस्थितियों में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि परिषद के कार्यों का प्रभाव समाज जीवन के

विभिन्न क्षेत्रों में दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि एक समय पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में नक्सलवाद का व्यापक प्रभाव था, लेकिन विद्यार्थी परिषद ने जागरूकता और वैचारिक संघर्ष के माध्यम से इस विचारधारा को अन्य क्षेत्रों में फैलने से रोकने का कार्य किया। सकारात्मक वातावरण निर्माण में परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और यह कार्य आगे भी निरंतर जारी रखना होगा। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का उल्लेख करते हुए आंबेकर ने कहा कि इसका मूल उद्देश्य देश के सांस्कृतिक प्रतीकों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना था। इस आंदोलन ने देश में व्यापक सांस्कृतिक जागरण का कार्य किया, जिसके प्रभाव को समझने से अनेक सामाजिक और राष्ट्रीय प्रश्नों के उत्तर मिल सकते हैं। आंबेकर ने अमरनाथ यात्रा और बालटाल भूमि आंदोलन का उदाहरण देते हुए कहा कि जब समाज किसी विषय पर एकजुट होता है तो उसके समाधान का मार्ग भी सहज हो जाता है। उन्होंने कहा कि देश में जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह बहुत पुराना नहीं है बल्कि समाज और राष्ट्रवादी संगठनों के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज भारत माता की जय का उद्घोष पूरे देश में सहज रूप से सुनाई देता है। विद्यार्थी परिषद के लिए यह कार्य विशेष महत्व का रहा क्योंकि संगठन युवाओं के बीच कार्य करता है। उन्होंने कहा कि पहले भारत की बात करने पर प्रश्न उठाए जाते थे, जबकि आज समाज अपेक्षा करता है कि राष्ट्रीय विषयों पर संगठन और अधिक सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि भारत के पास जब भी शक्ति आई है, उसका उपयोग मानवता और समाज के कल्याण के लिए हुआ है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत को अपनी सोच और दृष्टिकोण के अनुरूप गति तेज करनी होगी, तभी वह विश्व को नेतृत्व प्रदान कर सकेगा। इसके लिए स्वयं से शुरूआत करनी होगी। समाज में परिवर्तन दूसरों से अपेक्षा करने से नहीं, बल्कि स्वयं बदलाव लाने से शुरू होता है। जब कोई सकारात्मक प्रयास सफल होता है तो पूरा समाज उसका अनुसरण करता है।

कोलकाता में अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर बाइक रैली में शामिल हुए दिलीप घोष

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता में अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कोलकाता पुलिस और अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की ओर से एक विशेष बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में भाजपा नेता दिलीप घोष भी शामिल हुए। रैली की शुरुआत अमेरिकी वाणिज्य दूतावास से हुई। इसके बाद बाइक सवारों ने विक्टोरिया मेमोरियल, प्रिंसेप घाट और लालबाजार का चक्कर लगाया और फिर वापस अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पहुंचकर रैली का समापन किया। कार्यक्रम में अमेरिकी महावाणिज्यदूत कैथी जाईलश-डियाज, अमेरिकी सैनिकों के साथ कोलकाता पुलिस के महिला और पुरुष अधिकारी भी मौजूद रहे। रैली में अमेरिकी कंपनी की प्रसिद्ध हार्ले-डेविडसन मोटरसाइकिलों का उपयोग किया गया। इस अवसर पर दिलीप घोष ने कहा कि भविष्य में भारत और विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में सुपरबाइक चलाने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छी और सुरक्षित सड़कें बनने से देश-विदेश की विभिन्न सुपरबाइकों को यहां चलाने का अवसर मिलेगा।

नशा मुक्त समाज ही स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र की मजबूत नींव : शिवराज सिंह

एजेंसी

विदिशा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को जनआंदोलन बनाने के लिए गांव-गांव में समितियों का गठन किया जाएगा और व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज ही स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र की मजबूत नींव होता है, इसलिए इस अभियान को समाज के हर वर्ग का सहयोग मिलना आवश्यक है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान विदिशा के मेडिकल कॉलेज में निशुल्क कैंसर जांच शिविर के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने नशा मुक्ति अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हम सब मिलकर नशे के खिलाफ ऐसी सामाजिक शक्ति खड़ी करेंगे, जो आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य दे सके। उन्होंने नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि इच्छुक लोग 8929629475 पर मिस्ड कॉल देकर या फिर www.shivrajsinghchouhan.co.in वेबसाइट पर जाकर 'Ask Shivraj' कैटेगरी में अपना पंजीयन करा सकते हैं। दरअसल, विदिशा मेडिकल कॉलेज में केन्द्रीय कृषि मंत्री

चौहान की पहल पर यह दो दिवसीय निशुल्क कैंसर जांच शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विदिशा संसदीय क्षेत्र सहित दूसरे जिलों के मरीजों की भी कैंसर जांच की गई। उन्होंने कहा कि यह सेवा का महायज्ञ लगातार आगे बढ़ रहा है और जांच के दौरान बड़ी संख्या में कैंसर के संदिग्ध मामलों का सामने आना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि केवल जांच और परामर्श तक यह अभियान सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रत्येक मरीज के उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान टाटा मेमोरियल अस्पताल और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम भी मौजूद रही। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि, जांच के लिए आने वाले हर मरीज का पूरा रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है और उनके मोबाइल नंबर दर्ज कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि, अब सभी मरीजों का वर्गीकरण कर यह तय किया जाएगा कि किसे कीमोथेरेपी, किसे रेडियोथेरेपी, किसे बायोप्सी और सर्जरी की आवश्यकता है। डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम मरीजों की स्थिति के अनुसार उपचार की रूपरेखा तय करेगी और संबंधित अस्पतालों को चिन्हित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र मरीजों का उपचार कराने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर अन्य व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएंगी।

हमारा लक्ष्य है कि कोई भी मरीज उपचार से वंचित न रहे और प्रत्येक बहन-भाई का इलाज पूरी जिम्मेदारी के साथ कराया जाए। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि जांच के दौरान यह साफ हुआ है कि विशेष रूप से महिलाओं में कैंसर के प्रति जागरूकता का अभाव है। संकोच और जानकारी की कमी के कारण कई महिलाएं समय रहते अपनी समस्या नहीं बतातीं, जिससे बीमारी गंभीर रूप ले लेती है। उन्होंने कहा कि स्तन कैंसर और गर्भाशय कैंसर जैसी बीमारियों की शुरुआती अवस्था में पहचान संभव है, लेकिन जांच नहीं होने से उपचार में देरी हो जाती है।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक में नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं को दिया संगठन विस्तार का मंत्र

एजेंसी

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के झारखंड प्रवास के दूसरे दिन रांची जिले के कुच्चू स्थित प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के पैतृक आवास पर महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पूर्व जनप्रतिनिधियों, चुनावी प्रत्याशियों और संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान संगठन की मजबूती, आगामी राजनीतिक चुनौतियों, कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा झारखंड में भाजपा के विस्तार को लेकर व्यापक चर्चा की गई। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक तथा वर्ष 2024 के चुनावों में पार्टी के प्रत्याशी शामिल हुए। इसके अलावा संगठनात्मक दृष्टिकोण से रांची जिले के तीनों संगठनात्मक जिलों के कार्यसमिति सदस्यों ने भी बैठक में सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी के विभिन्न स्तरों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय को मजबूत करना तथा भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना था। वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा की ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक और

अधिक मजबूत बनाने, आम जनता के बीच पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा जनसरोकार से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। भाजपा अध्यक्ष ने विकसित भारत के संकल्प के साथ विकसित झारखंड के लक्ष्य को भी रेखांकित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, राज्य के विकास से जुड़े मुद्दों और संगठनात्मक विस्तार के महत्व पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के सभी वर्गों तक पहुंच बनाकर पार्टी के जनाधार को और मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक में नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय संवाद भी हुआ, जिसमें संगठन की वर्तमान स्थिति, आगामी कार्यक्रमों और राजनीतिक परिस्थितियों पर विचार-विमर्श किया गया। पार्टी नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं को आने वाले समय की चुनौतियों के लिए तैयार रहने और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने का संदेश दिया। बैठक के दौरान नितिन नवीन ने प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के आवास पर ही अल्पाहार किया और उनके परिवारजनों से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने संगठन में पारिवारिक और वैचारिक मूल्यों की भूमिका पर भी चर्चा की। पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, अर्जुन मुंडा, मधु कोड़ा, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र राय, दीपक प्रकाश, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, विधानसभा में मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित भारत में समाज की होगी बड़ी भूमिका : ओम बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत आज दुनिया में अवसरों की सबसे बड़ी भूमि के रूप में उभर रहा है। विशाल बाजार, युवा शक्ति और नवाचार की अपार संभावनाओं के बल पर देश विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठन, उद्योग जगत, व्यापारी समुदाय और युवा उद्यमी सामूहिक प्रयासों से इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समाज आगे बढ़ेगा तो देश भी आगे बढ़ेगा। बिरला आज माहेश्वरी इंटरनेशनल बिजनेस फाउंडेशन (एमआईबीएफ) की ओर से आयोजित 'माहेश्वरी और विकसित भारत-2047' कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस जेके माहेश्वरी, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अध्यक्ष संतोष कुमार लोहाटी, एमआईबीएफ के संस्थापक अध्यक्ष प्रशांत माहेश्वरी, दीपक माहेश्वरी, उद्योगपति आनंद राठी, पूर्व सांसद श्याम जाजू सहित तमाम लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष का सम्मान किया गया तथा प्रकाश पांडे द्वारा लिखित कोठारी बंधुओं पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश के विकास में माहेश्वरी समाज की गौरवशाली विरासत, इतिहास और योगदान महत्वपूर्ण रहा है। समाज ने व्यापार, उद्योग, सेवा और सामाजिक कार्यों के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। समाज की प्रतिष्ठा से ही व्यक्ति की प्रतिष्ठा बढ़ती है और समाज के संस्कार ही व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 का लक्ष्य केवल सरकारों के प्रयासों से पूरा नहीं होगा, बल्कि विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संस्थाओं और उद्यमियों के सामूहिक योगदान से इसे साकार किया जा सकेगा। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को एक मंच पर लाकर विचार-विमर्श, सहयोग और समन्वय के माध्यम से नई संभावनाओं का निर्माण किया जा सकता है। बिरला ने कहा कि आज भारत के पास दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक है और यहां व्यापार, उद्योग, स्टार्टअप, सेवा क्षेत्र तथा नवाचार के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। व्यापार और उद्योग से जुड़े लोग केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि लाखों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य भी करते हैं।

भारतीय टीम की सबसे बड़ी टेस्ट जीत, अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हराया

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन ही अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हरा दिय। इस मैच में अफगानिस्तान की टीम फॉलोऑन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में भी केवल 112 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं वह पहली पारी में 152 रनों पर आउट हो गयी थी, भारत की ओर से सबसे अधिक 6 विकेट मानव सुधार ने लिए। फॉलोऑन खेलने उतरी अफगानिस्तान की टीम दूसरी पारी में भी केवल 112 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। ऐसे में उसे पहली पारी के आधार पर 412 रनों की बढ़त मिली थी। इसके बाद भारतीय टीम ने अफगान टीम को फॉलोऑन के लिए बुलाया। अफगान टीम दूसरी पारी में भी टिक नहीं पायी और केवल 112 रन ही बना पायी। सलामी बल्लेबाज सिद्दीकुल्लाह अटल ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम की ओर से सुंदर ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। कुलदीप यादव ने 3 विकेट, मोहम्मद सिराज ने 1 विकेट और मानव सुधार ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। भारत की ओर से अपना पहला टेस्ट खेल रहे स्पिनर मानव सुथार ने इस मैच में काफी अच्छी गेंदबाजी कर कुल 7 विकेट लिए। सुधार ने पहली पारी में 22 ओवर में 33 रन देकर छह विकेट लिए जबकि दूसरी पारी में एक विकेट लिया। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने अफगानिस्तान की दूसरी पारी में चार विकेट जबकि कुलदीप यादव ने तीन विकेट लिए। इस मैच में जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पारी और रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत 300 रनों से हासिल की है। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी और 272 रनों से जीत हासिल की थी।

इस मैच में भारतीय टीम पूरी तरह से हावी रही। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने शतक लगाये जबकि साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने अर्धशतक लगाया। शुभमन ने 15 चौके और 1 छक्के की मदद से 126 रनों की पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 11 चौके लगाकर 100 रन बनाए। साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने 81-81 रन जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 52 रन बनये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी अफगान टीम सुधार की फिरकी में उलझ गयी और पहली पारी में 152 रन ही बना पायी। केवल रहमत शाह ही 60 रनों की पारी खेली जबकि बाकी सभी बल्लेबाज विफल रहे। सुथार ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए जबकि प्रसिद्ध

कृष्णा ने 3 जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन टेनिस खिताब जीता

पेरिस (एजेंसी)। जर्मन के टेनिस स्टार अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के फ्लावियो कोबोली को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 का पुरुष एकल खिताब जीत लिया है। ज्वेरेव ने खिताबी मुकाबले में कोबोली को 4 घंटे 16 मिनट तक चला, जिसमें ज्वेरेव ने कोबोली को 6-1, 4-6, 6-4, 6-7 (5-7), 6-1 से जीत दर्ज की। इसी के साथ ही जर्मन खिलाड़ी ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब भी जीत लिया। पेरिस के प्रतिष्ठित रोलां गैरोस में खेला गया यह ऐतिहासिक मुकाबला 4 घंटे 16 मिनट तक चला। इस मैच में दूसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव शुरुआत से ही हावी रहे। पहले सेट में अपनी सर्विस और फोरहैंड का शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मन खिलाड़ी ने 6-1 से जीत दर्ज की। 10वीं वरीयता प्राप्त कोबोली ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए ज्वेरेव को कड़ी टक्कर दी। कोबोली ने हुए दूसरा सेट 6-4 से जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। तीसरे सेट में ज्वेरेव ने एक बार फिर वापसी करते हुए हुए 6-4 से बढ़त बना ली। चौथा सेट बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा। इसमें दोनों खिलाड़ियों ने पूरी ताकत लगा दी। ये सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा, जहां कोबोली ने 7-5 से जीत हासिल की और मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक पहुंचा दिया। इसके बाद ज्वेरेव की हार तय लग रही थी पर पांचवें सेट में, ज्वेरेव ने अपने अनुभव क इस्तेमाल करते हुए कोबोली की सर्विस दो बार तोड़ी और लगातार अंक हासिल हुए 6-1 से यह सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

यह जीत ज्वेरेव के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे पहले वह तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में हारे हैं। वह 2020 यूएस ओपन, 2024 फ्रेंच ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जीत के करीब पहुंचकर भी हार गए थे। इस बार जर्मन खिलाड़ी ने मानसिक मजबूती बनाये रखकर मुकाबले में जीत दर्ज की। इसी के साथ ही ज्वेरेव फ्रेंच ओपन के ओपन एरा में खिताब जीतने वाले पहले जर्मन पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले, 1937 में जर्मनी के हेनर हेन्केल ने रोलां गैरोस का खिताब जीता था। इस लिहाज से, ज्वेरेव ने 89 साल के लंबे इंतजार को समाप्त करते हुए ये ट्रॉफी जीती है।

मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं सूर्यकुमार, केकेआर या सीएसके जाने की संभावना

मुम्बई (एजेंसी)। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अब आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं। सूर्या के बाहर किये जाने की अटकलों को इस लिए भी बल मिल रहा है क्योंकि उन्होंने सोशल मीडिया में मुंबई इंडियंस को अनफॉलो कर दिया है। इतना ही नहीं, उनके अकाउंट से मुंबई इंडियंस की जर्सी वाली तस्वीरें भी हट गयी हैं। इससे ये साफ होता है कि सूर्या अब मुम्बई इंडियंस से नहीं खेलेंगे।

सूर्यकुमार को हाल ही में इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया और उनसे कप्तानी से भी हटा दिया गया। गौरतलब है कि इस आईपीएल सत्र में भी मुंबई इंडियंस के लिए भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उन्हें पिछली बार मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस ने 16.25 करोड़ रुपये में बरकरार रखा था जिस पर इस बार भी बरकरार रख गया था। वह साल 2018 से ही लगातार मुंबई इंडियंस का अहम हिस्सा रहे हैं पर जिस प्रकार से उनका प्रदर्शन खराब हुआ है। उससे अब लगता है कि मुम्बई भी उन्हें आगे बनाये नहीं रखना चाहती।

ऐसे में अब कई रिपोर्ट्स ये दावा कर रही हैं कि अगर सूर्यकुमार मुंबई से बाहर जाते हैं तो वह अपनी पुरानी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) जा सकते हैं। केकेआर को भी अपने लिए एक बेहतर कप्तान और शीर्ष क्रम में एक अनुभवी भारतीय बल्लेबाज की जरुरत है। कोलकाता के अलावा सूर्या चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) भी जा सकते हैं। इसका कारण है कि सीएसके भी एक बेहतर बल्लेबाज की तलाश में है।

मुंबई के लिए उन्होंने अब तक कुल 127 मैचों में 4020 रन बनाए हैं, जिसमें दो शानदार शतक भी शामिल हैं। वहीं केकेआर के लिए अपने पहले कार्यकाल में सूर्या ने 60 मैचों में 684 रन बनाए थे, जिसमें चैंपियंस लीग टी20 के 127 रन भी शामिल हैं।

महंगी कीमतों से फीफा विश्व कप 2026 के प्रति प्रशंसकों का आकर्षण घटा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से शुरु होने जा रहे फीफा विश्वकप फुटबॉल को लेकर प्रशंसकों में वैसा उत्साह नहीं दिखता जो आम तौर पर देखा जाता है। इस कारण विश्वकप के महंगे टिकट, तीन देशों के बीच यात्रा का अत्यधिक खर्च और अमेरिका में प्रवेश संबंधी दिक्कतें हैं। इससे प्रशंसक घर से ही मैच देखना चाहते हैं।

इंग्लैंड के एक ऐसे ही प्रशंसका का कहना है कि उससे पिछले चार विश्व कप देखें पर इस बार वह यूरोप में ही रहकर टूर्नामेंट के कुछ मुकाबलों का आनंद पुर्तगाल के समुद्र तट पर लगी स्क्रीन में उठाएगा। वहीं अर्जेंटीना के प्रशंसक ने कहा कि वह इस बार केवल दो मैच देखकर ही स्वदेश लौट जाएगा। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि इस बार पहले की तादाद में कम प्रशंसक विश्वकप में दिखेंगे। विश्व कप के दौरान अपनी टीम का समर्थन करने के लिए लंबी छुट्टियां लेकर विदेश यात्रा करने वाले प्रशंसक आमतौर पर धानी वर्ग से आते हैं पर पिछले टूर्नामेंटों में सीमित साधनों वाले प्रशंसक भी वर्षों तक बचत कर इस विश्वकप में पहुंच जाते थे पर इस

बा कीमतें अधिक होने से उनकी कमी रहेगी।

पिछली बार, ग्रुप चरण के सबसे निचले श्रेणी के टिकट 69 डॉलर में उपलब्ध थे। वहीं इस बार, फीफा उन्हीं टिकटों को 265 डॉलर तक में बेच रहा है, जो चार गुना से भी अधिक की कीमत है। इसके अलावा, रूस 2018 और कतर 2022 विश्व कप में मेजबान शहरों के बीच निःशुल्क परिवहन सुविधा दी गई थी, जबकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में फैले 16 स्टेडियमों के बीच यात्रा करना कहीं अधिक महंगा साबित रहेगा। पहले, फीफा के आधिकारिक पुनर्विक्रय रीसेल मंच पर टिकट मूल कीमत से अधिक पर नहीं बेचे जा सकते थे पर इस बार, संस्था ने प्रशंसकों को अपनी इच्छानुसार ऊंची कीमत पर टिकट बेचने की अनुमति दे दी है और हर लेनदेन पर 30 फीसदी शुल्क भी वसूल रही है। वहीं फीफा का कहना है किटिकटों की अधिक कीमतों के बाद भी मांग पर विशेष असर नहीं पड़ा है। प्रशंसकों का मानन है कि इस बार कीमतें काफी अधिक हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका अब तक का सबसे खराब मेजबान साबित होगा।

ट्राई-सीरीज : इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच आज पहला मैच, सूर्यवंशी पर रहेगी नजर

मुम्बई । मंगलवार 09 जून 2026 से इंडिया ए, श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के बीच 7 मैचों की वनडे ट्राई सीरीज शुरू हो रही है। पहला मैच इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेला जाएगा और इस दौरान सभी की नजरें युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। सूर्यवंशी का क्रेज जबरदस्त है। स्क्वाड में उनका नाम घोषित होने के बाद ब्रॉडकास्टर्स ने अपनी रणनीति पर फिर से विचार किया। असल में इस सीरीज के लिए कोई ब्रॉडकास्टिंग चैनल तय नहीं था। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक BCCI की घोषणा के बाद सोनी स्पोर्ट्स मैच को लाइव दिखाने के लिए तैयार हो गया।

वैभव को अपने अनुसार खेलने दें, उसपर बेवजह दबाव न बनायें : गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी पर अभी से दबाव डालना सही नहीं है। साथ ही कहा कि वह अभी बच्चा है और उसे अपने अनुसार खेलने दें। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव को आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा है कि वैभव पर किसी तरह का बेवजह का दबाव न बनाये और उसे अपने स्वाभविक अंदाज में खेलने दें। गांगुली ने से बातचीत में प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों से विशेष तौर पर अपील की कि वे वैभव पर अनावश्यक अपेक्षाओं का बोझ न डालें। गांगुली ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें उसे उसके हाल पर छोड़ देना चाहिए। वह अभी केवल 15 साल का बच्चा है और मुझे नहीं लगता कि वह दबाव के बारे में बहुत अधिक सोचता होगा। आईपीएल में हमने देखा कि वह निडर होकर खेलता है हालांकि भारतीय टीम के लिए खेलना एक बिलकुल अलग अनुभव है, और वह उन विदेशी दौरों पर जा रहा है जहां की पिचें काफी हमारे यहां से काफी अलग होंगी।' गांगुली का मानना है कि वैभव में अपार प्रतिभा है पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत में उनसे तुरंत चमत्कारी प्रदर्शन की उम्मीद नहीं करनी चाहिये। उन्होंने जोर देकर कहा, 'उसे बस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने पैर जमाने का अवसर दें। भारत में कई अन्य खिलाड़ियों की तरह उसके पास भी जबरदस्त प्रतिभा है, इसलिए उम्मीदों का बोझ डालकर उसे परेशान न करें।' वैभव के लिए असली परीक्षा अब शुरू होगी। भारतीय टीम को 26 और 28 जून को आयरलैंड में दो टी20 मैच खेलने हैं, जिसके तुरंत बाद 1 जुलाई से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज होनी है। आईपीएल की सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों पर छक्के उड़ाना अलग बात है पर इंग्लैंड में यूनाइटेड तेज और उछल भरी पिचों पर अपने को साबित करना बिल्कुल अलग चुनौती होगी।

संन्यास के सवाल पर भड़कीं हरमनप्रीत

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय टी20 विश्वकप खेलने के लिए लंदन गयी हुई है। इसी दौरान सभी कप्तानों के लिए आयोजित एक संयुक्त पत्रकार वार्ता में संन्यास को लेकर पूछे गये सवाल पर भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भड़क गयीं। हरमनप्रीत ने उल्टे उस रिपोर्टर से ही पूछ लिया कि वह इस प्रकार के सवाल क्यों पूछ रहा है। इस बातचीत का एक वीडियो भी। सोशल मीडिया पर आया है। इसमें दिख रहा है कि हर पत्रकार वार्ता में रिपोर्टर बारी-बारी से हर कप्तान से सवाल पूछे जा रहे थे। जब भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की बारी आई, तो एक रिपोर्टर ने उनसे सीधा सवाल किया, क्या यह आपका आखिरी विश्व कप है? आप इस पर क्या कहना चाहेंगी? इस सवाल पर हरमनप्रीत ने उलटे रिपोर्टर से ही पूछ लिया। उन्होंने कहा, यह मेरा आखिरी विश्व कप क्यों? क्या आप चाहते हैं कि मैं सन्यास ले लूं? हरमनप्रीत के इस तीखे जवाब से रिपोर्टर झेंप गया। उसने तुरंत

अपनी बात संभालते हुए कहा, नहीं, मैं बस जानना चाह रहा था। मुझे यह सुनकर अच्छा लगा कि यह आपका आखिरी विश्व कप नहीं है। रिपोर्टर के इस जवाब पर भी हरमनप्रीत ने अपनी बात पूरी करते हुए पूछा, फिर आप ऐसा पूछ क्यों रहे हैं? हरमनप्रीत के इस अंदाज से पता चलता है कि वह बेहद स्पष्टवादी हैं।

गौरतलब है कि महिला टी20 विश्व कप 2026 का शुरुआती मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच 12 जून को खेला जाएगा। वहीं, भारतीय टीम अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 14 जून को परंपरागत-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। लीग स्टेज में भारत को कुल पांच मैच खेलने हैं। पाकिस्तान के बाद, भारतीय टीम का अगला मुकाबला 17 जून को नीदरलैंड्स से होगा। इसके बाद, 21 जून को भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। भारतीय टीम अपना अपना चौथा लीग मैच 25 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। वहीं अपना अंतिम मुकाबला 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। विश्वकप में कुल 12 टीमें भाग ले रही हैं, जिन्हें छह-छह टीमों के दो ग्रुप, ग्रुप ए और ग्रुप बी में बांटा गया है। भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है, जिसमें कुछ बेहद मजबूत टीमें भीशामिल हैं। इसी को लेकर हरमनप्रीत ने कहा कि टीम किसी भी प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड कर सकता है कोच और कप्तान में बदलाव ,सरफराज और शान होंगे बाहर

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पाक टीम की करारी हार से बेहद नाराज है। पीसीबी अब कोच और कप्तान में बदलाव करने जा रहा है। इसी के तहत ही पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी टीम के मुख्य कोच सरफराज खान और कप्तान शान मसूद को उनके पदों से हटाकर नये कोच और कप्तान नियुक्त करने जा रहे हैं। पीसीबी पूर्व क्रिकेटर यूनिस खान को कोच जबकि मोहम्मद हफीज को नया कप्तान बनाना चाहता है। बांग्लादेश ने हाल ही में समाप्त हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज में पाक को 2-0 से हरा दिया था। इसी को देखते हुए पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के सलाहकारों ने टेस्ट टीम में बदलाव की सलाह दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी इस समय यूनिस और ऑलराउंडर हफीज के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। बोर्ड चाहता है कि ये दोनों दिग्गज राष्ट्रीय टीम में मुख्य भूमिकाएं संभालें। यूनिस और हफीज दोनों की ही पीसीबी अधिकारियों के साथ बोर्ड में प्रमुख पदों पर शामिल होने को लेकर बात हुई है, हालांकि, अभी तक चीजों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। वहीं मुख्य कोच सरफ़राज़ खान को हटाकर बोर्ड उन्हें वापस नेशनल अंडर-19 और 'ए' टीमों के प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपना चाहता है पर सरफराज को तभी हटाया जा सकता है जब पीसीबी पूर्व कप्तान यूनिस खान के साथ किसी समझौते पर पहुंच जाएगा। वहीं यूनिस ने पीसीबी में कोई भी पद स्वीकार करने के लिए बेहद कड़ी शर्तें रखी हैं, जिन पर अभी बात चल रही है। वहीं लगातार हार के बाद मसूद की टेस्ट कप्तानी भी जाना तय है। बोर्ड उन्हें कप्तान पद से हटाने पर विचार कर रहा है, लेकिन मसूद ने बोर्ड से कुछ और समय की मांग की है। शान मसूद चाहते हैं कि आगामी वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली विदेशी टेस्ट सीरीज में उन्हें टीम का नेतृत्व करने का एक और मौका दिया जाए। पाकिस्तान को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच 25 जुलाई से ब्रायन लारा क्रिकेट एकेडमी में खेलना है, जो मसूद के भविष्य के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। दूसरी ओर, मोहम्मद हफीज को मुख्य चयनकर्ता और 'हेड ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेट' जैसे बड़े पदों के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

ब्राजील ने चोटिल वेस्ली की जगह अपनी विश्वकप टीम में एडरसन को किया शामिल

ब्रासीलिया । ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने चोटिल डिफेंडर वेस्ली की जगह अपनी विश्वकप टीम में मिडफील्डर एडरसन को शामिल किया है। मिस्र के खिलाफ शनिवार को ब्राजील की 2-1 से मैत्री जीत में खेलने वाले वेस्ली को बाएं पैर की जांघ की मांसपेशी में खिंचाव के कारण बाहर होना पड़ा। बाद में मेडिकल टेस्ट से पुष्टि हुई कि इस चोट के कारण रोमा के विंग-बैक खिलाड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। ब्राजीलियन फुटबॉल परिसंघ (CBF) ने जारी एक बयान में कहा कि वेस्ली 'टीम के बहुत चहेते' हैं और वर्ल्ड कप में न खेल पाने के बावजूद उन्हें टीम की भविष्य की योजनाओं का हिस्सा माना जाएगा। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने पुष्टि की है कि अंतिम मंजूरी मिलने के बाद अटलांटा के एडरसन को 26 खिलाड़ियों वाली टीम में उनकी जगह बुलाया जाएगा। उम्मीद है कि एडरसन सोमवार को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में राष्ट्रीय टीम के ट्रेनिंग कैंप में शामिल होंगे। 26 वर्षीय एडरसन ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए तीन बार सीनियर स्तर पर खेल चुके हैं, जिसमें लगभग दो साल पहले मैक्सिको के खिलाफ एक मैत्री मैच में शुरुआती लाइन-अप में शामिल होना भी शामिल है। वह कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका में होने वाले विश्वकप में खेलने वाले 60 से अधिक सीरी-ए खिलाड़ियों में से एक हैं। ब्राजील अपने विश्व कप ग्रुप सी अभियान की शुरुआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगा, इसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच होंगे।

फ्लोरेंटिनो पेरेज चुनाव जीते, साल 2030 तक रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट बने रहेंगे

मैड्रिड रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट फ्लोरेंटिनो पेरेज को एक बार फिर चुनावों में जीत हासिल हुई। दो दशक के बाद हुए इन चुनावों के बाद अब वह साल 2030 तक के लिए रियल के प्रेसिडेंट बने रहेंगे। 79 वर्षीय पेरेज को अब अगले चार साल तक क्लब संभालने की जिम्मेदारी मिल गयी है। वहीं क्लब के इलेक्टोरल बोर्ड द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पेरेज को कुल वोटों में से 65 फीसदी हासिल किये। उन्हें 21,741 सोसियोस (क्लब के सदस्य-मालिक) के वोट मिले। वहीं उनके विरोधी 37 वर्षीय रिन्यूएबल एनर्जी एंटरप्रेन्योर एनरिक रिक्वेल्मे को केवल 11,814 वोट ही मिले, जो कुल वोटों का 35 फीसदी था। रियल मैड्रिड के इलेक्टोरल बोर्ड ने 100 फीसदी इन-पर्सन और मेल-इन वोटों की गिनती के बाद घोषणा की कि पेरेज की टीम ने रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव जीत लिए हैं। रियल मैड्रिड सिटी बास्केटबॉल पवेलियन में कुल 33,555 सदस्यों ने इन-पर्सन और मेल-इन बैलेट के जरिए मतदान किया। दोबारा चुने जाने के बाद, पेरेज ने अपनी जीत को एक बहुत अच्छा परिणाम बताया। उन्होंने कहा, हम चुनाव जीत गए हैं और खिताब जीतते रहने के लिए काम करते रहेंगे। हमने सभी पोलिंग स्टेशन पर जीत हासिल की है और रियल मैड्रिड के चुनावों के इतिहास में दूसरा सबसे बेहतरीन परिणाम दर्ज किया है। फ्लोरेंटिनो पेरेज की इस जीत के साथ ही रियल मैड्रिड में अब बड़े बदलाव की तैयारी है। उनकी वापसी का मतलब है कि सोमवार को जोस मोरिन्हो को क्लब का नया मैनेजर आधिकारिक रूप से घोषित किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, मोरिन्हो को टीम में वापस लाने के लिए रियल मैड्रिड पुर्तगाली क्लब बेनफिका को 1.5 करोड़ यूरो (15 मिलियन यूरो) की रिलीज फीस का भुगतान करेगा।

ऑस्ट्रेलिया ओपन:सिंधू की निगाह खिताब पर, पुरुष वर्ग में आयुष करेंगे अगुवाई

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से यहां शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगी, जबकि उभरते सितारे आयुष शेट्टी पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कवायद में हैं।

पूर्व विश्व चैंपियन का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा है। सिंधू को यहां अनुकूल ड्रॉ मिला है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का पहला मैच पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका सामना हमवतन इशारानी बरुआ और चीन की हान कियान शी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिंधू पिछले सप्ताह इंडोनेशिया ओपन में राउंड-ऑफ-16 में पहुंची थी जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था।

अगर सिंधू सेमीफाइनल तक पहुंचती है तो वहां उनका सामना जापान की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से हो सकता है। फाइनल में उनका मुकाबला थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से हो सकता है। महिला एकल ड्रॉ में ही तन्वी शर्मा का सामना चीनी ताइपे की पांचवीं वरीयता प्राप्त चियू पिन-चियान से, जबकि मालविका बंसोड़ का मुकाबला मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा।

अनमोल खरब को जापान की पूर्व विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। आकर्षी कश्यप का मुकाबला मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से, जबकि तान्या हेमंत का अमेरिका की इशिका जायसवाल से होगा। पुरुष एकल में विश्व के 20वें नंबर के खिलाड़ी और यहां छठी वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी अपना पहला मैच क्वालीफायर के खिलाफ खेलेंगे। एचएस प्रणय का मुकाबला इंडोनेशिया के मोहम्मद जाकी उबा से होगा, जबकि किरण जॉर्ज पहले दौर में मलेशिया के जस्टिन होह का सामना करेंगे।

पुरुष युगल में इंडोनेशिया ओपन में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन को पहले दौर

में चीनी ताइपे के ली फांग-चिह और ली फांग-जेन की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अच्युतादित्य राव डोड्डावारापू और पोचना अर्जुन रेड्डी का मुकाबला चीन के हुआंग डि और लियू यांग से होगा। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में कोई भी भारतीय जोड़ी भाग नहीं ले रही है। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी हांगकांग के चान यिन चक और एनजी त्स यौ के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।

हॉलीवुड स्टार से बेटी की तुलना पर खुश होती हैं महिमा चौधरी

महिमा चौधरी अपनी बेटी को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही उन पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है, जिनमें उनकी बेटी एरियाना मुखर्जी की तुलना अमेरिकी एक्ट्रेस मिका अब्दुल्ला से की जा रही है। कई फैंस तो 'ऑफ कैंपस' की स्टार मिका को एरियाना की हमशक्ल भी कह रहे हैं। सोशल मीडिया पर एरियाना चौधरी और मिका अब्दुल्ला के बीच तुलना को लेकर खूब चर्चा है। मिका, प्राइम वीडियो की पॉपुलर सीरीज 'ऑफ कैंपस' में ऐली हेस का किरदार निभाती हैं। कई यूजर्स ने यह भी बताया कि मिका काफी हद तक महिमा चौधरी के जवानी के दिनों की तरह दिखती हैं।

एरियाना ने नहीं शुरू की एक्टिंग

इस वायरल ट्रेंड पर हंसते हुए महिमा ने बताया कि उनके दोस्त, परिवार और फैंस लगातार उन्हें इस हॉलीवुड एक्टर के क्लिप और स्क्रीनशॉट भेज रहे हैं। महिमा चौधरी ने हिंदुस्तान टाइम्स से कहा, 'हां, मुझे पता है। मुझे वह (एरियाना) बहुत पसंद है, वह कमाल की है। दो अलग-अलग महाद्वीपों के लोगों में इतनी जबरदस्त समानता कैसे हो सकती है? यह समानता इतनी ज्यादा चर्चा का विषय बन गई कि कुछ लोगों को तो यह भी लगने लगा कि एरियाना ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रख दिया है। मैंने उन्हें बताया कि उनसे अभी एक्टिंग नहीं शुरू की है।'

तुलना पर खुश हैं महिमा

महिमा ने कहा कि उन्हें ये तुलनाएं प्यारी लगती हैं। उन्होंने कहा 'किसी इतने प्यारे इंसान को देखना और यह सुनना कि आप दोनों एक जैसे दिखते हैं, बहुत अच्छा लगता है। मैं इस समानता से बहुत उत्साहित हूं क्योंकि मुझे वह बहुत प्यारी लगती है। अगर लोग कहते हैं कि मैं उसके जैसी दिखती हूं या एरियाना उसके जैसी दिखती है, तो मैं बहुत खुश होती हूं।

अल्फा किलर बनकर दुश्मनों का सफाया करेंगी आलिया भट्ट

यशराज फिल्म्स की आगामी स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट एक स्पाई की भूमिका निभाती नजर आएंगी। प्रोडक्शन टीम के करीबी सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि अभिनेत्री आलिया भट्ट एक दमदार और घातक किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने कहा, 'वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में 'अल्फा किलर' की भूमिका में दिखाई देंगी, जिसे केवल दुश्मनों का सफाया करने के लिए तैयार किया गया है और विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।' सूत्रों के मुताबिक, वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा इस बार दर्शकों के सामने एक बिल्कुल नया और आकर्षक नायक प्रस्तुत करना चाहते हैं, जिसे लोग उसके सही या गलत कार्यों के आधार पर न आंकें, बल्कि उसे ऐसे व्यक्ति के रूप में देखें जो अपनी शर्तों पर जीवन जीता है और वही करता है जो उसे सही लगता है।

सूत्रों ने बताया, 'आज के समय में नायक-नायिका को देखने का यह एक बिल्कुल नया नजरिया है, क्योंकि दर्शक पर्दे पर रोमांचक और मनोरंजक किरदार देखना चाहते हैं। 'अल्फा' में आलिया का किरदार भी कुछ ऐसा ही होगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'इस फिल्म के जरिए आदित्य चोपड़ा अपने स्पाई यूनिवर्स में एक बड़ा रचनात्मक बदलाव करने जा रहे हैं, जिसकी इस फ्रेंचाइजी को काफी समय से जरूरत थी। यह पहली बार होगा जब इस यूनिवर्स की कोई फिल्म पूरी तरह एक महिला प्रमुख किरदार के दमदार एक्शन और उसकी कहानी पर आधारित होगी।' वाईआरएफ के प्रवक्ता ने आईएएनएस से कहा, 'हम फिलहाल केवल इतना ही कह सकते हैं कि सभी को 'अल्फा' के पहले टीजर या झलक का इंतजार करना चाहिए। इस समय हम इन चर्चाओं की न तो पुष्टि कर सकते हैं और न ही इनसे इनकार कर सकते हैं।' यश राज फिल्म्स की बहुचर्चित स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-प्रधान फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट के साथ शरवरी वाघ भी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि बॉबी देओल इसमें मुख्य खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे।

मिलाप जावेरी की रोमांटिक फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' डेब्यू कर रहे हैं अमन इंद्र कुमार

पिछले साल 'एक दीवाने की दीवानियत' जैसी रोमांटिक फिल्म देने वाले निर्देशक मिलाप जावेरी अब एक और रोमांटिक फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म से निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। फरवरी में जारी हुए फिल्म के फर्स्ट लुक के बाद अब फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। मेकर्स ने आज फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म का एक पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने ये कंफर्म किया कि 'तेरा यार हूं मैं' 31 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इसके साथ ही कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'प्यार, दोस्ती, इमोशन और संगीत के लिए तैयार हो जाइए। तेरा यार हूं मैं 31 जुलाई को सिनेमाघरों में आ रही है।' इसके साथ ही मेकर्स ने कंफर्म किया कि फिल्म से इंद्र कुमार के बेटे अमन कुमार अपनी शुरुआत कर रहे हैं। उनके साथ आकांक्षा शर्मा इस प्यार, ड्रामा, कॉमेडी और एक्शन से भरपूर म्युजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगी।

'जिगरा' में मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों पर वेदांग रैना ने दी प्रतिक्रिया

वेदांग रैना जल्द ही इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आएंग। अभिनेता इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में वेदांग रैना ने आलिया भट्ट के साथ अपनी फिल्म 'जिगरा' को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने फिल्म में मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों पर भी प्रतिक्रिया दी और इनके पीछे की सच्चाई से रूबरू कराया।

बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई बातें

हाल ही में कर्ली टेल्स के साथ बातचीत में वेदांग से उनकी पिछली फिल्म 'जिग्रा' की तैयारी के दौरान उनके मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों के बारे में पूछा गया। 'जिगरा' के एक सीन की तैयारी के दौरान खुद को आठ दिनों तक कमरे में बंद रखने की अफवाहों पर जवाब देते हुए वेदांग ने कहा कि ये दावे बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हैं और सेट पर जो हुआ उससे बिल्कुल अलग हैं। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। अभिनेता ने स्पष्ट किया कि एक दिन शूटिंग के दौरान एक बेहद चुनौतीपूर्ण दिन था। अपनी एक्टिंग प्रोसेस को समझने के दौरान वेदांग ने खुद को अपनी वैनिटी वैन में अलग कर लिया, बत्तियां बंद कर दीं। इस दौरान सीन के लिए जरूरी इमोशनली कंडीशन में पहुंचने के लिए कुछ समय के लिए किसी से बातचीत भी नहीं की। हालांकि, मेथड एक्टिंग के तहत आठ दिनों तक खुद को बंद रखने की अफवाहें सच नहीं थीं। मैं ऐसा दोबारा कभी नहीं करूंगा।

बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं थी 'जिग्रा'

वासन बाला द्वारा निर्देशित 'जिगरा' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में वेदांग रैना ने आलिया भट्ट के भाई की भूमिका निभाई थी। 2024 में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही थी।

12 जून को रिलीज होगी 'मैं वापस आऊंगा'

वेदांग अब इम्तियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आएंगे। विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित इस प्रेम कहानी में वेदांग के साथ दिलजीत दोसांझ, शरवरी और नसीरुद्दीन शाह भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आमिर खान की 'तारे जमीन पर' जैसा महसूस कराएगी फिल्म 'भमरदो'

आज के समय में क्षेत्रीय सिनेमा लगातार नई और अलग कहानियों के जरिए दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। खास तौर पर गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी फिल्मों की संख्या बढ़ रही है, जो समाज को एक मजबूत संदेश भी देती हैं। अब इसी कड़ी में एक नई गुजराती फिल्म 'भमरदो' चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को लेकर अभिनेता हेतल पुनीवाला ने कई दिलचस्प बातें साझा की। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उनका किरदार प्रेरणादायक है। हेतल पुनीवाला ने कहा, ''फिल्म में मेरा किरदार 'भमरदो' नाम की प्रतियोगिता के बारे में बच्चों को समझाता है। वह बताता है कि अगर कोई बच्चा इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो उसे स्कॉलरशिप मिल सकती है। एक बच्चा ऐसा है, जो शुरुआत में इस खेल के बारे में कुछ नहीं जानता। उसे यह तक नहीं पता होता कि 'भमरदो' कैसे खेला जाता है। इसके बाद कहानी उस बच्चे के संघर्ष और मेहनत को दिखाती है कि कैसे वह बच्चा आर्थिक परेशानियों के बावजूद हार नहीं मानता और लगातार सीखते हुए प्रतियोगिता तक पहुंचने की कोशिश करता है।'' अपने किरदार के बारे में बात करते हुए हेतल ने कहा, 'शुरुआत में मुझे अंदाजा नहीं था कि यह रोल इतना भावुक होगा। फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स हैं, जो दर्शकों को अंदर तक महसूस होंगे। इसमें वैसी ही भावनात्मक गहराई है, जैसी लोगों ने आमिर खान की 'तारे जमीन पर' जैसी फिल्मों में महसूस की थी।''

हेतल ने कहा, ''जब फिल्म की शूटिंग शुरू हुई थी, तब मुझे पूरी कहानी के बारे में जानकारी नहीं थी। मुझे सिर्फ अपने किरदार के बारे में बताया गया था। इस वजह से मैं शुरुआत में थोड़े भ्रम में था कि आखिर फिल्म किस तरह की होगी। शूटिंग के दौरान भी मुझे कहानी का पूरा अंदाजा नहीं था। जब बाद में मैंने पूरी फिल्म देखी, तो मुझे महसूस हुआ कि यह बहुत अच्छी और दिल को छू लेने वाली फिल्म है। मुझे यकीन है कि दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी।'' अभिनेता ने एक और दिलचस्प बात साझा करते हुए बताया कि वह लगभग इस फिल्म का हिस्सा बनने से रह गए थे। दरअसल, उनकी डेट्स किसी दूसरी शूटिंग के साथ टकरा रही थीं। इसी वजह से वह फिल्म करने को लेकर असमंजस में थे। तभी मशहूर शख्सियत बाबूभाई थेबा ने उन्हें फोन किया और इस किरदार के बारे में विस्तार से समझाया। हेतल ने कहा, ''मैं बाबूभाई पर बहुत भरोसा करता हूं। जब उन्होंने किरदार की अहमियत और कहानी की भावना को समझाया, तो मैंने तुरंत फिल्म के लिए हामी भर दी।'' फिल्म की शूटिंग का अनुभव भी अभिनेता के लिए आसान नहीं रहा। हेतल ने कहा, ''शूटिंग बेहद कठिन परिस्थितियों में हुई। इसके बावजूद पूरी टीम ने हिम्मत नहीं हारी और सभी ने मिलकर शूटिंग पूरी की।

मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी है

वेब सीरीज 'चिरैया' को लेकर चर्चा में आईं दिव्या दत्ता ने कहा- क्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। उन्होंने कहा- सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली।

कई कलाकार अपने किरदारों से पहचाने जाते हैं लेकिन दिव्या दत्ता उन चेहरों में से हैं, जो हर किरदार में खुद को थोड़ा-थोड़ा छोड़ती चली जाती हैं। लुधियाना की सादगी से लेकर सिनेमा की गहराइयों तक उनका सफर किसी शोर का नहीं बल्कि एक शांत भरोसे का रहा है, दिल की सुनने का भरोसा। उनके लिए अभिनय सिर्फ संवाद नहीं, खामोशियों को महसूस करने की कला है। फैसले हों या किरदार, वे आज भी उसी रास्ते पर चलती हैं, जहां दिमाग से पहले दिल जवाब देता है और शायद यही उन्हें अलग बनाता है। लखनऊ में शूट हुई वेब सीरीज 'चिरैया' के लिए शहर आई दिव्या दत्ता से खास बातचीत।

दिल से बड़ा मेरा कोई साथी नहीं

लुधियाना में पली-बढ़ी दिव्या दत्ता कहती हैं कि मैंने अपने घर से बहुत कुछ सीखा है लेकिन कई बातें वक्त के साथ समझ में आती हैं। फिल्मों और शोज को चुनते समय मैं सिर्फ दिल की सुनती हूं। मुझे लगता है कि जो काम मैं दिल से करूंगी, वही मुझे आगे बढ़ने का मौका देगा। मेरे फैसले पहले भी दिल से होते थे और आज भी वही तरीका है क्योंकि दिल से बड़ा कोई साथी नहीं होता है। यही वजह है कि डॉक्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से पिक्चर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। मैं खुद को खुशकिस्मत भी मानती हूं कि मां ने मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी दी थी।

माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो

मैंने कई अनुभवी कलाकारों के साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा है। हालांकि, मुझे सबसे अहम सीख फिल्म वीर-जारा में शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली। उस वक्त मुझे कैमरा एंगल्स का ज्यादा आइडिया नहीं था। उन्होंने खुद मुझे सही जगह पर खड़े होने में मदद की। वह इतने बड़े सुपरस्टार हैं, उन्हें क्या जरूरत थी मेरे लिए आगे आने की पर वो आए। उन्होंने यह भी कहा था कि मैं हर जगह मौजूद नहीं रहूंगा तो तुम्हें चीजें अपने हिसाब से बेहतर करनी होंगी। मुझे यह बात हमेशा याद रही। आज अगर मैं सीनियर हो गई हूं तो कोशिश करती हूं कि नए लोगों की जितनी मदद कर सकूं, करूं। सबसे जरूरी बात यही है कि सेट पर लोग एक-दूसरे के साथ कंफर्टेबल महसूस करें। काम तभी अच्छे से होता है, जब माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो।

भीतर का शांत जागरण है

चिरैया किसी लाउड विद्रोह की कहानी नहीं है बल्कि भीतर होने वाले एक शांत जागरण की बात करती है। हर दृश्य का अपना स्वभाव होता है। कभी कुछ कहना जरूरी होता है और कभी बिल्कुल शांत रहना। सब कुछ सीन के पूरे ढांचे पर निर्भर करता है। जैसे सीन की मांग होती है, वैसा ही भाव अपनाया जाता है। कहीं शब्द जरूरी होते हैं, कहीं खामोशी ही सबसे बड़ा संवाद बन जाती है। मुझे लगता है कि सवाल से ज्यादा जरूरी है उसे कहने का तरीका।बात किस शांति से, किस प्यार से और किस सम्मान के साथ कही जाती है, यही फर्क पैदा करता है। 'शादी कोई लाइसेंस नहीं है' जैसे संवाद सवाल जरूर उठाते हैं, लेकिन किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं बल्कि सोचने के लिए मजबूर करने के इरादे से।

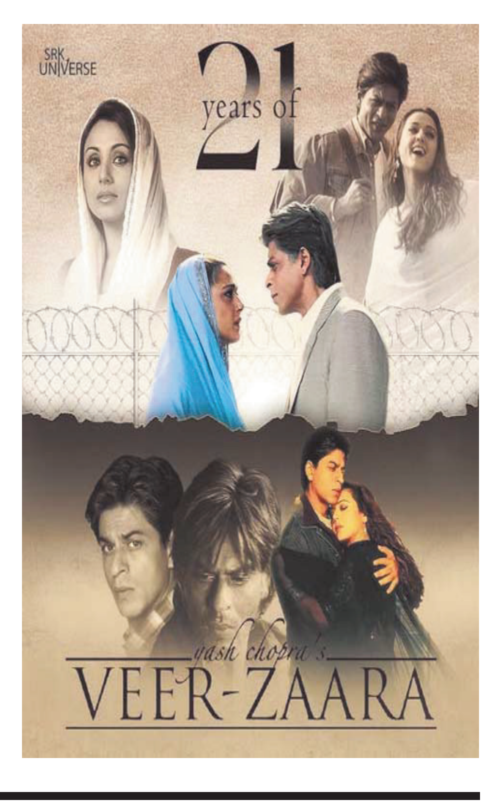

रंगीन दुनिया में हर रंग कुछ बोलता है। बिना रंगों के तो आप अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। हर रंग का कुछ अर्थ है, जिसे प्रायः हम नहीं जानते। आपको अपने भाव प्रकट करने हों या किसी को कुछ उपहार में देना हो, इसका चुनाव आप रंगों के माध्यम से ही करते हैं। अगर बात फैशन की हो तो कलर की च्वाइस करना और भी जरूरी हो जाता है।

सब कुछ कह देता है

फेवरेट कलर

पहले जहां अलग-अलग डिजाइनर्स के कलेक्शन को एक ही स्टोर में जगह मिलती थी, वहीं अब एक स्पेसफिक कलर के सभी डिजाइनर कपड़ों और एसेसरीज पर बेस्ड स्टोर भी शुरू हो गए हैं। एक रोचक बात और भी है कि फैशन को ध्यान में रखकर एक स्पेशल कलर थीम को लेकर अब एक्सपेरिमेंट हो रहे हैं।

इन कलर थीम में इस समय सिटी में ब्लैक, व्हाइट और पिंक थीम आ चुकी है। इन तीनों कलर्स में अगर आपको किसी भी तरह का आउटफिट, शूज, एसेसरीज और हैंडबैग चाहिए, तो आपको पूरी मैचिंग एक ही शॉप पर मिल जाएगी। ये तीनों कलर्स ही ऐसे हैं, जिन्हें यूथ के साथ ही बिजनेसमैन और पॉलिटिशियन भी पसंद करते हैं।

इन्हें चाहिए ब्लैक

बॉलीवुड के स्टाइल आइकल जॉब अब्राहिम, शाहरुख खान, शाहिद कपूर के फैन्स उनके ब्लैक कलर को भी फॉलो करते हैं। शादी, रिसेप्शन, डांस पार्टी, कॉकटेल पार्टी सभी जगह ब्लैक को फॉलो किया जा सकता है। ब्लैक कलर के दीवाने अपनी पसंद का यूनिक ब्लैक डिजाइनर पीस चुन रहे हैं।

व्हाइट फॉर आल

व्हाइट कलर सिर्फ यूथ ही नहीं, बल्कि बिजनेसमैन और पॉलिटिशियन की वॉडरोब का भी हिस्सा बना हुआ है। इसीलिए व्हाइट कलर में मेन्स वियर्स जैसे शर्ट्स, ट्राउजर, टाई, बेल्ट, शेरवानी, सूट, शूज और दूसरी सभी एसेसरीज तक बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं।

पिंक कलर बेस्ट

ज्वैलरी, हेयर एसेसरीज के साथ ही गिफ्ट आइटम्स आदि में पिंक कलर ही खोजती हैं। ऐसा नहीं है कि उन्हें कोई कलर नहीं भाता, लेकिन पिंक कलर उनकी पहली प्राथमिकता होती है।

पिंक कलर युवतियों का तो हमेशा से ही फेवरेट रहा है। हर गारमेंट शॉप, मेकअप शॉप और एसेसरी शॉप में अपना फेवरेट बेबी और स्पारकलिंग पिंक ढूंढ़ती है। ऐसा माना जाता है कि टीनेजर गर्ल्स के साथ 25 साल तक की गर्ल्स पिंक कलर की ड्रेसेज और एसेसरीज को पसंद करती हैं। ये कलर रोमांस के साथ ही सॉफ्टनेस के लिए भी जाना जाता है। शायद इसीलिए गर्ल्स फैशन एसेसरीज में, फुटवियर्स, बैग, ज्वैलरी, हेयर एसेसरीज के साथ ही गिफ्ट आइटम्स आदि में पिंक कलर ही खोजती हैं। ऐसा नहीं है कि उन्हें कोई कलर नहीं भाता, लेकिन पिंक कलर उनकी पहली प्राथमिकता होती है। लड़कियां गुलाबी और लाल तथा लड़के नीले और हरे रंग के प्रति आकर्षित क्यों होते हैं, इसका कारण चीनी वैज्ञानिकों ने पता लगा लिया है। झीजांग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि लड़कियों के दिमाग की संरचना इस तरह से है कि वे पके हुए लाल फलों जैसे रंगों की ओर आकर्षित हो जाती हैं, जबकि लड़के आसमान जैसे रंगों को पसंद करते हैं। 350 से अधिक विद्यार्थियों पर रंगों को लेकर किए गए शोध के बाद शोधकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे हैं। इस शोध में विद्यार्थियों पर 11 रंगों की पसंद का पता लगाया गया, साथ ही सभी का व्यक्तित्व परीक्षण भी किया गया। इस शोध में यह खुलासा हुआ है कि लड़कियों ने गुलाबी, बैंगनी और सफेद रंगों को पसंद किया, जबकि लड़कों ने नीले और हरे रंग को महत्ता दी। इससे यह भी पता चला है कि अंतर्मुखी लड़के पीले रंग को पसंद करते हैं और लड़कियां ग्रे रंग का चुनाव करती हैं।

खाएं स्वाद से...

चटनी प्याज की

सामग्री

1 स्लाइस में कटा हुआ प्याज, 1 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच तेल, 1 चम्मच मैथीदाना, 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, आधा चम्मच कलौंजी, 100 ग्राम बैंगन, 10 ग्राम कटी हुई हरी मिर्च, 100 ग्राम कटी हुई शिमला मिर्च ,500 ग्राम पत्ता गोभी , 1 चम्मच सिरका, 150 ग्राम सेम की फली, स्वाद के अनुसार चीनी।

विधि

तेल गरम करें उसमें प्याज को भूनें । इसमें मैथी दाना, जीरा, सौंफ, हल्दी, हरी मिर्च, और कलौंजी मिलाएं और थोडी देर तक भूनते रहें। अब इसमें कटी हुई पत्तागोभी डालें और धीमी आंच पर पकने के लिए ढंककर रख दे ऊपर से सिरका और चीनी डालें । कुछ देर पकने के बाद गैस बंद कर दे। अब सब्जी तैयार हो गई। चटनी के साथ गरम गरम परोसें।

फिरनी केसर - बादाम

सामग्री

दूध एक लीटर, चावल 200 ग्राम, शक्कर 100 ग्राम, कटी बादाम 20 ग्राम, पिस्ता 15 ग्राम, हरी इलायची छह से आठ, केसर आधा ग्राम, चाँदी या सोने का वर्क।

विधि

चावल को कुछ घंटों तक पानी में भिगो लें और पानी निथारकर पीस लें। दूध को धीमी आँच पर उबालें और चावल, शक्कर, हरी इलायची और केसर मिलाकर तब तक चलाती रहें जब तक दूध गाढ़ा न हो जाए। आँच से हटा कर बादाम और पिस्ता डाल दें। सर्विस बाउल में डालकर ठंडा कर लें। अब बादाम, पिस्ता व चाँदी या सोने के वर्क की गार्निश करें और ठंडा करके परोसें।

लो फैट मिठाई

सामग्री

250 ग्राम गेहूँ का आटा, 30 ग्राम घी, 200 ग्राम पिसी हुई चीनी या गुड़, एक चम्मच इलायची पावडर, एक चम्मच बादाम पावडर।

विधि

मोटे तले की कड़ाही में आटा भून लें। पिसी चीनी या गुड़ का चूरा कर आटे में मिला लें। मध्यम आँच पर दस निमट तक पकाएँ और थोड़ी-थोड़ी देर पर चलाती रहें। बाद में इलायची और बादाम पांवडर मिला लें। हाथ पर थोड़ा-सा घी लगाकर इनके लड्डू बाँध लें। और खुलकर खाएँ लो फैट मिठाइयाँ।

कुकर के रबड़ पर विशेष ध्यान दें। यदि रबड़ ढीला होगा तो प्रेशर नहीं बनेगा। नया रबड़ हमेशा अच्छी कंपनी का ही खरीदें । कभी रबड़ ढीला हो जाए तो उसे 15 मिनट तक फ्रीजर में रख दें। फिर से प्रेशर बनना प्रारंभ हो जाएगा। कुकर के ढक्कन की सफाई गाकेट उतारकर पुराने टूथ ब्रश से करें ताकि कोई भी खाद्य पदार्थ चिपका न रह जाए। इससे भी प्रेशर बनने में परेशानी होती है। गैस चूल्हे की हर बार खाना बनाने के पश्चात गीले कपड़े से या सूखे कपड़े से सफाई की जाए तो हम कई परेशानियों से बच सकते हैं।

जबसे महिलाओं ने बाहर का मोर्चा संभालना प्रारंभ किया है, विज्ञान ने भी इतने नये उपकरण निकाल दिए हैं कि उन्हें रसोई संभालना, घर की साफसफाई रखना अधिक मुश्किल न लगे पर बिजली के उपकरण भी देखभाल मांगते है ताकि उन्हें लंबे समय तक अपने आराम का साथी बनाया जा सके। माइक्रोवेव, गैस स्टोव, मिक्सर जूसरग्राइंडर, फ्रिज, एसी, टोस्टर, प्रेशर कुकर, एक्जास्ट फैन, चिमनी आदि की सफाई का ध्यान नहीं रखेंगे तो ये हमारा जल्दी साथ छोड़ देंगे और हमारी परेशानी बढ़ जाएगी। तो आइये देखें इनकी देखरेख कैसे की जाए।

कुकर : कुकर हमेशा आईएसआई मार्क का खरीदें जो काफी भारी हो। हलका कुकर जल्दी फट सकता है। कुकर जल्दी खाना बनाने में हमारी मदद करता है और ईंधन की बचत करता है। यदि हम इसके प्रति लापरवाही बरतेंगे तो यह भी हमारे प्रति लापरवाह हो जाएगा। कुकर के ढक्कन का प्रयोग आराम से करें और ढक्कन उपयोग के बाद सावधानीपूर्वक ऐसे स्थान पर रखें ताकि वो गिरे नहीं और दबे नहीं। गिरने से ढक्कन टेढ़ा हो जाता है आर प्रेशर बनने में मुश्किल होती है। कुकर में दाल बनाते समय थोड़ा सा रिफाइंड तेल अवश्य डालें ताकि दाल का पानी बाहर न निकले। कुकर के रबड़ पर विशेष ध्यान दें। यदि रबड़ ढीला होगा तो प्रेशर नहीं बनेगा। नया रबड़ हमेशा अच्छी कंपनी का ही खरीदें। कभी रबड़ ढीला हो जाए तो उसे 15 मिनट तक फ्रीजर में रख दें। फिर से प्रेशर बनना प्रारंभ हो जाएगा। कुकर के ढक्कन की सफाई गाकेट उतारकर पुराने टूथ ब्रश से करें ताकि कोई भी खाद्य पदार्थ चिपका न रह जाए। इससे भी प्रेशर बनने में परेशानी होती है।

गैस चूल्हा : गैस चूल्हे की हर बार खाना बनाने के पश्चात गीले कपड़े से या सूखे कपड़े से सफाई की जाए तो हम कई परेशानियों से बच सकते हैं।